दैनिक जागरण Sunday

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

www.dainikjagranmpcg.com

वर्ष 69 | अंक 69 | पृष्ठ 12

भोपाल, रविवार 07 दिसंबर, 2025

पौष कृष्ण पक्ष 03, विक्रम संवत् 2082

महानगर | मूल्य 5 रुपए

एकतरफा जीत

द. अफ्रीका को 9 विकेट से हराकर टीम इंडिया ने सीरीज अपने नाम की

भारत ने तीसरे और निर्णायक वनडे मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को 9 विकेट से करारी शिकस्त देकर सीरीज अपने नाम कर ली है। निर्णायक मैच में भारत ने टॉस जीता और शानदार प्रदर्शन करते हुए एकतरफा जीत दर्ज की।

271 रन के टारगेट का पीछा करते हुए भारत ने 9 विकेट से जीत हासिल की।

यशस्वी
मैन ऑफ द मैच
116 रन
12 चौके
02 छक्के

विराट
मैन ऑफ द सीरीज
302 रन
02 शतक

यशस्वी का पहला वनडे शतकः यशस्वी भारत के छठे ऐसे बल्लेबाज बन गए हैं जिन्होंने तीनों अंतरराष्ट्रीय प्रारूपों (टेस्ट, वनडे, टी-20) में शतक लगाया है।

कोहली के रिकॉर्ड 12 छक्केः कोहली ने 45 गेंदों में 65 रन की नाबाद पारी खेली। इस सीरीज में कोहली ने कुल 12 छक्के लगाए, जो किसी एक सीरीज में उनका अब तक का सर्वोच्च आंकड़ा है।

रोहित ने की दादा की बराबरीः रोहित अपने शतक से महज 25 रन दूर रह गए। 75 रन की पारी के दौरान रोहित ने वनडे क्रिकेट में 50 या उससे ज्यादा का स्कोर 94वीं बार पार किया। इंजमाम-उल-हक को पीछे छोड़ते हुए वे इस सूची में सौरव गांगुली के साथ 9वें स्थान पर पहुंचे।

तीसरे वनडे में आया जायसवाल-रोहित-विराट का तूफान, पेज-10 पर

इंडिगो संकट का पांचवां दिनः शनिवार को भी 800 से ज्यादा उड़ानें रद्द, 15 दिसंबर तक राहत मिलने के आसार नहीं

यात्रियों में चले लात और घूंसे, सरकार ने दिए आज रात 8 बजे तक रिफंड और लगैज लौटाने के आदेश

नई दिल्ली/भोपाल/लखनऊ, जेएनएन। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो का संकट खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। लगातार पांचवें दिन लोग परेशान हैं। एयरपोर्ट पर अफरा-तफरी मची है और कई जगह परेशान पैसेंजर्स ने जमकर हंगामा किया। लखनऊ में लाइन में खड़े होने के विवाद पर यात्री आपस में भिड़ गए। यहां एक यात्री ने दूसरे को लात-घूंसे मारे। कई अन्य एयरपोर्ट्स पर भी झगड़े हुए। शनिवार को इंडिगो की 800 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी गईं। हालांकि, यात्रियों की परेशानी को देखते हुए केंद्र सरकार ने सख्त रुख अपनाया और इंडिगो को निर्देश दिया है कि रविवार रात 8 बजे तक सभी रद्द टिकटों का पूरा रिफंड यात्रियों को दिया जाए। साथ ही जिन यात्रियों का लगेज एयरपोर्ट पर फंसा हुआ है, उसे भी 48 घंटे के भीतर लौटाने का आदेश दिया गया है।

इंदौर से बैंगलुरु फ्लाइट बुक कराने पर किराया लगा 35 हजार, पेज-12

हवाई किराया फिक्स, मनमानी पर रोक

केंद्र सरकार ने इंडिगो संकट के बीच बाकी एयरलाइनों को भी चेतावनी दी है कि वे यात्रियों से मनमाना किराया न वसूलें। इसके लिए सरकार ने अस्थायी रूप से हवाई किराए की अधिकतम सीमा तय कर दी है।

- 500 किमी तकः 7,500 रुपए
- 500-1000 किमीः 12,000 रुपए
- 1000-1500 किमीः 15,000 रुपए
- 1500 किमी से ऊपरः अधिकतम 18,000 रुपए

यह सीमा इकोनॉमी क्लास के लिए लागू होगी, बिजनेस क्लास के लिए नहीं। सरकार का कहना है कि संकट की आड़ में यात्रियों से अतिरिक्त वसूली बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

एयरपोर्ट पर सूटकेसों के ढेर पड़े हैं। फ्लाइट का इंतजार कर रहे लोगों ने जमीन पर रात गुजारी।

सीईओ ने मांगी 10 दिन की मोहलत

इंडिगो के सीईओ ने सरकार से ऑपरेशन पूरी तरह सामान्य करने के लिए 10 दिन की मोहलत मांगी है। इंडिगो का कहना है कि उनका पूरा फ्लाइट नेटवर्क 15 दिसंबर तक ही पूरी तरह सामान्य हो पाएगा। हालांकि सरकार इस दावे से संतुष्ट नहीं दिख रही और हालात पर कड़ी निगरानी रखे हुए है। इंडिगो ने शनिवार को दावा किया कि उसके 95 फीसदी रूट पर उड़ानें शुरू हो चुकी हैं। 138 में से 135 डेस्टिनेशन के लिए फ्लाइट रवाना हो गईं। जिनकी फ्लाइट रद्द हुई उन्हें रविवार रात 8 बजे तक रिफंड मिल जाएगा।

सोशल मीडिया पर फूटा गुस्सा, इंडिगो पर बरसे नाराज यात्री और परिजन

इंडिगो के खिलाफ यात्रियों का गुस्सा अब सोशल मीडिया पर भी खुलकर फूट रहा है। लोग अपनी टूटी यात्रा योजनाओं, फंसे हुए लगेज, बुजुर्गों और बच्चों की परेशानी के वीडियो पोस्ट कर रहे हैं।

यात्रियों की शिकायतें

- कस्टमर केयर फोन नहीं उठा रहा
- एयरपोर्ट पर स्टाफ सही जानकारी नहीं दे रहा
- होटल और वैकल्पिक फ्लाइट की कोई ठोस व्यवस्था नहीं की गई

अंदर के पन्नों पर

भोपाल में जीएसटी अपीलेट ट्रिब्यूनल बैंच नहीं ... (पेज-03)

थीम-बेस्ड वेडिंग्स का दौर, रीजनल कल्चर ... (पेज-05)

ऑस्ट्रेलिया के गाबा टेस्ट की पहली पारी में 511...(पेज-10)

10 सबसे प्रदूषित शहरों में गाजियाबाद सबसे...(पेज-11)

सिंहस्थ के लिए की जाएगी पांच हजार होमगार्ड की भर्ती

देश को सुरक्षा कवच दिया है होमगार्ड नेः मुख्यमंत्री

अब दो माह का कॉल ऑफ नहीं दिया जाएगा होमगार्ड को

विशेष संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश के होमगार्ड को अब तीन वर्ष में दो माह के बाध्य कॉल ऑफ पर नहीं भेजा जाएगा। इतना ही नहीं उन्हें प्रतिवर्ष मिलने वाली अनुकंपा अनुदान राशि को भी बढ़ाया जाएगा। सरकार सिंहस्थ 2028 के लिए 5 हजार पदों पर नई होमगार्ड भर्ती करेगी। यह घोषणा शनिवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने की। उन्होंने कहा कि होमगार्ड ने भरोसे और सेवा के रूप में देश को सुरक्षा कवच दिया है।

सीएम होमगार्ड्स के 63वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि होमगार्ड्स हर विपदा में सच्चे संकट मोचन बनकर जनता के साथ खड़े होते हैं। आजादी के बाद जब देश नागरिक सुरक्षा का ढांचा गढ़ रहा था, तब होमगार्ड ने भरोसे और सेवा के रूप में देश को सुरक्षा कवच दिया। उन्होंने कहा, महाकाल ज्योर्तिलिंग एवं महाकाल लोक की व्यवस्था के लिए होमगार्ड के 488 पदों की स्वीकृति दी गई है।

सीएम ने की पुरस्कार की घोषणा

डॉ. यादव ने 'मुख्यमंत्री अदम्य साहसिक कार्य पुरस्कार' की घोषणा की, जिसके अंतर्गत कठिन परिस्थितियों में जान-माल की रक्षा करने वाली 10 रेस्क्यू टीमों को प्रतिवर्ष 51 हजार रुपये दिए जाएंगे। इसके अंतर्गत इंदौर, शिवपुरी, गुना, रायसेन, मंडला, नरसिंहपुर, रीवा, छतरपुर, टीकमगढ़ और उज्जैन की रेस्क्यू टीमों को सम्मानित किया गया।

यह घोषणाएं भी कीं

- प्रमुख मंदिरों और महत्वपूर्ण स्थलों की सुरक्षा के लिए आवश्यक बल उपलब्ध कराया जाएगा।
- आपदा प्रबंधन बल के अधिकारियों-जवानों को कार्यस्थल के निकट आवासीय सुविधा
- इंदौर के रालामंडल को आपदा प्रबंधन विशेष प्रशिक्षण केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है।
- बैगा, भारिया और सहरिया युवाओं को भर्ती प्रशिक्षण देने कंपनी गठित की जाएगी।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौताः अमेरिकी टीम 10 दिसंबर को पहुंचेगी दिल्ली

दिसंबर अंत तक समझौता होने की उम्मीद

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत और अमेरिका के बीच लंबे समय से अटके द्विपक्षीय व्यापार समझौते को लेकर एक बार फिर उम्मीदें तेज हो गई हैं। अमेरिका का एक उच्चस्तरीय व्यापार प्रतिनिधिमंडल 10 दिसंबर को नई दिल्ली आने वाला है। इसका मकसद दोनों देशों के बीच बची हुई असहमतियों को दूर कर दिसंबर के अंत तक समझौते को अंतिम रूप देना है। सूत्रों के मुताबिक, अमेरिकी ट्रेड टीम का नेतृत्व डिप्टी यूएस ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव रिक स्विट्जर करेंगे। उनके साथ भारत के लिए अमेरिका के मुख्य व्यापार वार्ताकार ब्रेंडन लिंच भी मौजूद रहेंगे। यह टीम भारत के वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल से मुलाकात कर समझौते के अंतिम बिंदुओं पर बातचीत करेगी।

कम हुआ है अमेरिका का व्यापार घाटा

हाल के महीनों में भारत ने अमेरिका से कच्चे तेल का आयात बढ़ाया है, जिससे दोनों देशों के बीच व्यापार असंतुलन में स्पष्ट सुधार देखा गया है।

- मार्च 2025 में यह अंतर करीब 4 अरब डॉलर था,
- जो अब घटकर करीब 1.5 अरब डॉलर के आसपास रह गया है।

यह व्यापार घाटा अमेरिका की प्रमुख चिंताओं में शामिल था, जिसे लेकर समझौते की बातचीत शुरू हुई थी।

तकनीकी बातचीत बाकी

वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने पिछले सप्ताह कहा था कि भारत को इस साल के अंत तक अमेरिका के साथ समझौता होने की पूरी उम्मीद है। उन्होंने कहा था, 'अब यह सिर्फ समय का सवाल है। तकनीकी स्तर पर ज्यादा कुछ बचा नहीं है, अब राजनीतिक स्तर पर फैसला होना है।'

पुतिन के दौरे का असर

इस अमेरिकी यात्रा का समय इसलिए भी अहम माना जा रहा है क्योंकि यह रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की हालिया दो दिवसीय भारत यात्रा के ठीक बाद हो रही है। इस यात्रा में भारत और रूस ने 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 64 अरब डॉलर से बढ़ाकर 100 अरब डॉलर करने और घरेलू मुद्राओं में व्यापार बढ़ाने का फैसला किया था। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत की रूस के साथ गहराती आर्थिक साझेदारी का असर अमेरिका-भारत व्यापार वार्ताओं पर भी पड़ सकता है, खासकर टैरिफ और ऊर्जा आयात से जुड़े मुद्दों पर इसका असर रहेगा।

मध्य प्रदेशः 'उमीद पोर्टल' में खामियों का मामला

वक्फ मुतवल्ली ने लगाई सुप्रीम कोर्ट में याचिका

नई दिल्ली, जेएनएन। मध्य प्रदेश के एक वक्फ मुतवल्ली ने वक्फ संपत्तियों के ऑनलाइन पंजीकरण से जुड़े उमीद पोर्टल की गंभीर तकनीकी खामियों को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया है कि यह पोर्टल संरचनात्मक रूप से दोषपूर्ण और तकनीकी रूप से अयोग्य है, जिसके कारण वक्फ संपत्तियों का सही तरीके से पंजीकरण करना संभव नहीं हो पा रहा है।

यह याचिका संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत दाखिल की गई है, जिसमें वक्फ अधिनियम, 1995 की धारा 3बी के तहत डिजिटल अपलोडिंग को अनिवार्य बनाए जाने की वैधता को चुनौती दी गई है।

देशभर में अपलोडिंग बेहद धीमी

देश के 30 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में कुल 8.72 लाख वक्फ संपत्तियां दर्ज हैं, जो लगभग 38 लाख एकड़ भूमि में फैली हुई हैं। इनमें से 4.02 लाख संपत्तियां 'वक्फ बाय यूजर' श्रेणी में आती हैं।

प्रदेश में स्थिति और भी गंभीर

याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि मध्य प्रदेश में हालात और भी जटिल हैं, क्योंकि यहां लगभग सभी वक्फ संपत्तियां सर्वे और गजट अधिसूचित हैं। जबकि राज्य में 'वक्फ बाय यूजर' की श्रेणी लगभग नहीं के बराबर है। इसके बावजूद, उमीद पोर्टल में सर्वे या गजट वक्फ की प्रविष्टि का कोई विकल्प नहीं दिया गया है। गलत श्रेणी में अपलोड करना अवैधानिक घोषणा होगी।

सुप्रीम कोर्ट का अहम फैसला

सिर्फ डिग्री के नाम पर रद्द नहीं कर सकते उम्मीदवारी

नई दिल्ली, जेएनएन। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि अगर आवश्यक मुख्य विषय किसी उम्मीदवार की पढ़ाई में शामिल रहा है, तो महज इस आधार पर उसकी उम्मीदवारी खारिज नहीं की जा सकती कि उसकी डिग्री किसी अन्य स्पेशलाइजेशन के नाम से है। अदालत ने कहा कि केवल डिग्री के शीर्षक पर जोर देना, वास्तविक पाठ्यक्रम को नजरअंदाज करना 'रूप को सार पर वरीयता देने' जैसा है, जो कानून की भावना के खिलाफ है। कोर्ट ने एक एम कॉम (कॉमर्स) पास उम्मीदवार की नौकरी बहाल कर दी, जिसे केवल इस आधार पर हटा दिया गया था कि उसके पास औपचारिक रूप से सांख्यिकी में स्नातकोत्तर डिग्री नहीं थी, जबकि उसने अपने एम कॉम पाठ्यक्रम में बिजनेस स्टैटिस्टिक्स और इंडियन इकोनॉमिक स्टैटिस्टिक्स मुख्य विषय के रूप में पढ़े थे।

मध्य प्रदेश का मामलाः लक्ष्मीकांत शर्मा बनाम मध्य प्रदेश सरकार मामले में नवंबर 2012 में मॉनिटरिंग एंड इवैल्यूएशन कंसल्टेंट के पद के लिए आवेदन मांगे थे। पद के लिए योग्यता 'सांख्यिकी में स्नातकोत्तर डिग्री' अनिवार्य बताई गई थी। अपीलकर्ता ने बिजनेस स्टैटिस्टिक्स और इंडियन इकोनॉमिक स्टैटिस्टिक्स मुख्य विषय के रूप में पढ़ा था।

वित्त मंत्री ने कहा- रुपये की गिरावट चिंता की बात नहीं

नई दिल्ली, जेएनएन। भारतीय रुपये की लगातार गिरावट और अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंचने से बाजार, निवेशकों और आम लोगों में चिंता है। इस बीच वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस पर पहली बार खुलकर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि घबराने की जरूरत नहीं है, क्योंकि रुपया अपना स्तर खुद तय करेगा। शनिवार को एक कार्यक्रम के दौरान वित्त मंत्री ने कहा, 'रुपये की वर्तमान स्थिति को लेकर बेवजह डर का माहौल बनाया जा रहा है। चिंता की कोई बात नहीं है। करेंसी मूल्य कई वैश्विक और घरेलू कारकों से प्रभावित होता है बाजार अंततः अपने स्तर को खुद संतुलित कर लेता है।'

69 वर्ष बाद बदला राजभवन का नाम, अब हुआ लोकभवन

चौथी बार नामकरण, वर्ष 1956 से भवन का नाम था राजभवन

विशेष संवाददाता, भोपाल। प्रदेश का राजभवन अब 69 वर्ष बाद लोकभवन के नाम से जाना जाएगा। इस ऐतिहासिक भवन का यह चौथी बार नामकरण किया गया है। अब राज्यपाल का आधिकारिक आवास और कार्यस्थल इसी नए नाम से जाना जाएगा। उल्लेखनीय है कि केन्द्र सरकार के निर्णय के उपरांत राजभवन के नाम को परिवर्तित किया गया है। गौरतलब है कि बीते वर्ष राज्यपालों के राष्ट्रीय सम्मेलन में यह प्रस्ताव के साथ सामने आयी थी कि राजभवन जैसी उपाधियां औपनिवेशिक मानसिकता की प्रतीक हैं। इस वजह से सुझाव दिया गया कि इन्हें लोकतांत्रिक भाव को दर्शाने वाले नामों से बदलना चाहिए।

इस पर मंथन करने के उपरांत देशभर के राजभवनों के नाम लोक भवन पर रखे जा रहे हैं। इसी क्रम में मध्यप्रदेश में यह बड़ा निर्णय लिया गया है। जानकारों की मानें तो वर्ष 1880 में ब्रिटिश अधिकारियों के ठहरने के लिए इस भवन का निर्माण कराया था। तब इसे लाल कोठी के संबोधन से जाना जाता था। बाद में लाल कोठी भोपाल में तैनात ब्रिटिश राजनीतिक एजेंटों का आधिकारिक निवास बन गया था। इस तरह इस भवन का 145 साल पुराना इतिहास है। बताया गया है कि 1 जून 1949 को भोपाल का भारत संघ में विलय हो गया और लगभग 250 साल पुराना रियासती शासन समाप्त हो गया। भारत सरकार ने भोपाल के प्रशासन के लिए एक चीफ कमिश्नर नियुक्त किया है। इनके आधिकारिक आवास के रूप में लाल कोठी को चुना गया। उसके बाद से ही लाल कोठी की पहचान कमिश्नर हाउस के रूप में होने लगी, जिसे बाद में इसी नाम से जाना जाने लगा। बताया गया है कि वर्ष 1956 में जब राज्यों के पुनर्गठन कानून लागू किया गया और भोपाल राज्य मप्र के रूप में गठित किया गया और भोपाल प्रदेश की राजधानी बनाई गई,तब राज्य के राज्यपाल के आधिकारिक निवास के तौर पर इसी भवन का चयन किया गया। तभी से अब तक इस भवन को राज भवन के तौर पर जाना गया।

गांव,नगर व पदों के भी बदले गए नाम

हालांकि केन्द्रीय स्तर पर लिए गए निर्णयों के उपरांत राजभवन का नाम लोकभवन किया गया है। लेकिन प्रदेश में भी नाम बदलने के कई निर्णय लिए गए है। जिसमें केन्द्र सरकार की अनुमति रही है।इसके अलावा राज्य सरकार द्वारा प्रशासनिक उपाधियों में बदलाव कर चुकी है। विश्वविद्यालयों में जहां कुलपति के स्थान पर कुलगुरु शब्द का प्रयोग किया जा रहा है,तो वहीं सीएम राइज स्कूल का नाम बदलकर सांदीपनि स्कूल किया गया है।

बदली गई नेम प्लेट

इस निर्णय के तहत शनिवार को अधिकारियों की मौजूदगी में राजभवन के नाम की नेमप्लेट बदल दी गई। उसके स्थान पर लोकभवन लिखी नेमप्लेट लगाई गई है।

सीएम पहुंचे राजभवन, राज्यपाल से की मुलाकात

इससे पहले मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव राजभवन पहुंचे, जहां उन्होंने राज्यपाल मंगुभाई पटेल से मुलाकात की। बताया गया है कि सीएम जिस समय राजभवन पहुंचे थे, उस समय नेम प्लेट बदलने का काम जारी था, जो मुख्यमंत्री के लोकभवन से जाने के उपरांत पूरा किया गया। जानकारी के अनुसार सीएम डॉ. यादव राज्यपाल को रविवार को कुशाभाई ठाकरे कन्वेंशन सेंटर में उच्च शिक्षा विभाग के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रण देने पहुंचे थे। सूत्रों की माने तो इस दौरान शीतकालीन सत्र के संदर्भ में भी सीएम और राज्यपाल के मध्य चर्चा हुई है। उल्लेखनीय है कि 7 दिसम्बर को मध्यप्रदेश में राश्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन, उससे जुड़ी चुनौतियों और संभावनाओं पर विचार-विमर्श के लिये एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई है, जिसके मुख्य अतिथि राज्यपाल मंगुभाई पटेल होंगे,जबकि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव अध्यक्षता करेंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार तथा स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह उपस्थित रहेंगे।

संक्षिप्त खबरें

खाद्यान्न भंडारण अब होगा फुल-प्रूफ

विसं, भोपाल। सरकार ने प्रदेश के अनाज गोदामों की निगरानी को लेकर एक बड़ा निर्णय लिया है। खाद्यान्न भंडारन को लेकर आधुनिक सटीक और पूर्णतः पारदर्शी बनाने तीन महत्वपूर्ण मोबाइल ऐप- निरीक्षण ऐप, नमी मापक ऐप और फ्यूमिगेशन ऐप का शुभारंभ किया है। प्रदेश खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत द्वारा शुरू किए गए इन ऐप्स से खाद्यान्न भंडारण प्रणाली में तकनीक आधारित मॉनिटरिंग लागू होगी, जिससे गड़बड़ियों पर अंकुश लगेगा और नागरिकों को बेहतर गुणवत्ता का अनाज उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी। मंत्री राजपूत ने बताया कि इस ऐप से रियल-टाइम निगरानी होगी। यह ऐप गोदामों के भौतिक निरीक्षण को पूरी तरह रियल-टाइम और लोकेशन-बेस्ड बना देगा। निरीक्षण का रोस्टर भोपाल मुख्यालय से तैयार होगा। इसके अलावा एक ब्रांच के गोदाम का निरीक्षण दूसरी ब्रांच के प्रबंधक द्वारा किया जाएगा, जिससे क्रॉस वेरिफिकेशन सुनिश्चित होगा। अधिकारी को गोदाम पर फिजिकली मौजूद रहने पर ही निरीक्षण भरने और फोटो अपलोड करने की अनुमति होगी।

अंकित के बाद अमित की अध्यक्षीय पर भी सवाल

विशेष संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश यूथ कांग्रेस के भोपाल अध्यक्ष के पद का विवाद खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। शुक्रवार को अखिल भारतीय युवा कांग्रेस के एक निर्णय पर जिन अमित खत्री को भोपाल अध्यक्ष का पद सौंपा गया था,उसके खिलाफ शनिवार को युवतियों का विरोध प्रदर्शन किया। गौरतलब है कि यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय नेतृत्व ने भोपाल यूथ कांग्रेस अध्यक्ष अंकित दुबे पर आपराधिक रिकॉर्ड छिपाने के आरोप लगाते हुए उनका निर्वाचन शून्य घोषित कर दिया था और निर्वाचन में दूसरे स्थान पर रहे अमित खत्री को अध्यक्ष बनाया था।जिनका रविवार को किया। प्रदर्शनकारियों ने अंकित दुबे पर दुष्कर्म के आरोप लगाते हुए कई युवतियों और महिलाओं ने पार्टी कार्यालय के सामने हंगामा किया। उन्हें पद से हटाने व पार्टी से बर्खास्त करने की मांग की। युवतियों ने एफआईआर की कॉपी भी लहराई। प्रदर्शनकारियों ने नारे लगाते हुए कहा कि दुष्कर्मी अमित खत्री को कार्यकारी जिला अध्यक्ष पद से तुरंत हटाकर पार्टी से निष्कासित किया जाए। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि खत्री पर कई तरह के आपराधिक प्रकरण दर्ज है।

पार्टी के कामों को घर-घर पहुंचाएं महिला कार्यकर्ता: हेमंत

भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष ने किया पदभार ग्रहण, सरकार ने बढ़ाई महिलाओं की भागीदारी

विशेष संवाददाता, भोपाल। भाजपा महिला मोर्चा की नव नियुक्त प्रदेशाध्यक्ष अश्विनी परांजपे ने शनिवार को कार्यभार ग्रहण किया। इस मौके पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि महिला कार्यकर्ता राज्य के हर घर तक पार्टी के कार्यो को पहुंचाने का काम करें। उन्होंने कहा कि भाजपा ऐसा दल है, जो कार्यकर्ता की मेहनत का सम्मान करती है, इसके कई उदाहरण प्रदेश में हैं। महिला मोर्चा अध्यक्ष को भाजपा प्रदेश दफ्तर में पदभार ग्रहण कराने के उपरांत खंडेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद में महिलाओं को आरक्षण देकर राजनीति में भागीदारी बढ़ाने का कार्य किया है। मध्यप्रदेश और बिहार विधानसभा के चुनाव में भाजपा की जीत को बहनों ने आसान बनाया है। अब महिला कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है कि उन्हें प्रदेश के हर घर तक पार्टी और सरकार के कामकाज को पहुंचाना है। फर्जी मतदाता चुनाव परिणाम प्रभावित कर सकते हैं, इसलिए एसआईआर के कार्य में सभी सहयोग करें खंडेलवाल ने कहा कि महिला मोर्चा की कार्यकर्ता पार्टी की सभी संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने का कार्य कर रही हैं। महिला मोर्चा का अस्तित्व तो जनसंघ के समय से रहा है, लेकिन महिलाओं की राजनीति में बहुत कम भागीदारी रहती थी। मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार ने स्थानीय चुनावों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाकर उन्हें नेतृत्व करने के अधिकार देने का कार्य किया है। आजादी के बाद महिलाएं मतदान किसे करना है, यह निर्णय स्वयं बहुत कम कर पाती थी। अब महिलाएं यह अच्छी तरह से जानती हैं कि लोकतंत्र को किस दिशा में लेकर जाना है।

एसआईआर के काम में सहयोग करें कार्यकर्ता

खंडेलवाल ने कहा कि इस समय मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्य कार्य चल रहा है। यह कार्य चुनाव आयोग 20-25 वर्ष में करता रहता है। एसआईआर के कार्यों में आप सभी कार्यकर्ता जितना अधिक सहयोग और कार्य करेंगे, आगामी चुनाव में पार्टी की जीत उतनी ही आसान हो जाएगी। उन्होंने कहा कि पार्टी संगठन सभी को समय-समय पर दायित्व देता रहता है। पार्टी में सभी कार्यकर्ता समान होते हैं, सिर्फ दायित्व अलग-अलग होते हैं। आप सभी कार्यकर्ताओं को संगठन की मजबूती के लिए और हर घर तक भाजपा की पहुंच हो, इसके लिए कार्य करना है। आप सभी बहनें अपनी चिंता छोडकऱ पार्टी की विचारधारा को घर-घर तक पहुंचाने के लिए कार्य करें। संगठन आप सभी बहनों के सम्मान की चिंता स्वयं कर रहा है।

महिला मोर्चा अपने संगठनात्मक कार्यों से इतिहास रचेगा

भाजपा महिला मोर्चा की पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व सांसद माया नारोलिया ने कहा कि महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष अश्विनी परांजपे मोर्चा के कार्यों को पूरी तरह समझती हैं। उनके नेतृत्व में मध्यप्रदेश का महिला मोर्चा अपने संगठनात्मक कार्यों में इतिहास रचेगा। भाजपा महिलाओं की समाज और राजनीति में भागीदारी बढ़ाने के लिए लगातार कार्य कर रहा है। अपने पहले उद्बोधन में प्रदेश अध्यक्ष अश्विनी परांजपे ने कहा कि एसआईआर का कार्य भारत माता की पूजा की तरह है। मध्यप्रदेश में इस समय एसआईआर का कार्य चल रहा है। महिला मोर्चा की सभी कार्यकर्ता एसआईआर के कार्य में सहयोग करें, ताकि एक भी सही मतदाता वंचित न रहने पाए।

देश में विरासत के साथ विकास का काम तेज गति से जारी : मुख्यमंत्री

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में विरासत के साथ विकास का कार्य तेज गति से जारी है। आज विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र वाले देश में चाय वाला प्रधानमंत्री और गाय वाला मुख्यमंत्री है। राजधानी भोपाल के 9 मार्गो पर महापुरुषों के नाम पर द्वार बनाए जाएंगे। डॉ. यादव शनिवार को अपने निवास स्थित समत्व भवन में आयोजित अभिनंदन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजधानी के गौरवशाली अतीत को निखारने के लिए सभी समन्वित आवश्यक प्रयास पूरी प्रतिबद्धता के साथ किए जाएंगे। भोपाल में महापुरुषों के नाम पर विभिन्न मार्गों पर 9 भव्य द्वार बनेंगे। उन्होंने कहा कि अयोध्या में भगवान श्रीराम मुस्कुरा रहे हैं, काशी का भी आनंद उसमें जुड़ा है और महाकाल में महालोक छाया हुआ है। मध्यप्रदेश में भगवान श्रीकृष्ण ने शिक्षा प्राप्त की है। सांदीपनि का आश्रम मध्यप्रदेश की धरोहर है। सम्राट अशोक और विश्व प्रसिद्ध धरोहर सांची को जीवंत करते द्वार बनाए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सनातन संस्कृति में गौमाता का प्रमुख स्थान है। गाय स्वयं के बच्चों के साथ हम सभी का पोषण भी करती है, इसीलिए वह माता के रूप में पूजी जाती है। वह अपने आंचल में ममता लिए सबका कल्याण करती है। इस मौके पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव का उनके दो वर्ष का कार्यकाल पूरा होने पर सम्मान किया गया। यह सम्मान हुजूर विधायक रामेश्वर शर्मा के नेतृत्व में उनकी विधानसभा से आए नागरिकों द्वारा किया गया।

भोपाल में जीएसटी अपीलेट ट्रिब्यूनल बैंच नहीं हो पाई शुरू

अपील करने की समय सीमा ने बढ़ाई व्यापारियों की चिंता, नए साल में सुविधा मिलने के आसार

मुख्य संवाददाता, भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में बीते साल घोषित वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) अपीलेट ट्रिब्यूनल की बैंच अभी तक स्थापित नहीं हो पाई है। इस ट्रिब्यूनल में एमपी जीएसटी से जुड़े विवदों पर सुनवाई की जाना है। इस बैंच में पुराने मामलों में अपील दायर करने की समय सीमा तेजी से नजदीक आ रही है और व्यापारी लगातार अपने मामलों को सुलझाने के लिए वाणिज्यकर विभाग के चक्कर काट रहे हैं। ट्रिब्यूनल की इस बेंच को राज्य के करदाताओं के लिए एक महत्वपूर्ण राहत के रूप में देखा जा रहा था, लेकिन इसके संचालन में हो रही देरी से कारोबारी चिंतित हैं। हालांकि देश की व्यापारिक संस्था कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) को केंद्र से मिली जानकारी के अनुसार भोपाल समेत देश के सभी हिस्सों में स्थापित होने वाली बैंच अगले दो माह के भीतर काम करना शुरू कर देंगी।

सदस्यों की नियुक्ति सेंट्रल जीएसटी के पास, जल्द जारी होंगे पदस्थापना आदेश

ट्रिब्यूनल के प्रावधानों के अनुसार बैंच में 2 न्यायिक सदस्यों और 2 तकनीकी सदस्यों की नियुक्ति की जानी है। इन सदस्यों में से वरिष्ठ न्यायिक सदस्य को बेंच का मुखिया बनाया जाएगा। प्रदेश के वाणिज्यकर आयुक्त धनराजू एस ने इस संबंध में पुष्टि करते हुए बताया कि अभी तक बेंच स्थापित नहीं हो पाई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इसके लिए सदस्यों की नियुक्ति करने और पदस्थापना का कार्य सेंट्रल जीएसटी (सीजीएसटी) दिल्ली के पास है और इसे स्थापित करने को लेकर विस्तार से जानकारी वहीं से मिल सकेगी। कैट के एमपी सीजी के रीजनल इंचार्ज और रिटायर जीएसटी कमिश्नर नवनीत अग्रवाल के मुताबिक केंद्र ने भोपाल समेत देश भर की जीएसटी अपीलेट ट्रिब्यूनल बैंच के लिए न्यायिक और तकनीकी सदस्यों की नियुक्ति की प्रक्रिया पूरा कर ली है, जल्द ही इनकी पदस्थापना के आदेश जारी हो जाएंगे। भोपाल में इस ट्रिब्यूनल के लिए सतपुड़ा भवन में जगह आवंटित की गई है।

पुराने मामलों में अपील दायर करने के लिए जून 2026 तक की लिमिट

जीएसटी काउंसिल में हुए निर्णय के मुताबिक, जीएसटी व्यवस्था के 2017 में शुरू होने के बाद से लंबित पुराने मामलों की अपील भोपाल बेंच में जून 2026 तक फाइल की जा सकेंगी। कार्य शुरू होने में हो रही देरी के कारण अपील दायर करने की यह समय सीमा करदाताओं के लिए दबाव का कारण बन सकती है। हालांकि कैट के एमपी सीजी के रीजनल इंचार्ज नवनीत अग्रवाल के अनुसार इस मामले में केंद्र ने दो तरह से राहत दी है। ट्रिब्यूनल की बैंच न होने पर व्यापारी को सीधे हाईकोर्ट में अपील करने की अनुमति है। इसके अलावा व्यापारियों को रिकवरी के जो नोटिस जारी किए गए हैं, उसमें रिकवरी की दस फीसदी राशि जमा कर स्टेट जीएसटी में इस आशय का आवेदन दिया जा सकता है कि वे ट्रिब्यूनल बैंच स्थापित होने पर उसमें अपील करेंगे। इसके बाद उन कारोबारियों के खिलाफ रिकवरी नहीं की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

आरकेएमपी होकर चलेगी गोरखपुर-एलटीटी ट्रेन

कार्यालय संवाददाता, भोपाल। रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की मांग पर 05587/05588 गोरखपुर- लोकमान्य तिलक टर्मिनस-गोरखपुर विशेष गाड़ी का संचालन गोरखपुर से 7 दिसम्बर तथा लोकमान्य तिलक टर्मिनस से 9 दिसम्बर को किया जा रहा है। यह स्पेशल ट्रेन मंडल के बीना, रानी कमलापति एवं इटारसी स्टेशनों से होकर गंतव्य को जाएगी। जानकारी अनुसार गाड़ी संख्या 05587 गोरखपुर-लोकमान्य तिलक टर्मिनस विशेष गाड़ी 7 दिसम्बर को गोरखपुर से रात 11.25 बजे प्रस्थान कर दूसरे दिन शाम 4:40 बीना पहुंचेगी। इसके बाद शाम 7:25 रानी कमलापति, रात 9.12 इटारसी होते हुए अगले दिन सुबह 9 बजे लोकमान्य तिलक टर्मिनस पहुंचेगी। इसी प्रकार वापसी यात्रा में गाड़ी संख्या 05588 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-गोरखपुर विशेष गाड़ी 9 दिसंबर को लोकमान्य तिलक टर्मिनस से सुबह 11 बजे प्रस्थान कर रात 12:25 बजे इटारसी, 2:40 बजे रानी कमलापति होते हुए रात 8.15 बजे गोरखपुर पहुंचेगी। इस गाड़ी में जनरेटर सह लगेज यान का 1, शयनयान श्रेणी के 4, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 8, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के 2, वातानुकूलित प्रथम श्रेणी का 1, साधारण द्वितीय श्रेणी के 4, तथा एलएसएलआरडी के 1 कोच सहित कुल 21 कोच लगाए जायेंगे।

कोच फैक्ट्री आरओबी के लिए शिफ्ट होगी लाइन

कार्यालय संवाददाता, भोपाल। पुराने भोपाल में छोला से कोच फैक्ट्री के लिए बनाया जा रहा रेलवे ओवर ब्रिज के लिए यहां से गुजरने वाली बिजली लाइन को शिफ्ट किया जाएगा। इसके निर्देश पश्चिम मध्य रेलवे की महाप्रबंधक शोभना बंदोपाध्याय ने अधीनस्थ अधिकारियों को दिए हैं। दरअसल शनिवार को पमरे की जीएम इस निर्माणाधीन आरओबी का निरीक्षण करने पहुंची थीं। उन्होंने यहां अधिकारियों को निर्देशित किया कि आरओबी के निर्माण में जो भी बाधाएं आ रही हैं। उन्हें बिना देर किए दूर किया जाए। इस अवसर पर अधिकारियों ने पूरे प्रोजेक्ट से जीएम को अवगत कराया और बताया कि कुछ बिजली की लाइनें और पुराने निर्माण इस कार्य में बाधा बन रहे हैं। यह सुनकर जीएम ने कहा कि बिजली कंपनी के अधिकारियों से समन्वय कर बिजली लाइनों को शिफ्ट कराने का काम शुरू कीजिए। इसके अलावा जो पुराने निर्माण की संरचनाएं हैं उन्हें भी हटाया जाए। निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने अब तक हुई कार्य प्रगति की विस्तृत समीक्षा की तथा कार्य की गति एवं गुणवत्ता पर संतोष व्यक्त किया।

आधार अपेडट कराने जा रही महिला की चेन लूटी

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। बागसेवनिया इलाके में एक महिला के साथ लूट हो गई। घटना के वक्त महिला आधार अपडेट कराने जा रही थी, तभी बाइक सवार लुटेरे ने गले पर झपट्टा मारकर चेन लूट ली। पुलिस के मुताबिक 35 वर्षीय वर्षा सहगल पति करण सहगल बसंत कुंज शाहपुरा में रहती हैं। शुक्रवार दोपहर तीन बजे एक्टिवा से साकेत नगर आधार सेंटर जा रही थीं। वह अभी नारायण अस्पताल के पास पहुंची थीं, तभी पीछे से आए बिना नंबर की पल्सर सवार बदमाश ने उनके गले पर झपट्टा मारकर सोने की चेन खींच ली। महिला कुछ समझ पाती इससे पहले आरोपी मौके फरार हो गया। बाद में महिला परिजनों के साथ थाने पहुंची और आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई।

रेसिंग और अय्याशी के लिए चोरी करते थे बाइक, 18 लाख के दोपहिया बरामद

देहात इलाकों में 5-7 हजार में बिना कागज बेच देते थे वाहन, तीन गिरफ्तार

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। गोविंदपुरा पुलिस तीन शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनसे चोरी के 18 लाख रुपए कीमती 13 दो पहिया वाहन जब्त किए हैं। रेसिंग और अय्याशी के लिए वह बाइक चोरी करते थे। चार महीने के अंदर उन्होंने यह बाइक चोरी की थीं। वे चोरी की बाइक देहात इलाकों में 5-7 हजार रुपए में बिना कागज के बेच देते थे। पुलिस एमएएमएस चेकिंग से आरोपी को धरदबोचा। सभी का पूर्व आपराधिक रिकार्ड है। तीनों पुलिस की रिमांड पर हैं। रविवार को पुलिस ने उन्हें अदालत में पेश करेगी। गोविंदपुरा थाना प्रभारी अवधेश सिंह तोमर ने बताया कि 22 वर्षीय रितिक जैन पिता अजय जैन शक्ति नगर गोविंदपुरा में रहता है। वह पढ़ाई करता है। बीती 10 नवंबर को रितिक की घर के बाहर खड़ी बुलेट चोरी हो गई थी। आरोपी सीसीटीवी फुटेज में कैद हुए थे, जोकि बुलेट चोरी करते दिखाई दिए थे। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की ट्रेल बनाई और आरोपियों की पहचान की। इस बीच बिना नंबर की बुलेट चेकिंग में पकड़ी गई। दस्तावेज न दिखा पाने के कारण पुलिस ने उनसे पूछताछ की।

एमपीआरटी की वेबसाइट से किया मिलान

इधर, एमपी आरटी की वेबसाइट द्वारा गाड़ी का इंजन व चेचिस नंबर चेक किया गया। उक्त गाड़ी गोविंदपुरा इलाके के चोरी के अपराध में थी। पुलिस ने तीनों से सख्ती से पूछताछ की। उन्होंने बुलेट को चोरी करना स्वीकार किया। आरोपियों की पहचान बसीम खान उर्फ समर खान (35) निवासी सुंदर नगर अशोका गार्डन, आसिफ अली (23) निवासी लददाकपुरा बडवाली मस्जिद के पास जहांगीराबाद और सुलेमान खान (30) निवासी कुम्हापुरा बरखेड़ी जहांगीराबाद के रूप में हुई।

भीड़भाड़ वाले इलाकों से चोरी

पुलिस ने तीनों को तीन दिन की रिमांड पर लिया। पूछताछ में आरोपियों ने गोविंदपुरा इलाके से 7, हबीबगंज से 2, बागसेवनिया से 2, ऐशबाग और टीटीनगर से एक-एक दो पहिया वाहन चोरी करना कबूल किया। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने कुल 13 बाइक बरामद कीं। वह भीड़भाड़ वाले इलाकों जैसे हाट बाजार, रेलवे स्टेशन केबाहर से वाहन चोरी करते थे। पुलिस की पूछताछ जारी है। कुछ बाइक उन्होंने देहात इलाके में 5-7 हजार रुपए बेचना बताया है। पुलिस इन बाइक की बरामदगी के प्रयास में है। पुलिस खरीदार को भी आरोपी बना सकती है।

एप्पल का फोन और महंगी बाइक

आरोपी कामकाज नहीं करते थे, लेकिन महंगी बाइक से घूम रहे थे। अय्याशी कर रहे थे। पैसा खर्च कर रहे थे। उनके पास एप्पल का फोन था। इन सब चीजों से उन पर शक गया और पुलिस को धरदबोचा।

क्या है एमएएमएस चेकिंग

- **मेंटीनेंस (एम)** - क्या काम करता है, कितना खर्च कर रहा है। पैसा कितना आ रहा और खर्च कितना कर रहा है।
- **एसोसिएट (ए)** - किसके साथ उठना-बैठना है। उसकी संगत क्या है।
- **मूवमेंट (एम)** - कहां जाता है, किस इलाके में घूमता है। रहता कहां है और जाता कहां है।
- **सस्पेक्ट (एस)**- संदेही होने पर उसकी जांच की जाती है, पुलिस उसकी निगरानी करती है।

बीमारी से परेशान अकाउंटेंट ने जन्मदिन पर की खुदकुशी

सुसाइड नोट में लिखा- अब सहन नहीं होता...

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। कोलार में शुक्रवार रात युवती ने बीमारी के चलते फांसी लगा ली। उसी दिन उसका बर्थडे था। मृतका ने एक सुसाइड नोट छोड़ा है, जिसमें लिखा- सॉरी पापा, बीमारी के चलते जान दे रही हूं। अब सहन नहीं कर सकती। वह एक स्कूल में अकाउंटेंट थी। पुलिस ने गुरुवार को पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस के मुताबिक, 27 वर्षीय सुजाता खंडाले न्यू ओम नगर में रहती थी। वह मदर टेरेसा स्कूल में अकाउंटेंट थी। शुक्रवार को उसका बर्थडे था। रात करीब दस बजे युवती ने घर में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। मृतका के पास से एक सुसाइड नोट मिला है, जिसमें उसने बीमारी से तंग आकर आत्महत्या करने की बात लिखी है। उसने माता-पिता समेत सभी परिजनों से माफी मांगी है, उसने लिखा कि मेरी मौत की जिम्मेदार मैं ही हूं। सूत्रों की मानें तो युवती बर्थडे पर अपने दोस्त के साथ घूमने गई थी। जहां से देर शाम को घर लौटी थी। दोस्त के साथ उसकी कहासुनी हुई थी, जिसके बाद उसने यह आत्मघाती कदम उठाया है।

मिड-टर्म परीक्षा के बीच पुलिस कर्मी के बेटे ने लगाई फांसी

जहांगीराबाद पुलिस लाइन में रहने वाले दसवीं के छात्र ने शनिवार सुबह फांसी लगा ली। 15 वर्षीय रुद्राक्ष राजावत पिता इंद्रपाल सिंह राजावत जहांगीराबाद पुलिस लाइन में रहता था। उसके पिता इंद्रपाल आरक्षक हैं और पुलिस लाइन नेहरू नगर में पदस्थ हैं। कैंपियन स्कूल में कक्षा दसवीं का छात्र था। शुक्रवार को उसका पेपर था। रात में माता-पिता के साथ खाना खाया और अपने कमरे में सोने चला गया। शनिवार तड़के पिता उठे तो देखा कि रुद्राक्ष ड्राइंग रूम में मफलर के सहारे फंदे पर लटका था।

पिकनिक पर जा रही निजी स्कूल बस से गिरा कर्मचारी, सिर के ऊपर से गुजरा पहिया, मौत

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। बैरसिया के ग्राम इमलिया नरेन्द्र में शनिवार सुबह निजी स्कूल बस से गिरकर कर्मचारी की मौत हो गई। पहिया उसके सिर से गुजर गया था। बस में करीब 50 छात्र-छात्राएं थीं। स्कूल स्टाफ नरसिंहगढ़ से पिकनिक मनाने सांची जा रहा था। चलती बस में कर्मचारी थूकने के लिए बाहर झुका था, तभी संतुलन बिगड़ने से नीचे गिर गया था। 32 वर्षीय कमल जाटव नरसिंहगढ़ का रहने वाला था। वह यहीं के एक प्राइवेट स्कूल में कर्मचारी था। शनिवार सुबह स्कूल की ओर से बच्चों को पिकनिक मनाने के लिए सांची ले जाया जा रहा था। बस में करीब 50 बच्चे और स्टाफ मौजूद था। कमल गेट के पास खड़ा था। सुबह करीब 11 बजे बस बैरसिया स्थित गांव इमलिया नरेन्द्र पहुंची थी। इस बीच कमल ने थूकने के लिए मुंह बाहर निकाला और गेट खुल गया। चलती बस में गेट खुलने से वह नीचे गिर गया।

सड़क किनारे पंक्चर खड़ी ट्रैक्टर ट्राली से टकराया बाइक सवार युवक, मौत

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। नजीराबाद इलाके में बाइक सवार युवक खड़ी ट्रैक्टर ट्राली से टकरा गया। हादसे में उसकी मौत हो गई। पीछे आ रही पुलिस के वाहन से उसे अस्पताल पहुंचाया। जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। नजीराबाद थाना प्रभारी अरुण शर्मा ने बताया कि 28 वर्षीय विक्रम सिंह गुर्जर पिता मेहरबान धामनखेड़ी, नजीराबाद में रहता था। वह खेती किसानी करता था। शुक्रवार रात वह भोपाल से नजीराबाद बाइक से आ रहा था। उसके साथ दोस्त भी सवार था। तभी नजीराबाद के पास मुख्य सड़क पर ढाबा के सामने किनारे खड़ी ट्रैक्टर ट्राली में पीछे से घुस गया। उसका पहिया पंक्चर था। विक्रम ने हेलमेट पहना था, लेकिन उसका सीना ट्राली से टकराया था। घटना के बाद लहूलुहान हालत में विक्रम को बैरसिया अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। जबकि पीछे बैठा साथी को मामूली चोटें आई थीं। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के वाहन से पहुंचाया अस्पताल

सड़क पार कर रहे अधेड़ की हादसे में मौत

इधर, बिलखिरिया इलाके में सड़क पार कर रहे अधेड़ की सड़क हादसे में मौत हो गई। उन्हें अज्ञात कार ने टक्कर मारी थी। पुलिस के मुताबिक, 54 वर्षीय महाराज सिंह बिलखिरिया गांव में रहते थे। वह गांव के पास स्थित भदौरिया फार्म हाउस पर देखरेख का काम करते थे। रोजाना की तरह शुक्रवार रात करीब आठ बजे वह काम खत्म करने के बाद घर लौट रहे थे। जैसे ही उन्होंने सड़क पार की, इस दौरान तेज रफ्तार कार ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर मारने के बाद चालक कार लेकर भाग निकला। गंभीर हालत में उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया। जहां डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने दोनों मामलों में मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

आपदा में फंसे लोगों को बचाने का प्रदर्शन

एमपी होमगार्ड के स्थापना दिवस के दौरान होमगार्ड्स और सिविल डिफेंस की टीम ने आपदा के दौरान फंसे हुए लोगों को बचाने का प्रदर्शन किया। इस दौरान टीम ने बिल्डिंग और बोरवेल में फंसे लोगों को सुरक्षित निकालने का लाइव डेमो दिया। सुरक्षा मानकों के साथ टीम ने महज तीन मिनट के अंदर ऊंची इमारत में आग में फंसे एक व्यक्ति को रस्सियों के जरिए सुरक्षित बाहर निकाला। गौरतलब है कि होमगार्ड्स और सिविल डिफेंस की टीम ने प्रदेश में पिछले एक साल में आपदा में फंसे 5075 से अधिक लोगों की जान बचाने में अपना योगदान दिया है।

तैयारी — स्पेशल डीजी सीआईडी के लिए पंकज और संजीव के नाम की चर्चा

नए साल में एसपी से प्रमोट होकर 16 अफसर बनेंगे डीआईजी

मुख्य संवाददाता, भोपाल। प्रदेश में वर्ष 2016 में एसपी रैंक के 16 अधिकारी डीआईजी के पद पर प्रमोट हो जाएंगे। इनमें से 2010, 2011 और 2012 बैच के 13 अफसरों को नए साल के पहले दिन एक जनवरी को ही प्रमोशन मिल जाएगा, जबकि सूची में शामिल 2012 बैच के तीन एसपी स्तर के आईपीएस अधिकारियों को अगले साल रिटायर होने वाले डीआईजी की जगह पदोन्नति मिलेगी। जानकारी के अनुसार 2026 में पहले दिन जिन एसपी स्तर के अफसरों को डीआईजी के पद पर प्रमोशन मिलेगा उनमें 2010 बैच के राकेश कुमार सगर, आरएस बेलवंशी, किरणलता केरकेट्टा और मनोज कुमार राय, 2011 बैच के राहुल लोढ़ा, रियाज इकबाल, सिमाला प्रसाद, असित यादव एवं 2012 बैच के विवेक सिंह, कुमार प्रतीक, डॉ शिवदयाल सिंह, मयंक अवस्थी और शैलेंद्र सिंह चौहान के नाम तय हैं। 2012 बैच के शेष तीन अफसरों आलोक कुमार सिंह, रघुवंश सिंह और विकास पाठक को अगले साल डीआईजी पद से रिटायर होने वाले अफसरों के स्थान पर प्रमोट किया जाएगा।

स्पेशल डीजी सीआईडी इसी माह होंगे रिटायर पीएचक्यू ने नए अफसर के लिए तेज की तलाश

इस माह के अंत में स्पेशल डीजी सीआईडी पवन श्रीवास्तव भी रिटायर हो रहे हैं। उनके स्थान पर सीआईडी के लिए स्पेशल डीजी स्तर के नए अफसर की तलाश तेज हो गई है। अपराधों पर नियंत्रण के लिए सीआईडी के पद पर किसी तेजतर्रार स्तर के अधिकारी को ही नियुक्त किया जाता है। पुलिस मुख्यालय में चर्चा है कि एक जनवरी से इस पद पर स्पेशल डीजी एंटी नक्सल और एसटीएफ पंकज श्रीवास्तव को लाया जा सकता है। इसके अलावा चर्चा यह भी है कि संजीव शमी शर्मा को भी स्पेशल डीजी सीआईडी के पद पर तैनात किया जा सकता है। वे फिलहाल स्पेशल डीजी टेलीकॉम के पद पर पदस्थ हैं। पवन श्रीवास्तव के रिटायर होने पर 1992 बैच के जी अखेतो सेमो स्पेशल डीजी के पद पर प्रमोट होंगे, जे फिलहाल एडीजी जेल का काम संभाल रहे हैं।

1997-98 बैच के पांच एसपीएस अफसर बनेंगे आईपीएस

राज्य पुलिस सेवा से भारतीय पुलिस सेवा के पांच पद पर प्रमोशन के लिए भी नाम तय कर प्रदेश सरकार ने केंद्र के कार्मिक मंत्रालय को भेज दी है। इस लिस्ट में 1997 बैच के तीन और 1998 बैच के 13 अफसरों के नाम शामिल हैं। आईपीएस अवार्ड के लिए 1997 बैच के विक्रांत मुराब, सीताराम ससत्या, अमृत मीणा एवं 1998 बैच के सुरेंद्र कुमार जैन, आशीष खरे, राजेश रघुवंशी, निमिषा पांडे, राजेश कुमार मिश्रा, मलय जैन, अमित सक्सेना, ,मनीषा पाठक सोनी, सुमन गुर्जर, संदीप मिश्रा, सब्यसाची सर्राफ और समर वर्मा के नाम भेजे गए हैं। सीनियरिटी के बाद भी सीताराम ससत्या पर विभागीय जांच लंबित होने के कारण उनका आईपीएस बन पाना मुश्किल है, जबकि अमृत मीणा के जाति प्रमाण पत्र मामले में छानबीन समिति की रिपोर्ट से ओके रिपोर्ट मिलने के बाद उनका नाम प्रमोशन के लिए तय है। संभावना जताई जा रही है कि इनमें से मीणा के साथ 1997 बैच के विक्रांत मुराब और 1998 बैच के सुरेंद्र कुमार जैन, आशीष खरे एवं राजेश रघुवंशी को जल्द ही आईपीएस अवार्ड हो जाएगा।

विदेशों की तर्ज पर भारत में एविडेंस आधारित होंगी स्वास्थ्य सेवाएं

कार्यालय संवाददाता, भोपाल। विदेशों में हेल्थ सर्विसेस का ढांचा बिलकुल बदल चुका है। वहां साक्ष्य आधारित चिकित्सा पद्धति को अपनाया गया है। हमारे देश में अभी पारंपरिक व सहमति आधारित चिकित्सा पद्धति है। हालांकि अब भारत सरकार ने इस दिशा में कदम बढ़ाना शुरू कर दिए हैं। यही कारण है कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले डीएचआर ने एम्स भोपाल में चार दिवसीय साक्ष्य आधारित स्वास्थ्य सेवाओं पर कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला का नाम सारांश 2.0 रखा गया है। कार्यशाला का उद्घाटन डॉ. माधवानन्द कर ने किया। उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी ने समय पर तैयार किए गए साक्ष्य-आधारित क्लिनिकल दिशानिर्देशों की आवश्यकता को स्पष्ट रूप से साबित किया। उन्होंने यह भी बताया कि

वैज्ञानिक प्रमाणों पर आधारित मजबूत स्वास्थ्य प्रणाली ही विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को साकार करने में सहायक होगी। कार्यशाला के दौरान विशेषज्ञों ने बताया कि स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (डीएचआर) भारत में पारंपरिक सहमति-आधारित पद्धति से आगे बढ़कर मजबूत साक्ष्य-आधारित क्लिनिकल दिशा निर्देश विकसित कर रहा है। इससे इलाज के तरीकों में अधिक स्पष्टता, पारदर्शिता और वैश्विक विश्वसनीयता सुनिश्चित होती है।

प्रदेश के विश्वविद्याय नहीं निकाल दें कॉलेज चलो अभियान की हवा

मैन पॉवर के कमी से जूझ रहे ज्यादातर विश्वविद्यालय, अभियान को कैसे बनाएंगे सफल

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। उच्च शिक्षा विभाग ने कालेजों में भले ही प्रवेश के प्रतिशत को बढ़ा लिया हो, लेकिन यह पिछले साल की अपेक्षा ज्यादा बेहतर नहीं है। अब विभाग ने आगामी सत्र 2026-27 में कालेजों में प्रवेश बढ़ाने अभी से कालेज चलो अभियान शुरू कर दिया है। विभाग ने उक्त अभियान में प्रदेश के एक दर्जन विश्वविद्यालयों को शामिल किया है, जो स्वयं ही मैन पॉवर के कमी से जूझ रहे हैं। ऐसे में विश्वविद्यालयों के भरोसे कालेज चलो अभियान चलाना विभाग के लिए नुकसान का कारण बन सकता है।

आगामी सत्र 2026-27 में प्रदेश के कालेजों में अधिक से अधिक विद्यार्थी प्रवेश लें, जिसके लिए उच्च शिक्षा विभाग ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। विभाग द्वारा प्रदेश में एक माह तक कॉलेज चलो अभियान चलाया जाएगा। इसकी शुरुआत हो चुकी है, जो पांच जनवरी तक चलेगा। इस दौरान स्कूलों में पढ़ाई कर रहे कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को कालेजों में चलाए जा रहे कोर्स, संसाधन, इंफ्रास्ट्रक्चर सहित अन्य सुविधाओं और केंद्र एवं प्रदेश सरकार की योजनाओं के लिए जागरूक किया जाएगा।

अभियान के दौरान विभिन्न प्रकार की जागरूकता संबंधी गतिविधियां का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में विभाग ने समस्त विश्वविद्यालय के कुलसचिव और कालेज प्राचार्यों को निर्देश जारी किए हैं। विभाग ने कालेज चलो अभियान को सफल बनाने के लिए प्रदेश के एक दर्जन विश्वविद्यालय पर भरोसा किया है। विवि स्वयं अमले की कमी झेल रहा है। ऐसे में विवि के भरोसे अभियान चलाना विभाग के लिए, जोखिम भरा हो सकता है। क्योंकि विश्वविद्यालयों में रजिस्ट्रार, डिप्टी रजिस्ट्रार, असिस्टेंट रजिस्ट्रार, प्रोफेसर, सेक्शन आफिसर और कर्मचारियों का काफी टोटा बना हुआ है। शिक्षकों के 80 फीसदी पद खाली हैं।

प्रदेश भर का आंकड़ा

प्रदेश में सरकारी विश्वविद्यालयों की संख्या	19
शिक्षकों के स्वीकृत पद	2103
कार्यरत शिक्षकों की संख्या	420
खाली पदों की संख्या	1683

प्रदेश के विश्वविद्यालयों की स्थिति

विश्वविद्यालय	स्वीकृत पद	शिक्षक	खाली पद
बरकतउल्ला विश्वविद्यालय	105	36	69
जीवाजी विवि ग्वालियर	104	24	80
देवी अहिल्या विश्वविद्यालय	154	81	73
अवधेश प्रताप सिंह विवि रीवा	76	24	49
रानी दुर्गावती विवि जबलपुर	156	18	138
सम्राट विक्रमादित्य विवि उज्जैन	161	49	112
पं. शंभूनाथ शुक्ल विवि शहडोल	121	24	97
राजा शंकर शाह विवि छिंदवाडा	175	00	175
महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विवि छतरपुर	140	00	140
क्रांतिसूर्य टंटया भील विवि शहडोल	140	00	140
क्रांतिवीर तत्या टोपे विवि गुना	140	00	140
रानी अवंतीबाई विवि सागर	140	00	140

संक्षिप्त खबरें

गायक मोहित ने प्रस्तुति से दर्शकों को किया मंत्रमुग्ध

भोपाल। एम्स भोपाल में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में मशहूर गायक मोहित चौहान ने अपनी सुरमयी प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों ने इवेंट को बेहद सफल बना दिया। कार्यक्रम में दुनिया की सबसे बड़ी आयुर्वेदिक दवा निर्माता कंपनी बैद्यनाथ प्राइवेट लिमिटेड भी प्रमुख रूप से शामिल हुई। कंपनी ने आगंतुकों को बैद्यनाथ च्यवनप्राश का स्वाद चखाया और इसके स्वास्थ्य लाभों के बारे में विस्तृत जानकारी साझा की। मोहित चौहान और उनकी टीम को बैद्यनाथ की ओर से एक विशेष इम्युनिटी किट भेंट की गई। कार्यक्रम के अंत में बैद्यनाथ प्राइवेट लिमिटेड के सीनियर मैनेजर (मार्केटिंग) डॉ. अर्चित कुमारवार ने मंच से दर्शकों को संबोधित किया। उन्होंने आयुर्वेद और आयुर्वेदिक दवाओं के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि किस तरह आयुर्वेद स्वस्थ जीवनशैली अपनाने में मदद करता है और संपूर्ण स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है। कार्यक्रम उत्साह और उमंग के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

राजपूत समाज के परिचय सम्मेलन का पंजीयन 10 तक

भोपाल। राजपूत समाज संस्था द्वारा आयोजित वार्षिक अखिल भारतीय युवक-युवती परिचय सम्मेलन 14 दिसंबर को किया जाएगा। संयोजक वीपीएस भदोरिया ने बताया कि कार्यक्रम का आयोजन संस्था के महाराणा प्रताप भवन में सुबह 10:30 बजे से होगा। इच्छुक युवक-युवतियां ऑनलाइन पंजीयन संस्था की अधिकृत वेबसाइट पर कर सकते हैं, जबकि ऑफलाइन पंजीयन के लिए संस्था कार्यालय से सुबह 11 बजे से शाम 5:30 बजे तक निशुल्क फॉर्म प्राप्त किए जा सकते हैं। पंजीयन शुल्क ऑनलाइन 600 रुपए और ऑफलाइन 800 रुपए निर्धारित है, जिसमें राजपूत दर्पण पत्रिका का विशेषांक शामिल रहेगा। लगातार बढ़ते पंजीयन और उत्साह को देखते हुए अंतिम तिथि बढ़ाकर बुधवार, 10 दिसंबर 2025 कर दी गई है। पंजीयन करने वाले सभी प्रतिभागियों को राजपूत दर्पण का विशेष मासिक अंक निःशुल्क प्रदान किया जाएगा, जिसमें विवाह योग्य युवक-युवतियों के रंगीन फोटो व बायोडाटा प्रकाशित होंगे।

सेंट्रल लाइब्रेरी से चौक बाजार तक आज नहीं रहेगी बिजली

जागरण संवाददाता, भोपाल। रविवार को शहर के पुराने भोपाल के बड़े क्षेत्रफल में मेंटेनेंस कार्य के चलते बिजली सप्लाई बाधित रहेगी। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी से मिली जानकारी के अनुसार आज सईदिया स्कूल, सेंट्रल लाइब्रेरी, इतवारा रोड, आजाद मार्केट, लालवानी प्रेस रोड, गुलियादाई की गली, इस्लामपुरा, भोईपुरा, हमीदिया कॉलेज, तलैया थाना, पुल पातरा, यादगार ए शाहजहांनी पार्क, लेडी अस्पताल, छावनी रोड, थाना मंगलवारा, चौक बाजार व आसपास के सभी इलाकों में सुबह 10 से शाम 4 बजे तक बिजली सप्लाई बंद रखी जाएगी। इसके अलावा बाग उमराव दूल्हा, ऐशबाग, महामाई का बाग, थाना बजरिया, बरखेड़ी कला, विवेकानंद कॉलेज और गोविंदपुरा एच सेक्टर सहित आसपास के सभी इलाकों में भी सुबह 10 से शाम 4 बजे तक बिजली सप्लाई मेंटेनेंस कार्य के लिए बंद रखी जाएगी।

कान्यकुब्ज मंडल का परिचय सम्मेलन 18 जनवरी को

जागरण संवाददाता, भोपाल। श्री कान्यकुब्ज मंडल भोपाल द्वारा 18 जनवरी को विवाह के योग्य युवक व युवतियों के लिए परिचय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन एकांत पार्क के सामने चार इमली स्थित निराला भवन में किया जा रहा है। आयोजन हेतु ब्राह्मण समाज द्वारा कूपन छपवाए गए हैं। यह कूपन समाज के लोगों के घर पहुंचाए जाएंगे, जिसके आधार पर लोगों को भवन में एंट्री दी जाएगी। ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष उपमन्यु त्रिवेदी ने बताया कि सम्मेलन में शामिल होने वाले सभी युवक व युवतियों के बायोडाटा एक साथ प्रकाशित किए जाएंगे। ताकि समाज के लोग अधिक से अधिक लाभ उठा सकें। आयोजन के दौरान सामूहिक खिचड़ी भोज का भी आयोजन किया जाएगा। समाज के प्रवक्ता अनिल बाजपेई ने बताया कि हर वर्ष सम्मेलन के दौरान 400 से 500 रिश्ते तय किए जाते हैं। क्योंकि समाज द्वारा प्रकाशित पत्रिका का संचार देश भर में होता है। जिसके चलते इंदौर, ग्वालियर, विदिशा, रायसेन, देवास, सीहोर खरगोन, खंडवा, जबलपुर, होशंगाबाद, रायपुर, कानपुर, कोटा, अमरावती, हैदराबाद, मुंबई, बिलासपुर और जयपुर से भी सामाजिक बंधु भाग लेने के लिए भोपाल पधार रहे हैं।

मंगेतर के साथ अभिभावक समागम में पहुंची छात्रा

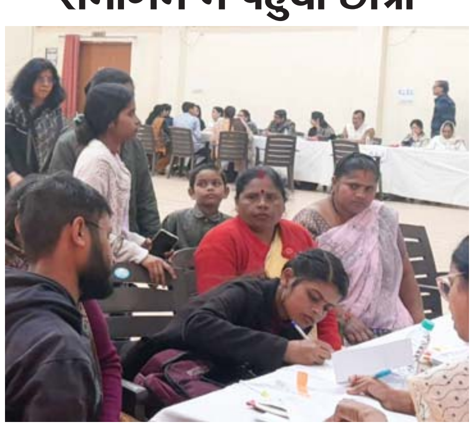

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। हमीदिया प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में शनिवार को छात्र-शिक्षक अभिभावक समागम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्राचार्य डॉ. अनिल शिवानी द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसमें अभिभावकों और विद्यार्थियों ने भी अनेक सुझाव प्रस्तुत किए, जिनमें पुस्तकालय में आवश्यक पुस्तकों की उपलब्धता बढ़ाना, बस रूट और परिवहन सुविधाओं का विस्तार, कॉलेज में सूचना केंद्र की स्थापना, जैसी महत्वपूर्ण बातें शामिल थीं। कालेज के सभी प्राध्यापकों ने अभिभावकों की बातों को गंभीरता से सुना तथा उन्हें आश्वस्त किया कि संस्थान विद्यार्थियों की आवश्यकताओं को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। एमए अंग्रेजी प्रथम सेमेस्टर की एक छात्रा, जो इस कार्यक्रम को लेकर उत्साहित थी, अपने मंगेतर के साथ बैठक में शामिल हुई, जिसने एक छात्रा की यात्रा में परिवारों की सहायक भूमिका को प्रदर्शित किया। इसी प्रकार, एमए अंग्रेजी तृतीय सेमेस्टर का एक छात्र अपनी पत्नी के साथ आये थे, जो स्वयं एमए प्रथम सेमेस्टर में पढ़ रही है, जो संस्थान की समावेशी शैक्षणिक संस्कृति और छात्र जोड़ों के बीच पारस्परिक प्रेरणा को दर्शाता है। प्राचार्य डॉ. अनिल शिवानी ने कहा कि इस प्रकार के समागम छात्रों की प्रगति, अभिभावकों के विश्वास और शिक्षकों के प्रयासों के बीच एक मजबूत पुल का काम करते हैं।

मप्र कर्मचारी मंच आईएएस वर्मा को बर्खास्त करने शुरू करेगा पोस्टकार्ड आंदोलन

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। मप्र कर्मचारी मंच ने निर्णय लिया है कि वर्ष 2021 में फर्जी दस्तावेजों के आधार पर आईएएस अवार्ड लेने वाली फर्जी आईएएस संतोष वर्मा को बर्खास्त करने की मांग को लेकर कर्मचारी मंच आठ दिसंबर से पोस्टकार्ड आंदोलन मुख्यमंत्री के नाम शुरू करेगा। यह आंदोलन पूरे प्रदेश के हर जिले से कर्मचारी मंच के पदाधिकारी शुरू करेंगे। मप्र कर्मचारी मंच के प्रदेशाध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया है कि पिछले 4 साल से फर्जी आईएएस होने के बावजूद भी संतोष वर्मा भोपाल राजधानी के मंत्रालय में पदस्थ है। फर्जी रूप से आईएएस का अवार्ड प्राप्त करने के बावजूद भी आईएएस संतोष वर्मा को सरकार ने कई महत्वपूर्ण विभागों में पदस्थ करके खुलेआम भ्रष्टाचार करने की छूट प्रदान की है। इससे उन्होंने करोड़ों रुपए की काली कमाई अर्जित कर ली है। इंदौर की सभी जांच एजेंसी एवं पुलिस प्रशासन ने साबित कर दिया है कि 2021 में संतोष वर्मा ने कूट रचित दस्तावेज प्रस्तुत करके कार्मिक मंत्रालय मप्र शासन से आईएएस का अवार्ड हासिल किया है।

सरकार ने वसूला 270 करोड़ का टोल

भोपाल। भोपाल बायपास पर मप्र सरकार ने दिसंबर 2019 से लेकर अक्टूबर 2025 तक 270.29 करोड़ रुपए का टोल टैक्स वसूला है। नेशनल हाईवे 12 पर स्थित यह 52 किलोमीटर लंबा बायपास निवेशक कंपनी ट्रान्सट्राय प्राइवेट लिमिटेड ने बनाया था। खास बात यह है कि रखरखाव नहीं होने के चलते बीते अक्टूबर महीने में यही सड़क धंस गई थी। इससे पहले, टोल का संचालन करने वाली कंपनी ने कलेक्शन को कम दिखाकर अकाउंट में पैसा जमा नहीं किया था। इसके बाद सरकार ने कंपनी को ब्लैक लिस्टेड कर दिया और खुद टोल वसूली शुरू कर दी थी।

स्टेट साइबर सेल को जागरुकता के लिए मिला प्रथम पुरस्कार

18 हजार जागरूकता कार्यक्रम चलाकर 52 लाख लोगों को किया सजग

मुख्य संवाददाता, भोपाल। साइबर सुरक्षा और डिजिटल अपराध नियंत्रण में उत्कृष्ट कार्य के लिए मध्यप्रदेश राज्य साइबर पुलिस को राष्ट्रीय स्तर पर डीटी सिक्योरिटी काउंसिल ऑफ इंडिया (डीएससीआई) अवार्ड 2025 हासिल हुआ है। यह सम्मान मध्यप्रदेश साइबर पुलिस को नई दिल्ली में आयोजित वार्षिक समारोह में एक्सीलेंस इन कैपेसिटी बिल्डिंग ऑफ लॉ इंफोर्समेंट एजेंसी के तौर पर मिला है। इस श्रेणी में मध्यप्रदेश सायबर पुलिस का मुकाबला केरल, गोवा और नार्थ ईस्टर्ड पुलिस अकादमी से था। शनिवार को नई दिल्ली में यह पुरस्कार पीएमओ के नेशनल साइबर सिक्योरिटी कोऑर्डिनेटर नवीन कुमार सिंह ने प्रदेश के डीआईजी साइबर शियास ए, एसआई महेंद्र सिंह राजपूत एवं आरक्षक अतुल श्रीवास्तव को प्रदान किया।

दो साल में जन-जन तक पहुंचाया अभियान: पिछले दो सालों में प्रदेश की साइबर पुलिस ने अति आधुनिक तकनीक अपनाने के साथ जन-जागरूकता अभियानों के जरिए कई उपलब्धियां हासिल की हैं। राज्य साइबर पुलिस ने सायबर हाईटेक पुलिस स्टेशन, ज़ोनल साइबर ऑफिस, जिला साइबर नोडल नेटवर्क, आधुनिक साइबर फॉरेंसिक लैब तथा 13 क्षेत्रीय फॉरेंसिक इकाइयां स्थापित कर साइबर अपराध नियंत्रण की डिजिटल बुनियाद को मजबूत किया है। साइबर सेल ने साइबर 3,364 पुलिस अधिकारियों, 100 न्यायिक एवं अभियोजन अधिकारियों तथा 248 शासकीय अधिकारियों को साइबर अपराध अन्वेषण, साइबर अपराध एवं डिजिटल विधि प्रणाली का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। साइबर पुलिस ने प्रदेशभर में 18 हजार 688 साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनके जरिए 52 लाख 83 हजार 472 नागरिकों को जागरूक किया गया। इनमें विद्यार्थी, महिलाएं, बुजुर्ग, कर्मचारी और आमजन शामिल थे। साइबर सेल ने सेफ क्लिक और नेशनल सिक्योरिटी अवेयरनेस जैसे अभियानों ने डिजिटल सुरक्षा को जन आंदोलन में बदल दिया।

शादी का झांसा देकर महिला से 3 साल तक दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

जागरण, भोपाल। ऐशबाग थाना क्षेत्र में शादी का झांसा देकर युवक ने महिला से तीन साल तक दुष्कर्म किया। शिकायत पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस के अनुसार 40 वर्षीय पीड़िता जनता क्वार्टर क्षेत्र में रहती है, वह गृहणी है। जबकि आरोपी रिजवान खान मूलरूप से सागर का रहने वाला है, वह सेकेंड हैंड एसी- फ्रीज को सुधारने का काम करता है। 19 अक्टूबर 2022 को उसकी मुलाकात पीड़िता से उसके घर फ्रीज सुधारने के दौरान हुई। दोनों के बीच हुई बातचीत जल्द ही प्रेम-प्रसंग में बदल गई। इसके बाद वे दोनों जनता कॉलोनी में लिव-इन में रहने लगे। इसी दौरान आरोपी ने शादी का झांसा देकर पीड़िता के साथ शारीरिक संबंध बनाए। 15 अक्टूबर 2025 को आरोपी ने आखिरी बार पीड़िता के साथ ज्यादती की। हाल ही जब महिला ने युवक पर शादी करने का दबाव बनाया, तो उसने मना कर दिया। बाद में पीड़िता थाने पहुंचकर एफआईआर दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

मेट्रो के स्टाफ पर भड़के विधायक कहा-पूरी सड़क में गड्ढे बना दिए

जनता की परेशानी पर फूटा आतिफ अकील का गुस्सा

कार्यालय संवाददाता, भोपाल। उत्तर विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस विधायक मेट्रो के स्टाफ पर भड़क गए। उन्होंने साइट सुपरवाइजर और इंजीनियर को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि आप शहर के मालिक बन गए हो। जहां चाहे वहां की सड़क खद कर देते हो, सड़कों पर गड्ढे खोदना आपकी आदत हो चुकी है, मेरा पूरा क्षेत्र आपकी वजह से बदहाल हो चुका है। उन्होंने मौके पर ही मेट्रो इंजीनियर को फटकार लगा दी। तीन महीने से बोल रहा हूं, लेकिन कोई राहत नहीं। दरअसल, भोपाल के सिटी एरिया में मेट्रो की ऑरेंज लाइन के दूसरे फेज का काम चल रहा है। सुभाषनगर से करोंद तक करीब 10 किलोमीटर तक मेट्रो रूट है। दो अंडरग्राउंड स्टेशन भी बनेंगे। वहीं, बाकी हिस्से में सड़क के ऊपर से मेट्रो गुजरेगी। कहीं पिलर खड़े हो रहे हैं तो कहीं अंडरग्राउंड काम चल रहा है। इस वजह से सड़कों की खुदाई भी की गई है। दूसरी ओर, हर रोज जाम के हालात भी बन रहे हैं। इसी वजह से भोपाल उत्तर से कांग्रेस विधायक आतिफ अकील का गुस्सा फूट पड़ा।

समर्थकों के साथ क्षेत्र का दौरा करने निकले थे

विधायक अकील अपने समर्थकों के साथ सिंधी कॉलोनी, डीआईजी बंगला क्षेत्र में पहुंचे। यहां पर मेट्रो के काम के चलते बेरिकेडिंग की गई है। उन्होंने मौके पर ही ठेका कंपनी यूआरसी के इंजीनियर को फटकार लगा दी। मेट्रो अफसरों से भी मोबाइल पर बात की। विधायक अकील ने इंजीनियर से कहा कि क्या यहां के मालिक हो गए हो। लोग गड्ढे में गिर रहे हैं। पूरी सड़क पर गड्ढे कर दिए हैं। जहां भी बेरिकेड्स लगाने हैं, खूब लगाओ, लेकिन लोग तो परेशान न हो। तीन महीने से बोल रहा हूं। चैंबर इतने ऊपर बना दिए कि लोग हादसे का शिकार हो रहे हैं। लोगों से बातचीत करो और उन्हें पूरे प्रोजेक्ट के बारे में समझाओ, लेकिन ऐसा नहीं किया।

साध्वी कोपिला कुंज ने सुनाया श्रीकृष्ण लीला का रसपूर्ण वर्णन

जागरण, भोपाल। राजधानी के श्री कृष्ण प्रणामी मंदिर में विगत एक सप्ताह से रायगढ़ से पधारी साध्वी कोपिला कुंज द्वारा भागवत कथा की जा रही थी। इसके साथ ही मंदिर में साप्ताहिक पारायण भी हो रही थी। जिसकी पूर्णाहुति शनिवार को हुई। मंदिर में श्रद्धालुओं की संख्या काफी ज्यादा थी। सभी ने भगवान श्री कृष्ण के जीवन के हर स्वरूप को कोपिला कुंज जी के मुखारविंद से सुन कर परम आनंद की अनुभूति प्राप्त की। इस अवसर पर आयोजन समन्वयक पुजारी अमरनाथ शर्मा,मंदिर महंत पंडित रूपराज शर्मा, संस्थापक सदस्य पंडित भीखराज त्रिपाठी, अध्यक्ष विनोद परनामी, सत्यभूषण शर्मा, डॉ अतुल दुबे, पंडित रजनीश त्रिपाठी, संदेश शर्मा, विदुषी मीना त्रिपाठी, विदुषी इंदु शर्मा,यशवंत शर्मा, पन्ना लाल द्विवेदी, रामयश पांडे, डॉ लालिमा शर्मा, अशोक शर्मा, राजकुमार दुबे, कीर्ति शर्मा सहित काफी संख्या में श्रद्धालु गण उपस्थित थे। मंदिर सचिव पंडित मन्तेश शर्मा ने बताया की भागवत कथा पूर्णाहुति उपलक्ष्य में रविवार को दोपहर दो बजे से मंदिर प्रांगण में विशाल भंडारा आयोजित होगा।

मैगी विवाद में लोहे की रॉड से सिर फोड़ने पर आधा दर्जन जीएमसी के छात्रों के खिलाफ केस

यूसीजी की एंटी रैगिंग हेल्प लाइन में दर्ज कराई शिकायत, कार्रवाई के लिए आया ईमेल

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। हमीदिया अस्पताल परिसर स्थित अमृत कैंटीन में मैगी खाने को लेकर गांधी मेडिकल कालेज (जीएमसी) के जूनियर छात्रों पर सीनियर छात्रों ने लोहे का रॉड से हमला कर सिर फोड़ दिया था। घायलों का हमीदिया अस्पताल में इलाज चल रहा है। कोहेफिजा पुलिस ने आधा दर्जन छात्रों के खिलाफ मारपीट, गाली-गलौच समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। इधर, पीड़ित छात्रों ने मारपीट करने वाले छात्रों के खिलाफ यूसीजी की एंटी रैगिंग हेल्प लाइन में शिकायत दर्ज करवाई है। मामले को गंभीरता से लेते हुए यूजीसी की हेल्प लाइन से कालेज प्रबंधन को तत्काल कार्रवाई करने का ईमेल आया है।

कोहेफिजा पुलिस के मुताबिक, मूलतः ग्वालियर निवासी पारस मरैया (22) पिता मोहन मरैया यहां मीनाक्षी रीजेंसी ईदगाह हिल्स में रहता है। वह जीएमसी भोपाल में द्वितीय वर्ष का छात्र है। वह डेस्कालर है। बीती चार दिसंबर की रात सवा एक बजे वह अपने सीनियर युगीन चौधरी और बैचमेंट निधि तोमर के साथ हॉस्पिटल कैम्पस स्थित सुधा अमृत कैंटीन में मैगी खाने के लिए आया था। युगीन और निधि भी डेस्कालर हैं। कैंटीन में पारस के बैच के पुष्पेन्द्र सिंह केन पहले से मौजूद था। पुष्पेन्द्र हॉस्टलर है। उसने फोन करके कुछ लोगों को बुलाया और बताया कि कुछ डेस्कालर देर रात कैंटीन में आए हैं। तब बैचमेट अजय ब्राह्मने, शिवम महावर और सीनियर बैच के देव, विवेक मालवीय आए। अमन लोहे की रॉड लेकर पहुंचा। सभी लोग पारस मरैया और उसके साथ आए लोगों से गाली-गलौज करने लगे। पारस ने गाली देने से मना किया तो सभी लोगों ने मिलकर हाथ-मुक्कों से मारपीट शुरू कर दी। अमन ने लोहे की रॉड से पारस के सिर पर हमला कर दिया। इससे उसका सिर फट गया। सीनियर युगीन चौधरी बचाने आया तो अमन ने युगीन के सिर भी रॉड मार दी। उसके सिर से भी खून बहने लगा। हमला करने के बाद आरोपी छात्र फरार हो गए। सभी घायलों को इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने पारस मरैया की शिकायत पर पुष्पेन्द्र सिंह केन, अजय ब्राह्मने, शिवम महावर, देव, विवेक मालवीय व अमन के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पति का किसी महिला से संबंध होने के शक में पत्नी ने लगाई फांसी

जागरण, भोपाल। मिसरोद थाना क्षेत्र में पति का किसी महिला से संबंध होने के शक में पत्नी ने फांसी लगाकर जान दे दी। घटना के समय महिला घर में अकेली थी। उसकी मासूम बेटी स्कूल से लौटी तो मां को फंदे पर झूलता देखा। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 31 वर्षीय अंशू सिंह चौहान पत्नी असण सिंह मिसरोद क्षेत्र में रहती थी। पति ब्रेस्ट प्राइज में नौकरी करता है जबकि महिला गृहणी थी। दोपहर करीब 2 बजे अंशू ने फांसी लगा ली। जब बेटी स्कूल से घर लौटी तो उसने मां को कमरे में फांसी पर लटका देखा। सूचना पर मौके पर पहुंचे पति ने उसे एम्स अस्पताल लेकर गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया गया। पति ने पुलिस को बताया कि घटना से कुछ देर पहले अंशू ने उससे फोन पर बात की थी, उसने उस पर किसी अन्य महिला से संबंध होने का आरोप लगाया था। इससे पहले भी वह इस बात का जिक्र कर चुकी थी, लेकिन उसे लगा कि वह मजाक कर रही है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पुताई कर रहे युवक को लगा करंट, दूसरी मंजिल से गिरकर मौत

जागरण, भोपाल। गौतम नगर थाना क्षेत्र में पुताई कर रहे युवक की करंट लगने से मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 20 वर्षीय अयान पिता यूसुफ रायसेन के सगोनी गांव का रहने वाला था। शनिवार सुबह करीब 11 बजे शारदा नगर स्थित एक मकान की दूसरी मंजिल पर पुताई कर रहा था। इसी दौरान उसने लोहे की पाइप पकड़ ली। जिससे उसे करंट का तेज झटका लगा। इस दौरान संतुलन बिगड़ने से वह दूसरी से सीधे नीचे गिर गया। इससे उसका सिर फट गया। लहूलुहान हालत में उसके साथियों ने तुरंत उसे ग्रीनसिटी अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पीएम के लिए भेजा। मामले की जांच जारी है।

एसआईआर | बैरसिया व उत्तर को छोड़कर हर विधानसभा में नहीं मिल रहे 50 हजार से ज्यादा मतदाता

बीएलओ को नहीं मिले चार लाख गणना पत्रक

जागरण संवाददाता, भोपाल। जिले में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्य के दौरान अब तक 4 लाख मतदाताओं के गणना पत्रक (ईएफ) जिला निर्वाचन कार्यालय तक नहीं पहुंचे हैं। जिसके चलते इन मतदाताओं का नाम मतदाता सूची से कट सकता है। जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा जारी आंकड़ों की मानें तो सबसे ज्यादा नाम गोविंदपुरा विधानसभा से कट सकते हैं। यहां कुल 94495 मतदाताओं के गणना पत्रक बीएलओ को नहीं मिले हैं, जबकि विधानसभा में लगभग 100 फीसदी गणना पत्रक वितरित हुए हैं। वहीं हुजूर विधानसभा में भी 73761 मतदाताओं के गणना पत्रक जिला निर्वाचन कार्यालय तक नहीं पहुंचे हैं। बता दें कि भोपाल की बैरसिया और उत्तर विधानसभा को छोड़कर अन्य सभी विधानसभाओं में 50 हजार से ज्यादा मतदाताओं के गणना पत्रक गायब हैं। जिसके चलते आने वाले दिनों में इन सभी मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से कटने का डर बना हुआ है। एसआईआर के तहत जिले 2125908 मतदाताओं में से 2124773 मतदाताओं को गणना पत्रक वितरित हुए हैं। जबकि केवल 1702349 मतदाताओं के गणना पत्रक डिजिटाइज हो सके हैं। जबकि 399348 मतदाताओं के गणना पत्रक बीएलओ को वापिस नहीं मिले हैं।

> सभी सातों विधानसभा क्षेत्रों में जल्द ही 100 फीसदी एसआईआर होने वाला है। बैरसिया में तो 100 प्रतिशत हो चुका है। 80 प्रतिशत से अधिक गणना पत्रकों को ऐप पर अपलोड कर लिया गया है। जबकि फीसदी गणना पत्रक अब तक नहीं मिल सके हैं। इनसे संपर्क करने का लगातार प्रयास किया जा रहा है।
>
> ■ **भुवन गुप्ता**, उप निर्वाचन अधिकारी

सिर्फ पांच दिन बाकी युद्ध स्तर पर चल रहा काम

जिले में गणना पत्रकों को डिजिटाइज्ड करने के लिए बीएलओ के पास महज पांच दिन और बचे हुए हैं। जिसे करने में जिले के 2029 बीएलओ दिन-रात जुटे हुए हैं। पूरे शहर में अब तक 80.08 फीसदी गणना पत्रक डिजिटाइज्ड हो चुके हैं। बीएलओ के ऊपर सभी गणना पत्रकों को डिजिटाइज्ड करने का दबाव बना हुआ है, जिसके चलते वे सुबह 8 बजे से रात 10 बजे तक काम कर रहे हैं और इसके बाद जिला निर्वाचन अधिकारी व उप जिला निर्वाचन अधिकारी की बैठकों में भी भाग ले रहे हैं। जिन मतदाताओं के गणना पत्रक बीएलओ के पास नहीं पहुंच रहे हैं, उन्हें वे घर घर जाकर ढूंढ रहे हैं। ताकि उनका नाम मतदाता सूची में कटने से बचाया जा सके। गणना पत्रकों को जल्दी जमा करवाने के लिए बीएलओ उनके घर के पते पर जाकर उनके नाम दीवारों पर चिपका रहे हैं, ताकि पेंडिंग को खत्म कर जल्दी काम पूरा किया जा सके।

वेडिंग सीजन 2025 : जब शादी सिर्फ रस्म नहीं, एक स्टाइल स्टेटमेंट बन जाए

थीम-बेस्ड वेडिंग्स का दौर, रीजनल कल्चर और मॉडर्न डेकोर का बड़ा क्रेज

जागरण, भोपाल। अब शादियां सिर्फ समारोह नहीं रहीं, ये एक भव्य अनुभव, एक पर्सनल फेस्टिवल और एक स्टेटमेंट बन चुकी हैं। अब यह एक खूबसूरत कैनवास, जिस पर डेकोरेटर्स, प्लानर्स और कपल्स मिलकर रंग बिखेर रहे हैं। शहर के बड़े वेन्यू, कॉर्पोरेट या एमएनसी बैकग्राउंड से आने वाले नए कपल्स और डिज़ाइन की बदलती भाषा-इन सबके मेल से यह पूरा सीज़न पहले से कहीं ज्यादा आधुनिक, कलात्मक और टेक-फ्रेंडली बन गया है। माहौल ऐसा कि हर फंक्शन खुद एक थीम्ड शो जैसा नजर आता है। आधुनिकता और परंपरा मिलकर एक ऐसा खूबसूरत संगम बना रहे हैं, जिसमें दूल्हा-दुल्हन की पसंद, परिवार का कल्चर और डेकोरेटर्स की क्रिएटिविटी-सब एक साथ चमकते हैं। यही वजह है कि 2024-25 का वेडिंग सीज़न इमैजिनेशन की उड़ान बनकर उभरा है।

पहले ही देखें शादी के फंक्शन का भविष्य

अब कपल्स अपने पूरे डेकोर को एआई-बेस्ड डेकोर प्रीव्यू और 3डी वॉकथ्रू के जरिए पहले ही देख लेते है। जिससे उन्हें पता चलता है की कौन सा पैकेज कैसा दिखता है?, किस रंग का लाइट सबसे अच्छा?, कौन-सा फूल किस टेबल पर होना चाहिए? और सब कुछ शादी से पहले तय कर लेते है।

बदलता वेडिंग पर्सोना

- ब्राइडल वॉर्डरोब अब मंडप के बिल्कुल कंट्रास्ट में रखा जाता है।
- विंटेज वेडिंग्स में रॉयल सिम्पलिसिटी की डिमांड लगातार बढ़ी है।

फ्लैश-मोब एंट्री

इस वेडिंग सीज़न दुल्हा-दुल्हन की एंट्री का ये आइडिया सबसे तेजी से पॉप्युलर हो रहा है। जिसमें कपल पहले से ऑडियंस में बने रहते हैं, फिर एक फ्लैश के बाद धीरे-धीरे स्टेज की ओर बढ़ते हैं।

रीजनल थीम की वापसी

- पंजाब का 'पिंड का मेला'
- पॉटरी स्टेशन
- बलून शूट
- गांव का देसी माहौल

एंट्री आइडियाज

- एटीवी बाइक प्रवेश
- तांगा
- साइकिल-रिक्शा
- स्पॉटलाइट प्रविष्टि
- एलईडी वॉल ब्रेक
- मिरर बेस्ड वॉकवे
- ग्लास एंट्री

50 लाख तक का डेकोर

2013 से अब तक शादी के ट्रेंड्स तीन बार पूरी तरह बदले हैं। अब लोग सिर्फ प्रॉपर्टी नहीं, बड़ी रिसॉर्ट्स चाहते हैं ताकि डेकोर और क्रिएटिव सेटअप का स्कोप बढ़ सके। पहले पूरी शादी 10-20 लाख में हो जाती थी। अब सिर्फ डेकोर बजट ही 50 लाख तक पहुंच गया है। साथ ही सेलेब्रिटी आर्टिस्ट्स का ट्रेंड भी लगातार बढ़ रहा है।

लाखों का होता है फायरवर्क्स

जयमाला की इलेक्ट्रिक आतिशबाज़ी आजकल 1.5-2 मिनट की सीरीज़ में की जाती है। जिसका खर्च 2-3 लाख तक पहुंच जाता है। इसके अलावा लोग मुंबई-हैदराबाद से वरमाला मंगावा रहें है। जिसकी कीमत 20-25 हज़ार तक है। वरमाला के दौरान बैक-साइड फायरवर्क्स और स्पार्कलिंग इफेक्ट्स सबसे ज्यादा मांग में हैं।

संडे प्लानर

लेट्स वॉच

मूवी

थिएटर्स

धुरंधर

मंच एण्ड फन

स्प्रिंग रोल

200 रूपए

हीरा रेजीडेंसी

मालवीय नगर

फन विद बुक्स

102वां बुक डिस्कशन

यंग थिंकर्स फोरम

कार्यालय

न्यू मार्केट

शाम 3बजे से

रिलेक्सिंग ईव

हृदय दृश्यम

फ्यूजन संगीत, ताल वाद्य और बांसुरी वादन की प्रस्तुति

भारत भवन

शाम 6:30 बजे

वायटीएफ का 102वां बुक डिस्कशन आज

जागरण, भोपाल। यंग थिंकर्स फोरम द्वारा आज सायं 3 बजे न्यू मार्केट स्थित फोरम के कार्यालय पर पुस्तक परिचर्चा का आयोजन किया जा रहा है। बुक डिस्कशन की श्रृंखला में ये 102वां डिस्कशन है। इसमें एस एन बालगंगाधर और सारिका राव की पुस्तक 'वॉट डस इट मीन टू बी इंडियन' या 'भारतीय होने के मायने' पर अतुल मिश्रा चर्चा करेंगें। लेखक बेल्जियम की घेंट यूनिवर्सिटी में प्राध्यापक हैं और समीक्षक अतुल डॉ हरिसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय, सागर में सभ्यता अध्ययन के शोध छात्र हैं। इस परिचर्चा में कोई भी निःशुल्क सम्मिलित हो सकता है।

गौहर महल में 11 दिसंबर से सजेगा परी बाजार

जागरण, भोपाल। अपनी नवाबी तहजीब और सांस्कृतिक विविधता के लिए पहचाना जाने वाले 'परी बाजार द हेरिटेज फेस्टिवल' के 6वें सीजन का आयोजन गौहर महल में किया जा रहा है। वूमेन एजुकेशन एंड एम्पावरमेंट एजुकेशन सोसायटी (वीस) द्वारा बेगम्स ऑफ भोपाल के इस चार दिवसीय वार्षिक कार्यक्रम का शुभारंभ 11 दिसंबर को शाम 4:30 बजे होगा। फेस्ट की संयोजक रख्शां शमीम जाहिद ने बताया कि इस वर्ष के आयोजन की थीम 'सशक्त मध्यप्रदेश' रखी गई है। 11 दिसंबर को अलग-अलग क्षेत्रों में सक्रिय और अग्रणी 20 से अधिक महिलाओं को सम्मानित किया जाएगा। 12 दिसंबर को फौजिया दास्तांगों एवं समूह भगवान श्रीकृष्ण पर केन्द्रित दास्तानगो सुनाएंगे।

स्कूली छात्रों को थिएटर गेम्स और इम्प्रोवाइजेशन की ट्रेनिंग

जागरण, भोपाल। अर्थ कल्चरल एंड थियेटर सोसायटी द्वारा शासकीय माध्यमिक विद्यालय, सलैया, भोपाल में एक दिवसीय थिएटर वर्कशॉप आयोजित की गई। वर्कशॉप का संचालन संस्था के सचिव स्कन्द मिश्र और अभिनेता अनिमेष श्रीवास्तव ने किया। इसमें स्टूडेंट्स को थिएटर की महत्ता और आवश्यकता बताने के लिए विभिन्न थिएटर गेम्स और इंप्रोवाइजेशन के अभ्यास कराए गए, जिससे स्टूडेंट्स के अंदर की झिझक खुली और उन्होंने सहज अभिव्यक्ति के साथ अपने द्वारा रचित छोटे-छोटे नाटकों की प्रस्तुति दी। वर्कशॉप में 7वीं और 8वीं कक्षा के विद्यार्थियों ने भाग लिया और मंच पर बोलने व पात्रों को समझने के अनुभव से अपने आत्मविश्वास और समझ दोनों को ही मजबूत किया।

पाम ऑयल कॉन्क्लेव 2025 : 200 से अधिक विशेषज्ञों ने की कॉन्क्लेव में स्वास्थ्य पर चर्चा

भारत को बाहरी नैरेटिव से हटकर वैज्ञानिक तथ्यों पर आधारित संवाद की जरूरत

जागरण, भोपाल। एशियन पाम ऑयल अलायंस, सॉलिडरीडाड और द सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईए) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित पाम ऑयल कॉन्क्लेव 2025 शनिवार को भोपाल के एक निजी होटल में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में देशभर से न्यूट्रिशन साइंस, मेडिकल, एफएमसीजी, फूड प्रोसेसिंग, पत्रकारिता, अकादमिक जगत और उद्योग से जुड़े 200 से अधिक विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया। कॉन्क्लेव की थीम 'पाम ऑयल डायलॉग्स सोच को बदलना-हेल्थ, मार्केट, क्लाइमेट' रखी गई थी। विशेषज्ञों ने माना कि पाम ऑयल को लेकर उपभोक्ताओं तक अक्सर अधूरी या भ्रामक जानकारी पहुंचती है, जिससे गलतफहमियां जन्म लेती हैं। इस पर एशियन पाम ऑयल अलायंस के चेयरमैन अतुल चतुर्वेदी ने कहा कि भारत लंबे समय तक पाम ऑयल पर बाहरी कथानकों से प्रभावित रहा है। अब समय आ गया है कि देश अपनी वास्तविक जरूरतों, स्वास्थ्य मानकों और उपभोक्ता हितों के अनुसार संवाद शुरू करे। सॉलिडरीडाड एशिया के मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. शतादु्रु चट्टोपाध्याय ने बताया कि पाम ऑयल से जुड़ी जानकारी अक्सर बिखरी और विरोधाभासी रही है।

पाम ऑयल से बने उत्पादों की लगी प्रदर्शनी, नई पुस्तक का विमोचन

कॉन्क्लेव के दौरान पाम ऑयल से बने उत्पादों की आकर्षक प्रदर्शनी भी लगी, जिसमें रोजमर्रा की खाद्य सामग्री से लेकर कई वैल्यू-ऐडेड प्रोडक्ट्स प्रदर्शित किए गए। कार्यक्रम में 'ऑयल पाम स्टैटिस्टिक्स इन इंडिया: ट्रेंड्स एंड इनसाइट्स' नामक पुस्तक का विमोचन किया गया। सॉलिडरीडाड ने अपने क्लाइमेट-स्मार्ट कृषि मॉडल के परिणाम भी साझा किए। विश्व खाद्य पुरस्कार विजेता प्रो. रतन लाल और काउंसिल ऑफ पाम ऑयल प्रोड्यूसिंग कंट्रीज़ की सेक्रेटरी जनरल इजाना सलेह ने वीडियो संदेश साझा कर सस्टेनेबिलिटी, मिट्टी स्वास्थ्य और वैश्विक सहयोग की जरूरत पर जोर दिया।

साइंस सेंटर द्वारा टीचर्स की एक-दिवसीय वर्कशॉप आयोजित

जागरण, भोपाल। साइंस टीचर्स के लिए शनिवार को रीजनल साइंस सेंटर द्वारा एक दिवसीय टीचर ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के अनुरूप नवीन, गतिविधि-आधारित एवं प्रयोगात्मक शिक्षण पद्धतियों से शिक्षकों को सशक्त बनाना था। कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों को कम लागत एवं सरल सामग्री से किए जा सकने वाले विभिन्न हैंड्स-ऑन साइंस एक्सपेरिमेंट्स की ट्रेनिंग दी गई। ताकि वे क्लास लर्निंग को अधिक प्रभावी, रोचक और अनुभवात्मक बना सकें। इसमें फिजिक्स, कैमिस्ट्री, बायोलॉजी के एक्सपेरिमेंट के साथ ही दैनिक जीवन से संबंधित विज्ञान गतिविधियां और बेसिक एस्ट्रोनॉमी का डेमोंस्ट्रेशन किया गया।

मूवी रिव्यू

धुरंधर

कास्ट रणवीर सिंह, अक्षय खन्ना, संजय दत्त, अर्जुन रामपाल, आर माधवन, सारा अर्जुन, राकेश बेदी

लेखक/निर्देशक आदित्य धर

श्रेणी एक्शन/रोमांचक

क्रिटिक रेटिंग 4/5

अवधि- 3 घंटा 32 मि

कहां देखें- थियटर्स

राजनीति और स्पाई थ्रिलर का परफेक्ट ब्लेंड है धुरंधर

'ये नया हिंदुस्तान है घर में घुसेगा भी, मारेगा भी।' यही इस फिल्म की आत्मा है। कहानी भले सीधी लगे, लेकिन इसे बेहद शार्प, स्टाइलिश और एड्रेनालिन-पंपिंग तरीके से पिरोया गया है। निर्देशन, कलाकारों की परफॉर्मेंस और टेक्निकल सेटअप - तीनों मिलकर 'धुरंधर' को एक हाई-इम्पैक्ट थ्रिलर बनाते हैं।

क्यों देखें

भारत-पाक के तनाव, स्पाई-ऑपरेशन की थ्रिल और इमोशन के पंच के बीच यह फिल्म एक दमदार राजनीतिक-एक्शन ड्रामा बनकर सामने आती है। फिल्म का स्केल बड़ा है, कहानी टाइट है और हर मोड़ पर सरप्राइज है।

कहानी

फिल्म की शुरुआत कंधार हाईजैक से होती है। इस घटना के बाद आईबी चीफ अजय सान्याल (आर माधवन) आतंकियों को करारा जवाब देना चाहते हैं, लेकिन सरकार उनके प्लान को नजर अंदाज कर देती है। कुछ साल बाद जब संसद हमला होता है, तब जाकर सरकार 'ऑपरेशन धुरंधर' को मंजूरी देती है। योजना के तहत हमजा (रणवीर सिंह) को अफ़गानिस्तान के रास्ते पाकिस्तान भेजा जाता है, जहाँ उसे सबसे पहले लयारी के कुख्यात माफिया रहमान डकैत (अक्षय खन्ना) की गैंग में घुसना है। रहमान के बेटे को बचाकर वह गैंग में जगह बना लेता है। इसी दौरान हमजा, पाकिस्तान के ताकतवर नेता जमील यमाली (राकेश बेदी) की बेटी एलीना (सारा अर्जुन) को अपने मिशन के लिए प्यार में फंसा लेता है। आगे चलकर हमजा की मुलाकात आईएसआई चीफ मेजर इक़बाल (अर्जुन रामपाल) से होती है - वही व्यक्ति जो उसकी आंखों के सामने 26/11 जैसे बर्बर हमले को अंजाम देता है। उधर सियासत में फायदा लेने के लिए जमील, एसपी चौधरी असलम (संजय दत्त) को रहमान डकैत को खत्म करने का टास्क देता है।

मूवी रिव्यू

फिल्म की सबसे बड़ी ताकत इसका स्केल और तीखी सिनेमैटोग्राफी है। पाकिस्तान के माहौल को बेहद असली तरीके से रचा गया है। कई सीन दिल दहला देने वाले हैं, खासकर 26/11 का सीक्वेंस। फिल्म में रॉ फुटेज, ऑडियो क्लिप और वास्तविक घटनाओं के तत्व इसे और अधिक ऑथेंटिक बनाते हैं। गाने और रोमांस कहानी की गति नहीं रोकते- बल्कि स्क्रिप्ट के हिस्से जैसे लगते हैं। एक्शन और वीएफएक्स पर भी जमकर मेहनत की गई है। हिंसा है, लेकिन बेवजह नहीं। पहला हाफ लंबा है लेकिन मजबूत, दूसरा हाफ तेज़ और पावरफुल। कुल मिलाकर 'धुरंधर' नया भारत दिखाती, यह एक नई तरह की स्पाई-एक्शन फिल्म है।

एक्टिंग

मूवी में आर माधवन का किरदार कम रहा मगर दमदार रहा। रणवीर सिंह अपने किरदार में ऐसे ढले हैं कि उनकी परफॉर्मेंस आपके दिमाग में बस जाती है। रणवीर कम बोलकर भी भारी असर छोड़ते हैं। अक्षय खन्ना इस फिल्म की सबसे बड़ी सरप्राइज़ पैकेज हैं - लंबा रोल, कसी हुई अदाकारी और 90 की दशक वाला चार्म। सारा अर्जुन मासूमियत के साथ कहानी में नर्मी और इमोशन जोड़ती हैं। संजय दत्त छोटे लेकिन प्रभावी रोल में हैं।

जागरण लेकसिटी

यूनिवर्सिटी के 10वें दीक्षांत समारोह का आयोजन

शैक्षणिक उत्कृष्टता का सम्मान एवं सुनील सेठी को मानद डॉक्टरेट की उपाधि दी गई

जागरण, भोपाल। जगरण लेकसिटी यूनिवर्सिटी ने सफलता पूर्वक अपना 10वां दीक्षांत समारोह आयोजित किया, जो विश्वविद्यालय की शैक्षणिक उत्कृष्टता, विकास और संस्थागत उपलब्धियों के एक दशक का महत्वपूर्ण उत्सव रहा। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मध्य प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इंदर सिंह परमार, विश्वविद्यालय के कुलाधिपति हरि मोहन गुप्ता, प्रो-चांसलर अभिषेक मोहन गुप्ता, कुलपति डॉ. नीलांजन चटोपाध्याय, वरिष्ठ संकाय सदस्य, कर्मचारी, विद्यार्थी और गर्वित अभिभावक उपस्थित थे। इस वर्ष के दीक्षांत समारोह की विशेष उपलब्धि थी - प्रसिद्ध फैशन डिज़ाइनर और फ़ैशन डिजाइन काउंसिल ऑफ इंडिया (एफडीसीआई) के चेयरमैन सुनील सेठी को मानद डॉक्टरेट की प्रतिष्ठित उपाधि प्रदान की गई। यह सम्मान उन्हें भारतीय फ़ैशन उद्योग को नई दिशा देने और नवाचारपूर्ण पहलों के माध्यम से उसके विकास में उनके असाधारण योगदान के लिए दिया गया। इस वर्ष विश्वविद्यालय ने कुल 743 डिग्रियां प्रदान कीं, जिनमें 126 परास्नातक, 596 स्नातक, और 17 पीएचडी उपाधियां शामिल थीं। श्री गिरीश शर्मा को उत्कृष्ट शोध योगदान के लिए यूनिवर्सिटी गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया। इसके अलावा, 20 विद्यार्थियों को चांसलर गोल्ड मेडल, और 18 विद्यार्थियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए रैंक प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए इंदर सिंह परमार ने कहा जब हम जगरण लेकसिटी यूनिवर्सिटी के इस दीक्षांत समारोह का उत्सव मना रहे हैं, हमें यह याद रखना चाहिए कि भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी ज्ञान परंपराओं की गहराई में निहित है - प्राचीन विज्ञान की बुद्धिमत्ता से लेकर आधुनिक कक्षाओं के नवाचार तक। जब हम भारतीय ज्ञान प्रणाली को आधुनिक शिक्षा के साथ जोड़ते हैं, तो हम न केवल अपनी विरासत का सम्मान करते हैं, बल्कि ऐसे भविष्य की नींव भी रखते हैं जहाँ भारत विचार, तकनीक और परिवर्तनकारी समाधानों में विश्व का नेतृत्व करेगा।

राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय पहचान को और मजबूत कर रहा जेएलयू

कुलपति डॉ. नीलांजन चटोपाध्याय ने अपने दीक्षांत संबोधन में विश्वविद्यालय की प्रगति पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा जगरण लेकसिटी यूनिवर्सिटी के 10वें दीक्षांत समारोह का यह क्षण अत्यंत हर्ष और गर्व का विषय है। हमने शैक्षणिक क्षमता, शोध नवाचार और उद्योग संबंधों में उल्लेखनीय प्रगति की है। हमारे विद्यार्थी निरंतर नए कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं और हमारा संकाय उत्कृष्टता के प्रति दृढ़ संकल्पित है। जेएलयू अपनी राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय पहचान को और मजबूत कर रहा है, सहयोगों का विस्तार कर रहा है, तथा ज्ञान और नवाचार-प्रधान भविष्य को अपनाते हुए आगे बढ़ रहा है। मैं सभी उपाधि प्राप्त विद्यार्थियों और उनके परिवारों को हार्दिक बधाई देता हूं। समारोह का समापन जोरदार तालियों के साथ हुआ, जब स्नातक विद्यार्थी अपने शैक्षणिक और व्यावसायिक जीवन की अगली यात्रा की ओर बढ़े। जगरण लेकसिटी यूनिवर्सिटी उत्कृष्टता, नवाचार और समग्र विकास के अपने मिशन को आगे भी दृढ़ता से आगे बढ़ाती रहेगी।

हिम्मत रखें ट्रंप, नोबेल ना जीत कर आप गांधी की श्रेणी में आ खड़े हैं....!

● शशि थरूर ●

दुनिया में नोबेल शांति पुरस्कार जितने प्रतिष्ठित और उतना ही उलझाने वाले सम्मान कम ही हैं। नॉर्वेजियन नोबेल समिति का एक लंबा, नाटकीय इतिहास रहा है, जिसमें अप्रत्याशित रूप से योग्य लेकिन परेशान करने वाले सुविधाजनक लोगों की प्रशंसा की जाती रही है, जिसमें कुछ वास्तविक नायकों को अलंकृत नहीं किया जाता लेकिन कुछ जिद्दी खलनायकों को पदकों से सजाया जाता रहा है।

इस पुरस्कार की स्थापना डायनामाइट के आविष्कारक अल्फ्रेड नोबेल ने की थी। जरा सोचिए.... जिस व्यक्ति ने सामूहिक विनाश के लिए उपयोग किए जाने वाले इतिहास के सबसे विध्वंसक उपकरणों में से एक 'डायनामाइट' का निर्माण किया, उसने जीवन के अंतिम वर्षों में एक ब्रह्मांडीय विडंबना के दौर में यह निर्णय लिया कि वह 'शांति' के लिए धन मुहैया कराने के लिए याद किया जाना चाहता है। यह मौलिक, अद्भुत विरोधाभास ही संभवतः आज तक इस पुरस्कार के लिए विरोधाभासों की ऐसी बाढ़ लाने का कारण है।

आइए सबसे स्पष्ट बात से शुरुआत करें, वह व्यक्ति जो अहिंसा के लिए उपयोग किए जाने वाले शब्दों का शब्दकोश है- यानी 'महात्मा गांधी'। भारत की स्वतंत्रता के शिल्पी, जिन्होंने दुनिया को दिखाया कि शांतिपूर्ण प्रतिरोध एक साम्राज्य को कुचल सकता है, इनको पाँच बार नोबल के लिए नामांकित किया गया था (1937, 1938, 1939, 1947, और 1948 में मरणोपरांत विचार)। फिर भी, महात्मा हर बार खाली हाथ रहे। गांधी की हत्या के कुछ ही हफ़्तों बाद, 'कोई उपयुक्त जीवित उम्मीदवार नहीं' का हवाला देते हुए, 1948 के पुरस्कार को पूरी तरह से आरक्षित करने के समिति के फैसले को पुरस्कार के इतिहास की सबसे बड़ी चूकों में से एक कहा गया है। यह इतनी स्पष्ट चूक है कि यह एक ऐतिहासिक विचित्रता से कहीं अधिक है; यह याद दिलाता है कि समिति का ध्यान कभी-कभी प्रेरणादायी होने के बजाय यूरोप-केंद्रित और सतर्क रहा है।

> नोबेल शांति पुरस्कार का विरोधाभास इसके उलझाने वाले फैसलों के इतिहास से उपजा है, जिसमें हेनरी किसिंजर जैसी हस्तियों को सम्मानित किया गया, जबकि महात्मा गांधी को नजरअंदाज किया गया। इतिहास गवाह है कि यह पुरस्कार अक्सर शांति के महानायक के बजाय 'महत्वाकांक्षी अभिनेता' को पुरस्कृत करता है।

अगर आप जीवन भर अहिंसा का उपदेश देने वाले व्यक्ति हैं और फिर भी जीत नहीं पाते, तो नोबेल शांति पुरस्कार पाने के लिए क्या करना होगा? खैर, कभी-कभी, बस ढेर सारे बम गिराने भर से ही यह पुरस्कार मिल जाता है। 'हेनरी किसिंजर', पूर्व अमेरिकी विदेश मंत्री, जिन्हें 1973 में वियतनाम युद्ध को समाप्त करने के लिए पेरिस शांति समझौते पर बातचीत करने के लिए यह पुरस्कार दिया गया था। यह वही किसिंजर हैं जो कंबोडिया और लाओस पर गुप्त बमबारी के मुख्य सूत्रधार थे, जिसने इस क्षेत्र को अस्थिर कर दिया और माना जाता है कि क्रूर खमेर रूज शासन के उदय में इसी ने योगदान दिया। उत्तरी वियतनाम के 'ले डुक थो' (जिन्होंने ईमानदारी का शानदार प्रदर्शन करते हुए इसे स्वीकार करने से इनकार कर दिया) के साथ साझा किए गए इस पुरस्कार ने इतना हंगामा मचाया कि नोबेल समिति के दो सदस्यों ने विरोध में इस्तीफा दे दिया। व्यंग्यकार टॉम लेहरर ने मशहूर तौर पर मज़ाक उड़ाया था कि इस पुरस्कार ने राजनीतिक व्यंग्य को अप्रचलित बना दिया है।

अक्सर चौंकाया नोबल पुरस्कार आयोजकों ने

विजेताओं की सूची विडंबनाओं के पाठ्यक्रम जैसी है। थियोडोर रूजवेल्ट ने शांति स्थापित करने के लिए पुरस्कार जीता, फिर भी वे एक उग्र साम्राज्यवादी भी थे; अनवर सादात और मेनाकेम बेगिन ने कैंप डेविड के लिए पुरस्कार जीता, जबकि लाखों फिलिस्तीनियों पर हमला करने वाले अनसुलझे संघर्ष कहीं और जारी रहे। बराक ओबामा ने शुरुआत में ही जीत हासिल कर ली और फिर देखते रहे कि शासन-कौशल की गड़बड़ियों ने प्रशस्ति-पत्र की सुस्पष्ट बयानबाजी को और जटिल बना दिया।

यह सारा इतिहास हमें इंतजार में बैठे उस नायक की ओर ले जाता है–जो अपनी नोबेल-योग्यता के बारे में ट्वीट करना बंद नहीं कर पा रहा, यानी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप। यह लगभग साबित हो गया है कि कई बार एक नाटकीय कथा-चक्र को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए पसंद करके आयोजकों ने सबसे ज्यादा चौंकाया है। यह एक ऐसे युद्ध-प्रेमी को पसंद करता है जो थोड़ी देर के लिए शांति का दिखावा करता है (किसिंजर) और एक महान शांतिदूत के नाम पर समिति की स्वीकृति की मुहर नहीं लग सकी (गांधी)।

तो, हिम्मत रखो, डोनाल्ड। अगर एक विश्व-प्रसिद्ध व्यक्ति होने के बावजूद आपने नोबेल शांति पुरस्कार नहीं जीता है, तो आप गांधी की महान, गौरवशाली और गहरी नैतिकता वाली संगति में हैं। अगर आप इसे जीतते तो आप एक सच्चे 'शांतिदूत' हो सकते थे, जो पाकिस्तानी जनरलों पर कड़ा दबाव डालना जानता है, या आप एक ऐसे व्यक्ति हो सकते हैं जिसकी सबसे बड़ी विरासत एक विवादास्पद बमबारी अभियान से जुड़ी है। इससे आपने क्या सबक लिया?

यही कि, नोबेल शांति पुरस्कार वास्तव में केवल ओस्लो में एक अच्छे समारोह की गारंटी देता है। यह न तो नैतिक अधिकार प्रदान कर सकता है, न ही उसे नकार सकता है। तो, शायद आपको इतना बुरा नहीं लगना चाहिए। हो सकता है कि न जीतना, भविष्य में आपको अजीबोगरीब फुटनोट्स से बचाने का ब्रह्मांड का विनम्र तरीका हो।

'किंग कोहली' के लंदन में बसने पर उठ रहे सांस्कृतिक सवाल

● विनोद पाठक ●

भारतीय क्रिकेट के प्रतीक और करोड़ों युवाओं की प्रेरणा विराट कोहली ने क्या लंदन को अपना स्थायी निवास बना लिया है? यह सवाल इन दिनों चर्चा में है। आज विराट कोहली के फैन्स यह सवाल पूछ रहे हैं कि आखिर ऐसी क्या मजबूरी है, जो विराट को देश से बाहर जाना पड़ रहा है। यह फैसला भले निजी कारणों से लिया गया हो, लेकिन यह कदम एक गहरे सांस्कृतिक और भावनात्मक सवाल को जन्म देता है।

क्या भारत के सबसे बड़े क्रिकेट आइकन का देश छोड़कर विदेश बसना उचित है? क्या इस निर्णय से वह उस भारतीय आत्मा से दूर नहीं हो रहे, जिसने उन्हें 'किंग कोहली' बनाया? क्या अपने लंदन में बसने को लेकर 'किंग कोहली' पुनर्विचार करेंगे?

विराट कोहली हमेशा भारतीय जज्बे और राष्ट्रीय गौरव के प्रतीक रहे हैं। दिल्ली की गलियों से उठकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वोच्च शिखर तक पहुंचना उनकी कहानी को हर आम भारतीय के सपनों से जोड़ देता है, लेकिन अब वही किंग कोहली जब अपने परिवार के साथ लंदन में बसने का निर्णय लेते हैं तो यह छवि धुंधली पड़ने लगती है। क्रिकेट के इतिहास में ऐसे कई खिलाड़ी हुए हैं, जिन्होंने विदेशों में समय बिताया, लेकिन स्थायी रूप से बसने का फैसला हमेशा आलोचना का विषय रहा है, क्योंकि यह सिर्फ भौगोलिक नहीं, बल्कि भावनात्मक दूरी का प्रतीक बन जाता है। हालांकि, विराट कोहली के समर्थक कहते हैं कि यह उनका निजी अधिकार है। एक खिलाड़ी जिसने अपने करियर में देश के लिए सब कुछ दिया, उसे अपने परिवार की सुरक्षा और मानसिक शांति का भी अधिकार है। वहीं, आलोचक मानते हैं कि यह वही कोहली हैं, जिन्होंने बार-बार खुद को भारत का बेटा कहा, तिरंगे के सम्मान के लिए अपनी भावनाएं दिखाईं। हर इंटरव्यू में देशप्रेम की बात की। अब जब करियर के अंतिम पड़ाव पर उन्होंने लंदन में घर बसाने का फैसला किया है तो क्या यह देश के प्रति उनके उस भावनात्मक जुड़ाव का अंत नहीं है, जिसने उन्हें लाखों भारतीयों का नायक बनाया था?

> क्या भारत के सबसे बड़े क्रिकेट आइकन का देश छोड़कर विदेश बसना उचित है? क्या इस निर्णय से वह उस भारतीय आत्मा से दूर नहीं हो रहे, जिसने उन्हें 'किंग कोहली' बनाया? यह फैसला भले निजी कारणों से लिया गया हो, लेकिन यह कदम एक गहरे सांस्कृतिक और भावनात्मक सवाल को जन्म देता है।

क्या सफलता का अंतिम लक्ष्य देश छोड़ना है?

भारत में कोहली सिर्फ एक क्रिकेटर नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक प्रतीक हैं। उनकी हर उपलब्धि को देश की उपलब्धि माना गया, लेकिन अब जब वही प्रतीक भारत से दूर जाकर ब्रिटेन की गोद में बसता है तो यह उस 'राष्ट्र-नायक' की छवि पर धब्बा छोड़ता है। लंदन में रहना सिर्फ भौतिक सुविधा नहीं, बल्कि एक मानसिक रूप से पश्चिमी जीवनशैली अपनाने का संकेत है। यह निर्णय भारतीय युवाओं के लिए क्या संदेश देता है कि सफलता का चरम वही है, जहां आप देश छोड़ दें और एक ग्लोबल सिटिजन बन जाएं?

क्या यही है आधुनिक राष्ट्रवाद का नया चेहरा? भारत में विराट कोहली एक आदर्श माने जाते हैं। उनके अनुशासन, फिटनेस और आत्मविश्वास की मिसाल दी जाती है। जब वही आदर्श देश से दूर रहने का विकल्प चुनता है तो युवाओं में यह संदेश जाता है कि सफलता का अंतिम लक्ष्य भारत छोड़ना है।

आर्थिक दृष्टि से देखा जाए तो विराट कोहली के पास अब किसी चीज की कमी नहीं है। ब्रांड एंडोर्समेंट, व्यावसायिक साझेदारियां और अंतरराष्ट्रीय विज्ञापनों से वह पहले ही अरबों रुपए कमा चुके हैं। ऐसे में लंदन में बसने का कारण आर्थिक नहीं, बल्कि मानसिक और सामाजिक हो सकता है, लेकिन यही बात उनके प्रशंसकों के लिए निराशाजनक है, क्योंकि भारत ने उन्हें सिर्फ पैसा नहीं, बल्कि पहचान दी। अब जब वे इस पहचान से दूर जा रहे हैं तो यह जनता के लिए एक भावनात्मक धोखा जैसा लगता है। वह देश, जिसने उनके हर रन पर ताली बजाई, अब उनसे दूरी महसूस करने लगा है। वैसे, विराट कोहली के लंदन बसने के निर्णय पर यह तर्क दिया जा सकता है कि लंदन एक सुरक्षित और गोपनीय माहौल देता है, जहां उन्हें परिवार संग सामान्य जीवन जीने का अवसर मिलेगा, लेकिन क्या महेंद्र सिंह धोनी, रोहित शर्मा, सौरव गांगुली, वीरेंद्र सहवाग, कपिल देव जैसे स्टार्स को ये सुरक्षा और गोपनीयता नहीं चाहिए। ये स्टार्स भी भारत में रह रहे हैं। विराट कोहली का लंदन बसना कानूनी तौर पर भले ही उनका निजी निर्णय हो, लेकिन नैतिक रूप से यह सवाल खड़ा करता है कि क्या एक राष्ट्रीय नायक अपनी जिम्मेदारी सिर्फ मैदान तक सीमित रख सकता है? क्या यह उचित है कि जिस देश ने उन्हें किंग कोहली बनाया, उसी देश के लोगों से वे अब हजारों किलोमीटर दूर रहें?

विराट के लिए यह एक व्यक्तिगत जीत हो सकती है, लेकिन भारत के लिए यह एक भावनात्मक हार है, क्योंकि यह सिर्फ एक खिलाड़ी का देश छोड़ना नहीं, बल्कि एक प्रतीक का टूटना है।

एक ऐसे आइकन का, जिसने हमें गर्व तो दिया, पर अंततः अपने घर से दूर जाने का रास्ता चुना। भारत ने विराट कोहली को बहुत दिया, लेकिन अब सवाल यह है कि विराट ने भारत को क्या छोड़ा? मैदान पर जीतने वाला यह किंग शायद अब दिलों में वह जुड़ाव नहीं जीत पा रहा, जो एक सच्चे भारतीय नायक की पहचान होती है।

मो. रफी को थिरकता देख दिल से नाचे धर्मेंद्र तो बना आल टाइम फेवरेट गाना

> उस दिन से पहले कभी भी रफी साहब को इस मूड में नहीं देखा था। कुछ पलों के लिए तो धरम जी यक़ीन नहीं कर पा रहे थे कि ये वाकई में मोहम्मद रफी ही हैं। धरम जी ने तय किया कि वो अपने स्टाइल में ही डांस करेंगे। और फिर तो धरम जी ने ऐसा डांस किया कि ब्याह-शादी या किसी भी समारोह में जब डीजे पर मैं जट यमला पगला दीवाना... गाना प्ले होता है तो बहुत से वो लोग भी कदम थिरकाने लगते हैं जो आमतौर पर डांस करने में झिझकते हैं।

जन्मदिन 8 दिसंबर पर स्मृति शेष

लोकप्रिय गायक मो. रफी साहब धर्मेंद्र की फिल्म प्रतिज्ञा के बेहद लोकप्रिय गीत मैं जट यमला पगला दीवाना... की रिकॉर्डिंग गाने के मूड में खुद को पूरी तरह ढालकर रिकॉर्डिंग कर रहे थे। यानि गाते हुए वो थिरक भी रहे थे। उस रिकॉर्डिंग में धरम जी भी मौजूद थे। हमेशा सौम्य व शांत रहने वाले रफी साहब को मस्ती में थिरकते हुए देख धरम जी को हैरत हो रही थी। उन्होंने उस दिन से पहले कभी भी रफी साहब को इस मूड में नहीं देखा था। कुछ पलों के लिए तो धरम जी यक़ीन नहीं कर पा रहे थे कि ये वाकई में मोहम्मद रफी ही हैं।

रिकॉर्डिंग कंप्लीट करने के बाद रफी साहब ने धरम जी से कहा, मैंने अपना काम पूरा कर दिया है। अब तुम्हें अपना काम करना है। धरम जी ने रफी साहब से कहा, अगर आप इस गाने पर गाते-गाते नाच सकते हैं तो फिर तो मैं भी इस गाने पर अच्छा डांस ही करूंगा। फिर जब उस गाने को शूट करने का दिन आया तो पहले तो धरम जी बड़े ध्यान से नाचने की कोशिश कर रहे थे। लेकिन उस वजह से वो सही से गाना शूट नहीं कर पा रहे थे।

फाइनली धरम जी ने तय किया कि वो अपने स्टाइल में ही डांस करेंगे। और फिर तो धरम जी ने ऐसा डांस किया कि आज भी धरम जी का वो गाना देखकर उनके फैंस उनकी तरह थिरकने लगते हैं। ब्याह-शादी या किसी भी समारोह में जब डीजे पर मैं जट यमला पगला दीवाना... गाना प्ले होता है तो बहुत से वो लोग भी कदम थिरकाने लगते हैं जो आमतौर पर डांस करने में झिझकते हैं। धरम जी के कतली डांस और रफी साहब की बेइंतिहा शानदार गायकी की वजह से ये गाना भारतीय उपमहाद्वीप के एक बहुत बड़े हिस्से में रहने वाले लोगों का ऑल टाइम फेविरट बन गया।

अंडरवर्ल्ड पर जमाया खौफ

तुम्हारे पास 10 आदमी होंगे। मेरे पास पूरी आर्मी है। अगर मैंने एक बार कह दिया तो पूरा साहनेवाल ट्रकों में भरकर यहां लड़ने आ जाएगा। मुझसे पंगा मत लेना...। अंडरवर्ल्ड के गुंडों से ये बात धरम जी ने कही थी। और धरम जी का खौफ उन गुंडों पर ऐसा जमा कि उन्होंने वाकई में कभी धरम जी से पंगा लेने की कोशिश नहीं की। हाल ही में अभिनेता सत्यजीत पुरी, जो किसी जमाने में मास्टर सत्यजीत के नाम से बतौर बाल कलाकार फिल्मों में काम करते थे, उन्होंने ये बात एक इंटरव्यू में बताई। सत्यजीत पुरी ने ये भी बताया कि धरम जी और उनकी फैमिली अंडरवर्ल्ड से कभी नहीं डरी।

सत्यजीत पुरी के मुताबिक, उस जमाने में अंडरवर्ल्ड का इतना खौफ था फिल्म इंडस्ट्री पर कि अगर किसी कलाकार को अंडरवर्ल्ड वाले फोन कर देते थे तो वो बुरी तरह घबरा जाता था। मगर शायद इकलौते कलाकार होंगे धरम जी जिन्होंने अंडरवर्ल्ड को धमकाया होगा।

धरम जी के बारे में सत्यजीत पुरी ने एक और बहुत ही दिलचस्प किस्सा बताया। साल 1972 में आई प्रकाश मेहरा की फिल्म समाधी में सत्यजीत पुरी ने उनके बेटे का किरदार निभाया था। फिल्म का एक सीन कुछ यूं था कि धरम जी अपने बेटे को एक दूसरे व्यक्ति को सौंपकर जा रहे होते हैं। और उनका बेटा जिद करता है कि पिताजी मुझे यहां मत छोड़िए। बेटा जब नहीं मानता तो धरम जी उसे एक तमाचा लगाते हैं।

धरम जी प्यार से सत्यजीत पुरी को सत्या कहते थे। और वो सत्या को बहुत चाहते भी थे। तो उन्होंने सत्या को चांटा लगाने से इन्कार कर दिया। जबकी समाधी के डायरेक्टर प्रकाश मेहरा चाहते थे कि धर्मेंद्र सत्यजीत को सच में एक जोरदार चांटा मारें। क्योंकि फिल्म की कहानी में उस चांटे की बहुत अहमियत थी। मगर धरम जी थे कि वो सत्या को चांटा मारने को तैयार हो ही नहीं रहे थे। उन्हें सोचकर भी अच्छा नहीं लग रहा था कि वो सत्या को चांटा मारेंगे।

साथियों समाधी फिल्म में धरम जी जिस दूसरे कलाकार को अपने बेटे को सौंपकर जा रहे थे वो कलाकार थे अभि भट्टाचार्य और अभि भट्टाचार्य के साथ मास्टर सत्यजीत पहले भी काम कर चुके थे। सत्या यानि मास्टर सत्यजीत ने खुद ही धरम जी को बताया कि कैसे अभि भट्टाचार्य ने उनके गाल पर तीन बार चांटा मारा था और उनका गाल सूज गया था। सत्या की ये बात सुनकर धरम जी और ज़्यादा कॉंशियस हो गए। धरम जी ने सत्या से भी कहा कि पुत्तर मैं तुझे थप्पड़ नहीं मारूंगा। धरम जी के ऐसा कहने से वो शॉट अटक गया। प्रकाश मेहरा उस शॉट को जल्द से जल्द पूरा करना चाहते थे। लेकिन धरम जी ने सत्या तो थप्पड़ मारने से इन्कार कर दिया। काफी समझाने के बाद धरम जी वो शॉट करने को तैयार तो हुए। मगर वो सत्या को ऐसे थप्पड़ मार रहे थे जैसे कि बस छू रहे हों। जैसा शॉट प्रकाश मेहरा को चाहिए था वैसा उन्हें मिल ही नहीं पा रहा था। तब सत्या के कहने पर धरम जी उन्हें थप्पड़ मारने को तैयार हो गए। फिर धरम जी ने सत्यजीत के गाल पर सच में वैसा थप्पड़ मारा जैसा प्रकाश मेहरा चाहते थे। और वो शॉट ओके हो गया। प्रकाश मेहरा के कट बोलते ही धरम जी मास्टर सत्यजीत के पास आए और उन्होंने सत्यजीत को गले से लगा लिया। सत्यजीत से बेतहाशा माफी मांगने लगे। मगर सत्यजीत उनसे बोले, शॉट तो ओके हो गया है अंकल।

मानव का हार्ट स्वयं को ठीक कर सकता है दौरा पड़ने के बाद

> वैज्ञानिकों ने प्राकृतिक उपचार शक्ति का खुलासा किया है जो लाखों लोगों की जान बचा सकती है, इसके तहत यह बताया गया है कि दिल के दौरे के बाद मानव हृदय स्वयं ठीक हो सकता है! हार्ट को खुद की मरम्मत करने में साइक्लिन ए 2 जीन मदद करता है।

● बैनेट जेम्स ●

माउंट सिनाई के शोधकर्ताओं ने साइक्लिन ए 2 जीन की पहचान की है, जो मानव हृदय की प्राकृतिक उपचार क्षमता को पुनः सक्रिय करता है। भ्रूण के विकास के दौरान सक्रिय यह जीन हृदय कोशिकाओं को सक्षम बनाता है। वैज्ञानिकों ने क्षतिग्रस्त हार्ट टिशूज में साइक्लिन ए 2 को सफलतापूर्वक पुनः स्थापित किया है, जिससे नई, कार्यात्मक हार्ट सेल्स का निर्माण हुआ है, जिससे हृदय रोग के उपचार में एक संभावित क्रांति आई है। साइक्लिन ए 2 जीन, जो सामान्य रूप से भ्रूण के विकास के दौरान सक्रिय रहता है, लेकिन जन्म के तुरंत बाद निष्क्रिय हो जाता है, जिससे वयस्क हृदय क्षति की मरम्मत करने में असमर्थ हो जाता है। क्षतिग्रस्त हार्ट टिशू में इस जीन को पुनः स्थापित करके, वैज्ञानिकों ने सामान्य संकुचन में सक्षम नई, स्वस्थ हृदय कोशिकाओं का निर्माण होना पाया। यह सफलता हृदयाघात और दीर्घकालिक हृदयाघात के उपचार के लिए एक आशाजनक मार्ग प्रस्तुत करती है, जो केवल लक्षणों का उपचार करने वाली पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों से कहीं आगे है। यदि इसे सफलतापूर्वक नैदानिक अभ्यास में लागू किया जाता है, तो यह खोज हृदय देखभाल में क्रांति ला सकती है, जिससे हृदय स्वाभाविक रूप से पुनर्जीवित हो सकता है और रोगी के परिणामों में सुधार हो सकता है।

साइक्लिन ए 2 जीन कैसे मदद करता है

भ्रूण के विकास के दौरान अत्यधिक सक्रिय साइक्लिन ए 2 से हृदय कोशिकाएं गुणा करके एक पूर्णतः कार्यशील अंग का निर्माण करती हैं। लेकिन जन्म के तुरंत बाद, यह जीन निष्क्रिय हो जाने से वयस्क हृदय कोशिकाएं विभाजित होने की अपनी क्षमता खो देती हैं। साइक्लिन ए 2 निष्क्रियता भी एक कारण है कि वयस्क हृदय चोट लगने के बाद स्वयं की मरम्मत करने के लिए संघर्ष करता है, जिससे अक्सर दीर्घकालिक क्षति या हृदयाघात होता है। क्षतिग्रस्त हार्ट टिशू में साइक्लिन ए 2 को पुनः स्थापित करने के लिए एक हानिरहित वायरल वेक्टर का उपयोग करके, वैज्ञानिक इस पुनर्योजी क्षमता को पुनः सक्रिय करने में सक्षम हुए हैं। 21, 41 और 55 वर्ष की आयु के दानकर्ता हार्ट पर किए गए परीक्षणों से सामान्य संकुचन में सक्षम नई, स्वस्थ हृदय कोशिकाओं का निर्माण देखा गया, जिससे यह साबित हुआ कि वृद्ध हृदयों में भी पुनर्जनन की क्षमता बनी रहती है।

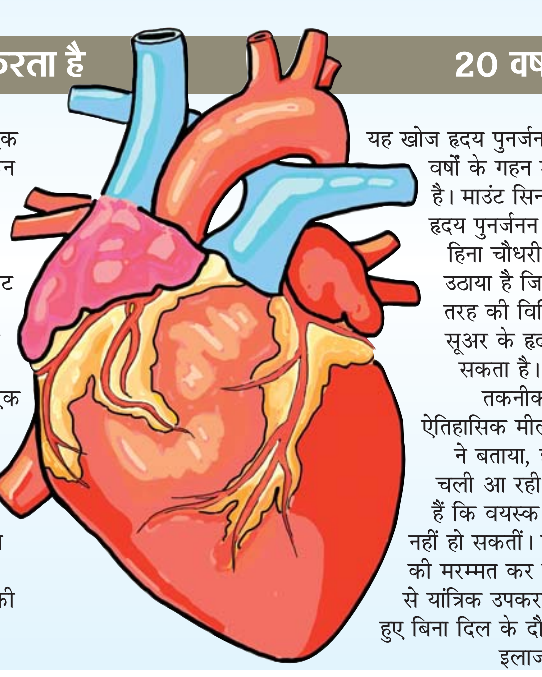

20 वर्षों का गहन शोध

यह खोज हृदय पुनर्जनन चिकित्सा में लगभग 20 वर्षों के गहन शोध का प्रतिनिधित्व करती है। माउंट सिनाई में प्रमुख शोधकर्ता और हृदय पुनर्जनन चिकित्सा की निदेशक डॉ. हिना चौधरी ने ऐसे अध्ययनों का बीड़ा उठाया है जिनसे पता चलता है कि इसी तरह की विधियों से चोट लगने के बाद सूअर के हृदय को पुनर्जीवित किया जा सकता है। मानव हृदय ऊतक पर इस तकनीक का सफल अनुप्रयोग एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है। डॉ. चौधरी ने बताया, हमारे निष्कर्ष लंबे समय से चली आ रही इस धारणा को चुनौती देते हैं कि वयस्क हृदय कोशिकाएं पुनर्जीवित नहीं हो सकतीं। सही हस्तक्षेप से, हृदय खुद की मरम्मत कर सकता है, जिससे पूरी तरह से यांत्रिक उपकरणों या प्रत्यारोपण पर निर्भर हुए बिना दिल के दौरे और हृदय गति रुकने के इलाज की संभावनाएँ खुलती हैं।

जीन थेरेपी उपचार को बदल सकती है

हृदय रोग दुनिया भर में मृत्यु का प्रमुख कारण बना हुआ है। ब्रिटेन में, हर साल 1,00,000 से ज़्यादा लोग दिल के दौरे के कारण अस्पतालों में भर्ती होते हैं और दस लाख से ज़्यादा लोग क्रोनिक हार्ट फेलियर से जूझ रहे हैं। मौजूदा इलाज मुख्य रूप से लक्षणों के प्रबंधन और बीमारी की प्रगति को धीमा करने पर केंद्रित हैं, लेकिन ये खोए हुए हृदय के ऊतकों को बहाल नहीं कर सकते। अगर अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन इसे मानव परीक्षणों के लिए मंजूरी दे देता है, तो साइक्लिन ए 2 जीन थेरेपी इलाज में क्रांति ला सकती है, जिससे क्षतिग्रस्त हृदय स्वाभाविक रूप से पुनर्जीवित हो सकते हैं और लंबी अवधि की जीवन दर में सुधार हो सकता है। इस तरीके से दुनिया भर के लाखों मरीज़ों के स्वास्थ्य में तेज़ी आ सकती है, अस्पताल में भर्ती होने की ज़रूरत कम हो सकती है और उनके जीवन की गुणवत्ता बेहतर हो सकती है।

एसआईआर कार्य में अव्वल एसडीएम आशुतोष सम्मानित

बैरसिया। भोपाल जिले में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य मे बैरसिया अनुभाग क्षेत्र का कार्य निर्धारित समयावधि से पूर्व पूर्ण कराने वाले एसडीएम आशुतोष शर्मा का नगर के गणमान्य नागरिकों समाजसेवियों ओर स्वमसेवी संथाओं के प्रमुखों द्वारा शुक्रवार को एसडीएम कार्यालय बैरसिया में शाल श्रीफल से समानित किया। साथ ही एसडीएम की एसआईआर टीम को मिठाइयां दे उनके उत्कृष्ट कार्य को सराहा । बता दें की गुरुवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय भोपाल में कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने भी बैरसिया विधानसभा 149 का एसआईआर कार्य 100 प्रतिशत पूर्ण करने पर एसडीएम आशुतोष शर्मा सहित उनकी पूरी टीम को सम्मानित कर राजधानी के बड़े तालाब पर शिकारा की सैर कराई गई। थी। एसडीएम के उत्कृष्ट कार्य पर सम्मानित करने वालो में वरिष्ठ समाजसेवी दीपक दुवे, वरिष्ठ पत्रकार राधेश्याम शर्मा, वृन्दावन शर्मा, आशीष शर्मा , इदरीश अहमद , राजेश शर्मा , सोमत कुशवाह, रत्नेश नामदेव, प्रेमसिंह दांगी , जीतू शर्मा विनय सिह पटेल, ऋषव सेन सहित भारतीय किसान संघ के पदाधिकारी सामिल थे।

सेवा सदन को मिली स्लिट लैंप मशीन नेत्र रोगियों का इलाज होगा आसान

दृष्टिहीन ही जान सकता है नेत्र ज्योति का महत्वः सिद्ध भाऊ

संत हिरदाराम नगर। स्वामी हिदाराम जी के आशीर्वाद से संचालित अग्रणी चिकित्सा सेवा संस्था सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय को स्लिट लैंप मशीन प्राप्त हुई है, इससे नेत्र रोगियों का इलाज अधिक आसानी से किया जा सकेगा। भोपाल उत्सव मेला समिति ने सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय ट्रस्ट के अध्यक्ष संत सिद्ध भाऊजी को रोगियों के नेत्र परीक्षण हेतु एक स्लिट लैंप मशीन दान स्वरूप प्रदान की। यह पहल समिति द्वारा समाज कल्याण की दिशा में किए जा रहे महत्वपूर्ण प्रयासों में एक अहम कदम है। इस अवसर पर समिति के उपाध्यक्ष विजय अग्रवाल ने भी अपनी ओर से सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय को 2 लाख रुपये की राषि दान स्वरूप प्रदान की। कार्यक्रम में संत सिद्ध भाऊ ने इस पहल सराहना करते हुए कहा कि नेत्र ज्योति का वास्तविक महत्व तभी समझ में आता है जब मनुष्य अपनी दृष्टि खो देता है। उन्होंने कहा, आंखों के बिना जीवन अधूरा है, आंखे हैं तो जहान है। मेला समिति के अध्यक्ष मनमोहन अग्रवाल ने कहा कि संत सिद्ध भाऊजी का आगमन समिति के लिए गौरव की बात है। उन्होंने उपस्थितजन को मेला समिति की व्यवस्थाओं एवं सामाजिक गतिविधियों की जानकारियां दी। महामंत्री सुनील जैनाविन ने कहा कि सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय से जुड़ना समिति के लिए सौभाग्य की बात है।

उन्होंने बताया कि पहले समिति द्वारा एक मात्र मोतियाबिंद शिविर आयोजित किया जाता था, लेकिन संतजी के आशीर्वाद से अब भोपाल शहर में 18 स्थानों पर निःशुल्क शिविर आयोजित किए जाते हैं। जिससे बड़ी संख्या में लोग इस अंधत्व के त्रास से बच जाते हैं। जीव सेवा संस्थान के सचिव महेश दयारामानी ने कहा कि परमहंस संत हिरदाराम साहिब जी द्वारा संचालित विभिन्न सेवा प्रकल्पों से अब तक 45 लाख से अधिक लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाया गया है। अकेले सेवा सदन में विगत 38 वर्षों में 38 लाख से अधिक रोगियों के नेत्र जांच, उपचार और ऑपरेशन किए गए हैं।

उन्होंने जानकारी दी कि सेवा सदन शीघ्र ही एयरपोर्ट रोड स्थित अपने नए भवन में स्थानांतरित होने जा रहा है, जिससे भोपाल एवं आसपास के 10 जिलों की 1.89 करोड़ आबादी को बेहतर नेत्र सुरक्षा सेवाएं उपलब्ध होंगी। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्रीगणेश जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। मेला समिति द्वारा सिद्ध भाऊजी को शॉल एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर अध्यक्ष मनमोहन अग्रवाल, उपाध्यक्ष विजय अग्रवाल, राजेश जैन, चंद्रशेखर सोनी, महामंत्री सुनील जैनाविन, महामंत्री अजय सोगानी, कोषाध्यक्ष अशोक गुप्ता, सह-कोषाध्यक्ष महेश गुप्ता, सचिव अनुपम अग्रवाल, प्रदीप अग्रवाल, सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय के सचिव हीरो ज्ञानचंदानी, ट्रस्टी एसी साधवानी, तुलसीदास आडवानी, राजकुमार मूलचंदानी, तथा कार्यपालन अधिकारी पुरुषोत्तम माहेश्वरी, केएल लोहाना, डायरेक्टर कुशल धर्मानी, हॉस्पिटल एडमिनिस्टेऊ्टर अनुशा, तिवारी पाठक उपस्थित थे। सेवा सदन के डायरेक्टर कुशल धर्मानी ने इस नवीन मशीन की विशेषताओं से सभी उपस्थितजनों को अवगत कराया। कार्यक्रम का संचालन सुनील जैनाविन एवं आभार प्रदर्शन अजय सोगानी द्वारा किया गया।

संगीतमय भव्य रामकथा का आयोजन 8 से 14 दिसंबर तक

संत हिरदाराम नगर। कैलाश नगर स्थित साईं बाबा मंदिर में 8 से 14 दिसम्बर तक भव्य श्रीराम कथा का आयोजन किया गया है। समाज सेवी संजय वाधवा ने बताया कि इसके लिए जोरदार तैयारियां की जा रही हैं। कथा हर दिन दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक साईंबाबा मंदिर परिसर में होगी। 7 दिसम्बर को दोपहर एक बजे आकर्षक कलश यात्रा का आयोजन भी किया गया है जबकि 14 दिसम्बर को पूर्णाहुति कथा समापन्न एवं विशाल भंडारा होगा। संजय वाधवा ने बताया कि उत्तर प्रदेश के वृंदावन से पधारे पंडित अभिषेक कृष्ण शास्त्री जी कथा वाचक होंगे। आयोजन समिति के संरक्षक विधायक रामेश्वर शर्मा हैं, जबकिवार्ड दो की भाजपा पार्षद कुसुम चतुर्वेदी मुख्य व्यवस्था एवं डा. एके सिंह कार्यक्रम संयोजक हैं। सह संयोजक एमके सिहं, कार्यक्रम संयोजक पंडित गंगाराम भावर्ग के अतिरिक्त प्रमोद तिवारी, संजय वाधवा, रवि मीणा, देवेन्द्र गौर, देवांशु सेंगर व्यवस्था बनाए गए हैं। संजय वाधवा के अनुसार सोमवार 8 दिसम्बर को मंगलाचरण, 9 को नाम महिमा, 10 को नाद मोह शिव विवाह, 11 को श्रीराम जन्मोत्सव ?, 12 को लाड़का वद्य, अहिल्या उद्वार, 13 को वन गमन, केवट प्रसंग शबरी चरित्र एवं 14 के सुंदरकांड रावण वद्य व राज्याभिषेक का कार्यक्रम तय किया गया है।

कैलाश नगर साईं बाबा मंदिर में तैयारियां जारी

आयोजन समिति से जुड़े समाज सेवी कैलाश आसूदानी, शिखर बिल्डर्स के अलवा पियूष मिश्रा, विक्टर आसूदानी, डा. जसवीर कौर, डा. तृप्ति कौर, पियूष जैन सहित समिति के सभी सदस्यों ने आम जनता से इस आयोजन में शामिल होने की अपील की है।

अभिभावकों ने बस सुविधा और कैंटीन दोबारा शुरू करने का दिया सुझाव

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी कालेज में शिक्षक अभिभावक बैठक शनिवार को आयोजित की गई। बैठक कालेज प्राचार्य डॉ. शालिनी सक्सेना एवं शिक्षक अभिभावक समिति की संयोजक डॉ. कल्पना दवे के निर्देशन में की गई। इसमें स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं में अध्ययनरत विद्यार्थियों के अभिभावक उपस्थित थे। अभिभावक गण के साथ प्राचार्य तथा संबंधित शिक्षक अभिभावकों ने चर्चा की तथा उन्हें कालेज को और बेहतर बनाने के लिए सुझाव देने के लिए आमंत्रित किया गया। विद्यार्थियों द्वारा बस की सुविधा प्रदान करने एवं कालेज में कैंटीन को दोबारा से शुरू करने के सुझाव दिए गए। उन्होंने कालेज की अकादमिक तथा पाठ्यतर गतिविधियों के प्रति संतुष्टि जाहिर की तथा शैक्षणिक एवं अन्य गतिविधियों में सहयोग हेतु स्टाफ की सराहना की। बैठक की शुरुआत में बताया गया कि विद्यार्थियों की समस्याओं का त्वरित समाधान करना ही शिक्षक अभिभावक समिति का उद्देश्य है।

प्राचार्य सक्सेना ने अपने उद्बोधन में वर्तमान में विद्यार्थियों के मध्य गिरते हुए जीवन मूल्यों को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यार्थियों को अपने माता-पिता और गुरुजनों के प्रति आदर भाव रखना चाहिए और यह उनके आचरण में भी प्रदर्शित होना चाहिए। इस मौके पर कालेज के विकास का संकल्प लिया गया।

पार्षद हिंगोरानी ने 6 मंदिरों को भेंट की बैंच

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। भाजपा पार्षद राजेश हिंगोरानी ने मंदिरों में आने वाले भक्तों के लिए 1.50 लाख की लागत से 6 मंदिरों में बैंचें प्रदान की है। प्रत्येक बैंच पर तीन से चार व्यक्ति बैठक सकते हैं। इसका उन्होंने बेहटा गांव स्थित मंदिर से शुभारंभ किया। इस अवसर पर जिला भाजपा सचिव प्रवीण प्रेमचंदानी एवं भाजपा नेता आदासिंह सिसोदिया भी मौजूद थे। वार्ड 4 के पार्षद हिंगोरानी ने बताया कि वे अन्य वार्डो में भी वे जरूरत के हिसाब से विकास के काम करवा रहे हैं।

भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष अश्विनी परांजपे का हिरानिया निवास में जोरदार स्वागत

जागरण प्रतिनिधि ओबेदुल्लागंज। मध्यप्रदेश महिला मोर्चा की नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष अश्विनी परांजपे भाजपा नेता रामकिशोर शर्मा के निज निवास हिरानिया पहुंची इस दौरान भाजपा नेता अशोक शर्मा जयप्रकाश शर्मा योगेश तिवारी रामेश्वर नागर राम अग्रवाल डैनी साहू बाला सैनी अनिल अरोरा पूजा लोधी ने प्रथम नगर आगमन पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने अपने साथियों के साथ नवनियुक्त महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत किया। स्वागत समारोह अल्पाहार के पश्चात नव नियुक्त भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष राजधानी भोपाल के लिए रवाना हुई राजधानी भोपाल में उनका पदभार ग्रहण समारोह सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं ने नवनियुक्त अध्यक्ष को शुभकामनाएँ देते हुए संगठन को मजबूत तथा व्यापक बनाने हेतु अपने सहयोग का संकल्प व्यक्त किया।

नेशनल शेड्यूल्ड ट्राइब्स फाइनान्स एंड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (एनएसटीएफडीसी)
(भारत सरकार का उपक्रम – जनजातीय कार्य मंत्रालय के अधीन)
एनबीसीसी टॉवर, 15, एनबीसीसी टॉवर, पाँचवीं मंज़िल, हॉल नंबर 1, भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली – 110066
वेबसाइट: www.nstfdc.tribal.nic.in

निविदा सूचना

एनएसटीएफडीसी, सीएसआर परियोजनाओं के कार्यान्वयन हेतु कार्यान्वयन एजेंसी की नियुक्ति हेतु पात्र बोलीदाताओं से मुहरबंद बोलियाँ आमंत्रित करता है। सीएसआर निधि के अंतर्गत एनएसटीएफडीसी के लिए पूरे भारत में एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों (ईएमआरएस) में वॉटर प्यूरिफायर-सह-जल भंडारण-सह-वाटर कूलर, सीवेज उपचार संयंत्र (एसटीपी), डीजी सेट और एलईडी सोलर स्ट्रीट लाइट की स्थापना की जानी है।

विवरण इस प्रकार हैं:
निविदा दस्तावेज वेबसाइट **https://eprocure.gov.in/epublish/app** और एनएसटीएफडीसी वेबसाइट **https://nstfdc.tribal.gov.in/** से डाउनलोड किए जा सकते हैं।
बोली जमा करने की अंतिम तिथि **19 दिसंबर, 2025 शाम 5.30 बजे** तक है।

ह/-
(विकाश रंजन)
प्रबंधक (परियोजना एवं सीएसआर)
एनएसटीएफडीसी

स्वंय सेवकों ने की पुराने नेताओं से मुलाकात

आरएसएस ने शताब्दी वर्ष में कांग्रेसी नेता गुरूमुखदास खानचंदानी का किया स्वागत

संत हिरदाराम नगर। किसी जमाने में आरएसएस की शाखाओं में जाने वाले बाद में जनसंघ से मोहभंग होने के कारण पूर्व केन्द्रीय मंत्री अर्जुन सिंह से प्रभावित होकर कांग्रेस में प्रवेश करने वाले एवं पहली बार हुए भोपाल नगर निगम के चुनाव में जोन एक के चार वार्डो में सर्वाधिक मतों से चुनाव जीतने वाले वरिष्ठ नेता गुरूमुखदास खानचंदानी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर घर-घर जनसंपर्क के दौरान पुराने दौरान उनके मुलाकात की। इसके अलावा सिंधी साधु समाज से जुड़े महंत स्वामी तुलसीदास महाराज से मुलाकात की। आरएसएस के उपनगर प्रभारी बसंत चेलानी ने बताया कि इस संपर्क में एक करपत्र जिसमें संघ की स्थापना, व्यक्ति निर्माण की कार्य पद्धति, संघ कार्य का विस्तार, सेवा कार्य एवं विशेष रूप से पंच परिवर्तन की जो अवधारणा संघ ने समाज के समक्ष रखी है इन सभी विषयों की करपत्रक में जानकारी है, साथ में तीन पुस्तकों के माध्यम से संघ की अधिक जानकारी सभी को हो। आज संपर्क योजना के अंतर्गत संघ के बहुत ही पुराने स्वयंसेवक गुरमुख दास खानचंदानी जिन्होंने 1957 में संघ शिक्षा वर्ग जयपुर में किया था, संघ के द्वितीय सरसंघचालक श्री गुरुजी के बौद्धिक उन्होंने सुने थे। सुदर्शन जी के साथ भी उनके बहुत संस्मरण थे। 84 वर्ष की उम्र में भी उनको संघ के गीत कंठस्थ याद हैं। इसके अलावा संत तुलसीदास कल्तारी से भी संपर्क किया गया जो संघ के विचार अपने अनुयायियों तक पहुंचायेंगे। संपर्क टोली में कमल प्रेमचन्दानी, बसंत चेलानी, हरीश टहलरामानी, नरेश वासवानी, कन्हैया बिजलानी, राजू थावानी और रवि सतानी थे। संपर्क योजना 7 दिसंबर तक रहेगी। शताब्दी वर्ष में वर्षभर अनेक कार्यक्रम आयोजित होंगे । 20 दिसंबर से 10 जनवरी के बीच 10 हजार की बस्ती में हिंदू सम्मेलन पूरे देश में आयोजित किए जांएगे। विद्यार्थियों से भी संवाद किए जाएंगे और उनको संघ के की संपूर्ण जानकारी देते हुए संघ से जोड़ने का आवाह्न किया जाएगा। संघ के प्रति समाज का सकारात्मक भाव है और समाज को विश्वास है कि देश में आ रही चुनौतियों को का हल भी संघ ही कर सकता है।

तेज रफ्तार कार की टक्कर से घायल युवक की मौत

जागरण,भोपाल। निशातपुरा थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार कार की टक्कर से घायल युवक की मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 57 वर्षीय कुंदन सिंह मोती क्वार्टर्स, टीला में रहते थे। बुधवार रात करीब 11 बजे वह पैदल अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान करोंद स्थित साई अस्पताल के पास एक तेज रफ्तार कार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल कुंदन को निजी अस्पताल भर्ती कराया गया।

आम सूचना
(नाम परिवर्तन के संबंध में)
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है - कि मैं अभिनव सिंह परिहार पूर्व में मेरा नाम अभिनव परिहार पुत्र श्री ए.एस. परिहार था, परंतु अब मेरा नाम बदलकर अभिनव सिंह परिहार, पुत्र श्री ए.एस. परिहार हो गया है, जैसा कि मेरे आधार में अंकित है। अतः भविष्य में मुझे अभिनव सिंह परिहार के नाम से जाना पहचाना एवं पढ़ा जाए।
निवेदकः 205, महाराणा अपार्टमेंट, प्रेस कॉम्पलेक्स, एम.पी. नगर, जोन-1, हुजूर, शिक्षा मंडल, भोपाल, एम.पी.- 462011

नाम परिवर्तन हेतु जाहिर सूचना
सर्वसाधारण को सूचित होवे कि, मैं कु. विभा बघेल, पुत्री श्री राजेन्द्र सिंह बघेल, आयु-वयस्क, निवासी 237, कुंजन नगर, भोपाल, एतद् द्वारा घोषित करती हूँ कि, मैंने विवाह उपरांत अपना कुलनाम परिवर्तन कर अपना नाम श्रीमती विभा मिश्रा पत्नी श्री मनीष मिश्रा अंगीकार कर लिया है।
यह परिवर्तन शपथ पत्र क्रमांक CZ001539 के अनुसार नोटरी अधिवक्ता के समक्ष दिनांक 08.11.2025 को किया गया है। आज दिनांक से सभी शासकीय/अर्द्ध शासकीय दस्तावेजों एवं अन्य सभी प्रयोजनों के लिए मुझे श्रीमती विभा मिश्रा के नाम से जाना जावेगा।
श्रीमती विभा मिश्रा
(पुराना नाम-विभा बघेल)
मो. 7566844010

नाम परिवर्तन सूचना
मैं हुमा खान पत्नि आरिफ रजा खान आयु-42 वर्ष निवासी 141-बी सेक्टर हजरत निजामुद्दीन कॉलोनी तहसील हुजूर भोपाल मप्र यह प्रमाणित करती हूं कि मेरी शादी के पूर्व का नाम हुमा खान गौरी पुत्री शब्बीर अहमद खान गौरी था तथा मेरी जन्म तिथि 08-02-1983 है। 04-09-2011 को आरिफ रजा खान आत्मज मसरूर अहमद खान निवासी 141-बी सेक्टर हजरत निजामुद्दीन कॉलोनी तहसील हुजूर भोपाल के साथ विवाह संपन्न हुआ। शादी के बाद मेरा नाम हुमा खान पत्नि आरिफ रजा खान हो गया। मैं इसी नाम से जानी-पहचानी जाती हूं। यह नाम परिवर्तित शपथ पत्र संख्या-CA019244 के अनुसार किया गया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचान जाए।

परिशिष्ट B- संख्यांक 13
जिला एवं सत्र न्यायालय, भोपाल
मैक ट्रिब्यूनल, भोपाल
(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अंतर्गत प्रकाशन हेतु)
ई एक्स ए/38/2018
सुरेश लाहोटी
बनाम
राजेन्द्र कुमार पुसपुल
प्रेषिती- NEXT DATE : 06-01-2026
पुष्पा पुसपुल
पता - ई-4/ 247, अरेरा कॉलोनी, भोपाल म.प्र.।
यह कि प्रार्थी सुरेश लाहोटी ने आपके विरूद्ध ई एक्स ए/38/2018 के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात / हाजिर होने के लिये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें।
आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें
यह आज तारीख 20-11-2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।
दीपक बंसल
सप्तम जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश भोपाल (म.प्र.)

परिशिष्ट B- संख्यांक 13
जिला एवं सत्र न्यायालय, भोपाल
मैक ट्रिब्यूनल, भोपाल
(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अंतर्गत प्रकाशन हेतु)
ई एक्स ए/38/2018
सुरेश लाहोटी
बनाम
राजेन्द्र कुमार पुसपुल
प्रेषिती- NEXT DATE : 06-01-2026
वैभवी
पता - ई-4/ 247, अरेरा कॉलोनी, भोपाल म.प्र.।
यह कि प्रार्थी सुरेश लाहोटी ने आपके विरूद्ध ई एक्स ए/38/2018 के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात / हाजिर होने के लिये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें।
आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें
यह आज तारीख 25-11-2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।
दीपक बंसल
सप्तम जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश भोपाल (म.प्र.)

परिशिष्ट B- संख्यांक 13
जिला एवं सत्र न्यायालय, भोपाल
मैक ट्रिब्यूनल, भोपाल
(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अंतर्गत प्रकाशन हेतु)
ई एक्स ए/38/2018
सुरेश लाहोटी
बनाम
राजेन्द्र कुमार पुसपुल
प्रेषिती- NEXT DATE : 06-01-2026
दीपाली
पता - ई-4/ 247, अरेरा कॉलोनी, भोपाल म.प्र.।
यह कि प्रार्थी सुरेश लाहोटी ने आपके विरूद्ध ई एक्स ए/38/2018 के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात / हाजिर होने के लिये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें।
आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें
यह आज तारीख 20-11-2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।
दीपक बंसल
सप्तम जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश भोपाल (म.प्र.)

परिशिष्ट B- संख्यांक 13
जिला एवं सत्र न्यायालय, भोपाल
मैक ट्रिब्यूनल, भोपाल
(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अंतर्गत प्रकाशन हेतु)
ई एक्स ए/38/2018
सुरेश लाहोटी
बनाम
राजेन्द्र कुमार पुसपुल
प्रेषिती- NEXT DATE : 06-01-2026
हरीश कुमार
चूहडमल वाधवानी
पता - डी-23,/249, बैरागढ़, भोपाल म.प्र.।
यह कि प्रार्थी सुरेश लाहोटी ने आपके विरूद्ध ई एक्स ए/38/2018 के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात / हाजिर होने के लिये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें।
आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें
यह आज तारीख 20-11-2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।
दीपक बंसल
सप्तम जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश भोपाल (म.प्र.)

परिशिष्ट B- संख्यांक 13
जिला एवं सत्र न्यायालय, भोपाल
मैक ट्रिब्यूनल, भोपाल
(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अंतर्गत प्रकाशन हेतु)
ई एक्स ए/38/2018
सुरेश लाहोटी
बनाम
राजेन्द्र कुमार पुसपुल
प्रेषिती- NEXT DATE : 06-01-2026
विनोद अग्रवाल
रामभरोसे अग्रवाल
पता - 65 दैनिक आलोक प्रेस के पास, चौकी तलैया रोड, भोपाल म.प्र.।
यह कि प्रार्थी सुरेश लाहोटी ने आपके विरूद्ध ई एक्स ए/38/2018 के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात / हाजिर होने के लिये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें।
आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें
यह आज तारीख 25-11-2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।
दीपक बंसल
सप्तम जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश भोपाल (म.प्र.)

SUDOKU 80

		5	9	2		7	6	
2								4
	4						8	
4		9	2	3				6
				5				
3				8	7	4		2
	7						1	
1								7
	9	2		7	8	3		

SOLUTIONS 79

2	1	9	4	3	6	8	7	5
3	7	8	2	9	5	6	4	1
5	4	6	7	1	8	9	2	3
8	5	7	6	2	1	3	9	4
1	3	2	9	7	4	5	6	8
9	6	4	5	8	3	7	1	2
7	9	1	3	5	2	4	8	6
6	2	5	8	4	9	1	3	7
4	8	3	1	6	7	2	5	9

Rules : The 3x3 sub-grids are called regions. Number already filled in the grid are called givens. The goal of the player is to fill the blank grids of every row, every column and every 3x3 box with the numbers 1,2,3,4,5,6,7,8,9 However, All rows, colums and regions (3x3) should contain numbers 1 to 9 without repeating.

राशिफल

मेष : आज आपके लिए ऊर्जा और गति का दिन है। जिन कामों को लेकर आप पिछले कुछ दिनों से परेशान थे, उनमें अब सुधार दिखेगा। कार्यस्थल पर आपकी बात सुनी जाएगी।

वृषभ : आज घर-परिवार में शांति और जुड़ाव महसूस होगा। कोई पुरानी गलतफहमी दूर हो सकती है। काम में स्थिरता बनी रहेगी।

मिथुन : दिन भागदौड़ वाला है लेकिन आपकी मेहनत बेकार नहीं जाएगी। किसी यात्रा या मीटिंग का योग बन सकता है, नए लोगों से संपर्क बनेंगे।

कर्क : आज आपका मन पहले से ज्यादा भावुक रहेगा। किसी बात को लेकर दिल में हल्की बेचैनी हो सकती है लेकिन परिवार आपको संभालेगा। काम में थोड़ा धीमापन रहेगा।

सिंह : आज काम में आपकी मेहनत और क्षमता दोनों चमकेंगी। बॉस या वरिष्ठ आपकी तारीफ कर सकते हैं। किसी नए मौके की शुरुआत भी हो सकती है। सेहत ध्यान देने की जरूरत है।

कन्या : आज करियर में प्रगति दिखेगी। आपकी मेहनत से लोग प्रभावित होंगे और कोई नया अवसर हाथ लग सकता है। सेहत सामान्य रहेगी

तुला : आपके लिए आज का दिन भागदौड़ भरा लेकिन फायदेमंद रहेगा। कामों की लिस्ट लंबी रहेगी पर आप सब कुछ समय पर पूरा कर लेंगे। रुका हुआ पैसा मिलने की संभावना है।

वृश्चिक : आज का दिन प्लानिंग और स्ट्रेटजी बनाने के लिए बेहतर है। कोई बड़ा फैसला आप आज ले सकते हैं और परिस्थितियां भी आपके पक्ष में रहेंगी। सेहत ठीक रहेगी।

धनु : आज वित्तीय मामले थोड़े उलझ सकते हैं इसलिए सोच-समझकर खर्च करें। रिश्तों में सुधार होगा। प्रतिष्ठा और मान-सम्मान बढ़ेगा।

मकर : आज आपका आत्म विश्वास पहले से मजबूत रहेगा और आप बड़े फैसले भी ले पाएंगे। रिश्तों में भावनात्मक जुड़ाव बढ़ेगा।

कुंभ : खर्चों में अचानक वृद्धि हो सकती है इसलिए पैसे का संतुलन बनाए रखना जरूरी है। काम में सामान्य गति रहेगी- न बहुत तेज, न बहुत धीमी।

मीन : आज कार्यस्थल पर अच्छा सपोर्ट मिलेगा। किसी मुश्किल काम का समाधान मिल जाएगा और तनाव कम होगा। घर के किसी सदस्य से खुशी या सरप्राइज मिल सकता है।

आज का पंचांगः 07 दिसंबर रविवार 2025। **दिशाशूल :** पश्चिम। **पर्व एवं त्योहार :** गणेश चतुर्थी व्रत। **विशेष :** मंगल मूल नक्षत्र धनु राशि में। **भद्रा :** प्रातः 07:56 बजे से सायं 06: 26 बजे तक। हेमंत ऋतु पौष मास कृष्ण पक्ष की तृतीया 18 घंटे 26 मिनट तक तत्पश्चात चतुर्थी,पुनर्वसु नक्षत्र 28 घंटे 12 मिनट तक तत्पश्चात पुष्य नक्षत्र, शुक्ल योग 20 घंटे 08 मिनट तक तत्पश्चात ब्रह्म योग, मिथुन में चंद्रमा 22 घंटे 39 मिनट तक तत्पश्चात कर्क में।

इंटरनेट पर धूम मचाने के लिए वास्तव में कितने फूल लगते हैं? इसका जवाब है 10 लाख फूलों के गुच्छे...। जी हां, अरबपति वारिस नेत्रा मंटेना और टेक एंटरप्रेन्योर वामसी गदिराजू की हाल में हुई शादी एक बड़ी भव्य भारतीय शादी के टेम्पलेट को बढ़ाने वाला आयोजन रहा। शादी के वेन्यू की सजावट ने समारोह को किसी फिल्म के सेट की तरह भव्य रूप प्रदान किया। इस आलीशान सजावट में 10 लाख फूल उपयोग किए गए।

10 लाख फूलों से सजा नेत्रा मंटेना की शादी का वेन्यू

■ रविशा मारू ■

कुछ शादियां ट्रेंड में रहती हैं और कुछ शादियां ऐसी होती हैं जो चर्चा का विषय बन जाती हैं। फिर कुछ शादियां ऐसी भी होती हैं जहां हर छोटी-छोटी बात इतनी शानदार, इतनी भव्य होती है कि पूरा इंटरनेट उसमें शामिल होना चाहता है। अरबपति वारिस नेत्रा मंटेना और टेक एंटरप्रेन्योर वामसी गदिराजू की हाल में हुई शादी, एक आलीशान भव्य भारतीय शादी के टेम्पलेट को बढ़ाने वाली नई शादी है, जिसमें जेनिफर लोपेज की परफॉर्मेंस, बड़े मल्टी-टियर केक और स्टेज पर बॉलीवुड ए-लिस्टर्स की परेड को लेकर इंस्टाग्राम पर जोरदार चर्चा हुई। इन सबके बीच, वेन्यू की सजावट ने समारोह को फिल्म के सेट के समान बैकग्राउंड प्रदान किया।

नेत्रा और वामसी की शादी की सजावट के फूलों का गणित बताते हुए इंटरफ्लोरा इंडिया की संस्थापक अनुजा जोशी कहती हैं- फूलों के सैम्पल अकेले दुल्हन के साथ तीन राउंड में तय किए गए थे। नेत्रा को ठीक-ठीक पता था कि उसे क्या चाहिए। नेत्रा भारतीय संस्कृति की पवित्रता का सम्मान फूलों से करना चाहती थीं। फिर उन्हें विशिष्ट यूरोपीय तरीके से स्टाइल किया जाना था। इस सजावट में कोई गुलदाउदी नहीं, कोई कार्नेशन नहीं, कोई डेज़ी नहीं और कोई भी विशिष्ट भराव फूल नहीं लिए गए। रानुंक्युलु हर कार्यक्रम में शामिल थे क्योंकि नेत्रा उन्हें पसंद करती हैं।

नवरत्नों की थीम पर हुई शादी

'नवरत्न' (नौ कॉस्मिक रत्न जिनके बारे में माना जाता है कि वे जीवन की नई शुरुआत में तालमेल बिठाने के लिए आशीर्वाद देते हैं) से प्रेरित होकर, शादी अलग-अलग शानदार जगहों पर छह इवेंट्स में हुई, जहाँ हमने हर इवेंट को अपना हीरो फूल दिया जो दुल्हन की पसंद के हिसाब से था।

हर कार्यक्रम की सजावट अलग फूलों से

वेलकम डिनर में बरगंडी हाइड्रेंजिया के फूलों का इस्तेमाल किया गया, जबकि हल्दी के लिए पीच और ऑरेंज फ्रूट से प्रेरित पैलेट को बोगनविलिया कैनोपी के सामने सजाया गया था। मेहंदी की सजावट सर्क डू सोलेल से प्रेरित थी, जो कपल की शुरुआती डेट्स की याद दिलाती थी, जिसमें गहरे बैंगनी रंग के एलियम फूलों ने सेलिब्रेशन को सपनों जैसा बना दिया था। बॉलीवुड-मीट-ओपेरा संगीत गुलाबी मोनोक्रोम में बदल गया, जिसमें फेलेनोप्सिस और पियोनी शोस्टॉपर थे। शादी की सेरेमनी में सफेद हाइड्रेंजिया के फूल खिले, जबकि रिसेप्शन में सफेद फेलेनोप्सिस के धवल बादलों के साथ जश्न खत्म हुआ।

शादी से एक शाम पहले आए फूल

जोशी याद करती हैं- सजावट के लाखों फूल जो शादी से तीन दिन पहले आने थे, वे शादी से एक शाम पहले शाम 5 बजे वेन्यू पर पहुँचे। क्योंकि यह जगमंदिर आइलैंड पैलेस था, इसलिए उन्हें पानी के रास्ते ही लाया जा सका। सुबह-सुबह शादी का सेटअप रिकॉर्ड टाइम में करने के लिए नावों में सामान लादकर और आधी रात को दौड़ लगाकर तैयारी करनी पड़ी। सिर्फ़ फूलों को स्टोर करने के लिए 15,000 फिट का कोल्ड रूम बनाने की अपनी लॉजिस्टिकल बैले थी।

महल की दीवारों में बनाए हरे झरने

इंटरफ्लोरा टीम ने मेहंदी फंक्शन के लिए सिटी पैलेस के मानेक चौक पर गेस्ट वॉकवे को ऊंचा करने के लिए महल की दीवारों को पहले कभी न देखे गए हरे झरनों और बैंगनी डेल्फीनियम से सजाया। जगमंदिर आइलैंड पैलेस में बीच के गुंबद को मंडप के रूप में फिर से बनाया गया, जो पारंपरिक दक्षिण भारतीय फूलों से सजे झील के बीच में एक मंदिर जैसा दिखता था। बैकग्राउंड में फूलों से बना श्री यंत्र (हिंदू परंपरा का एक ज्योमेट्रिक सिंबल) था, जिसने उस जगह को आध्यात्मिक गूंज में बदल दिया। जोशी कहती हैं- शानदार शादियों के देश में, एक भारतीय शादी को वायरल बनाने के लिए कुछ बहुत ही अनोखा करने की उम्मीद की जाती है, लेकिन इंटरफ्लोरा टीम लाइक्स और कमेंट्स के पीछे भागकर काम नहीं करती। टीम उन यादों को आकार देने के लिए काम करती है जो खुशी देती हैं और शादी खत्म होने के लंबे समय बाद भी फैमिली एल्बम में रहती हैं...।

भारतीय सिनेमा का टर्निंग पॉइंट 'महावतार नरसिम्हा' की सफलता

अब तक कार्टून की तरह पहचाने जाने वाली एनिमेशन फिल्मों का पौराणिक कथाओं के साथ मेल, बच्चों के अलावा बड़ों और परिवारों को भी आकर्षित कर रहा है, साथ ही युवाओं और बच्चों देश की सांस्कृतिक पहचान से जोड़ रहा है। थिएटर मालिकों का कहना है कि एनिमेशन फिल्में पौराणिक फिल्में बनाने वालों को भी लाइव-एक्शन फिल्मों से होने वाले नुकसान से बचाती है, जो असलीपन बनाए रखने के लिए ज़्यादा स्टार फीस, कॉस्ट्यूम और भव्य प्रोडक्शन की वजह से उठाना पड़ता है। दरअसल स्टूडियोज़ के पास अब वर्ल्ड-क्लास टेक्नॉलॉजी और मज़बूत क्रिएटिव टीमें हैं, जो एनीमेशन फिल्मों की सफलता में बड़ी भूमिका रखते हैं। एनिमेशन फिल्मों ने 2017 में बॉक्स ऑफिस पर 2 करोड़ से ज़्यादा की कमाई की थी। 'महावतार नरसिम्हा' को केजीएफ जैसी हिट फिल्में बनाने वाले होम्बले ई स्टूडियो ने पेश किया है। इसकी दर्शक संख्या खासकर छोटे शहरों में बढ़ी है, निर्माताओं ने सिनेमाघरों में विज्ञापन देने के लिए मल्टीप्लेक्स चेन के साथ भी साझेदारी की है। ओमर सिने सेंस की 2023 की रिपोर्ट के अनुसार, टॉप फाइव बड़े जॉनर में माइथोलॉजी शामिल है, जो थिएटर्स में हिंदी दर्शकों को लाने में सफल है। इसे देखते हुए ही 'महावतार नरसिम्हा' के मेकर्स ने 'हनुमान' और 'जय संतोषी मां' के नाम से मल्टी-पार्ट एनिमेटेड फ्रेंचाइज़ी की घोषणा की है।

एनिमेशन एक्सपोज़र की पसंद बदल रही है क्योंकि ग्लोबल लेवल पर इसकी लोकप्रियता बढ़ रही है और मेनस्ट्रीम में इसकी स्वीकार्यता बढ़ रही है। एक एनिमेटेड पौराणिक महाकाव्य 'महावतार नरसिम्हा' की सफलता ने नए रिकॉर्ड कायम कर दिए हैं। देश में एनिमेशन फिल्मों के खराब थिएटर परफॉर्मेंस के लंबे इतिहास को देखते हुए यह फिल्म एक टर्निंग पॉइंट साबित हुई है। इस साल जुलाई में बिना प्रमोशन या मार्केटिंग के रिलीज हुई 'महावतार नरसिम्हा' ने रु 300 करोड़ कमाए।

एक क्रिएटिव बदलाव

- मॉडर्न एनिमेशन के जरिए माइथोलॉजी को प्रस्तुत करना एक क्रिएटिव बदलाव है। भारतीय फिल्ममेकर्स युवाओं और बच्चों को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने के लिए एनीमेशन का सहारा ले रहे हैं। पीवीआर के सीईओ गौतम दत्ता कहते हैं- माइथोलॉजी के इमोशनल जुड़ाव और एनिमेटेड फिल्मों की बढ़ती स्वीकार्यता को देखते हुए, इस प्रयोग की थिएटर में सफलता की बहुत संभावना है।
- **दत्ता आगे कहते हैं-** महावतार नर-सिम्हा ने पूरे भारत में लगभग 300 करोड़ रु कमाए, जो अब तक की सबसे ज़्यादा कमाई करने वाली एनिमेटेड फिल्म बन गई। स्पष्ट है कि इसकी सफलता ने कई फिल्ममेकर्स को इस जॉनर के साथ एक्सपेरिमेंट करने के लिए प्रेरित किया है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि जो रुकावटें कभी इंडियन एनिमेशन फिल्मों को रोकती थीं, वे अब खत्म हो गई हैं। स्टूडियो अब एआई-असिस्टेड पाइपलाइन, वर्ल्ड-क्लास टेक और मज़बूत क्रिएटिव टीमों का दावा करते हैं जो ग्लोबल-क्वालिटी स्तर का काम कर रही हैं।
- मौजूदा दौर में सिनेप्लेक्स भी एनिमेटेड फिल्मों को लाइव-एक्शन फिल्मों जैसा ही प्रीमियम ट्रीटमेंट दे रहे हैं, जिसमें आई मैक्स, आईसीई और 4डीएक्स इस शानदार बदलाव को और आगे बढ़ा रहे हैं।
- मल्टीप्लेक्स चलाने वाली कंपनी मिराज एंटरटेनमेंट लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर भुवनेश मेंदिरत्ता ने कहा कि भारत में एनिमेशन को अक्सर मुख्य रूप से बच्चों का कंटेंट माना जाता था। आज ऑडियंस स्पाइडर-वर्स से लेकर जापानी एनीमे तक ग्लोबल एनिमेशन देख रही है और कहानी कहने के इस नए स्टाइल को पसंद कर रही है। टेक्निकली भी, हम बहुत आगे आ गए हैं।

विराट की पसंद- डिवाइन परफ्यूम

विराट कोहली का क्रीड वाइकिंग और क्रीड एरोल्फा फ्रेगरेंस का चुनाव उनके बोल्ड, रिफाइंड व्यक्तित्व को दर्शाता है। डिटेलिंग पर सूक्ष्म ध्यान देने के लिए जाने जाने वाले विराट के द्वारा इन खुशबूओं का चुना जाना क्रिकेट के मैदान पर उनकी ताकत और उसके बाहर उनके परिष्कृत व्यवहार का प्रतीक हैं, जो स्ट्रांगनेस और माधुर्य के बीच उनके संतुलन को दर्शाता है। विराट कोहली सिर्फ एक क्रिकेट स्टार से कहीं अधिक हैं; वह एक ग्लोबल आइकॉन हैं जो अपने डिसिप्लिन, कॉन्फिडेंस और शानदार स्टाइल के लिए जाने जाते हैं। चाहे मैदान पर हों या बाहर, वह सोफिस्टिकेशन का माहौल बनाते हैं, और उनकी सिग्नेचर प्रेजेंस का एक अहम हिस्सा उनकी परफ्यूम की चॉइस है। डिटेल पर ध्यान देने के लिए जाने जाने वाले कोहली के परफ्यूम का सिलेक्शन उनकी पर्सनैलिटी, बोल्ड, फ्रेश और रिफाइंड को दिखाता है।

उनके पसंदीदा में क्रीड वाइकिंग और क्रीड एरोल्फा हैं, ये दो अलग-अलग सेंट हैं जो उनके कैरेक्टर के अलग-अलग पहलुओं को पूरी तरह से दिखाते हैं। ये परफ्यूम सिर्फ अच्छी महक के बारे में नहीं हैं; ये उनकी पर्सनैलिटी का एक एक्सटेंशन हैं - जो लीडरशिप, एम्बिशन और एफर्टलेस चार्म से डिफाइन होती है। परफ्यूम की बोतलें विराट के होटल रूम के एक वीडियो में भी दिखाई दी थीं जो दो साल पहले लीक हुआ था।

विराट अपनी जिंदगी के हर पहलू को उसी लेवल के पैशन के साथ करते हैं, जिसमें उनकी ग्रूमिंग चॉइस भी शामिल है।

डायनैमिक पर्सनैलिटी से मेल खाने वाली खुशबू क्रीड वाइकिंग : यह एक ऐसी खुशबू है जो ताकत और पक्के इरादे को दिखाती है। इसके फ्रेश सिट्रस नोट्स, तीखी गुलाबी काली मिर्च और गर्म वुडी अंडरटोन के साथ, यह कोहली के गेम के प्रति अग्रेसिव लेकिन सोचे-समझे अप्रोच से मेल खाता है। जैसे वह अपनी परफॉर्मेंस से ध्यान खींचते हैं, वैसे ही यह खुशबू एक गहरी छाप छोड़ती है, मज़बूत, कॉन्फिडेंट और बिना रुके चलने वाली।

सोफिस्टिकेटेड और बैलेंस्ड साइड : कोहली का एक शांत और रिफाइंड साइड भी है। उनमें आसानी से सोफिस्टिकेशन का एहसास होता है। उनका यह पहलू क्रीड एरोल्फा में सबसे अच्छे से दिखता है, जो मेडिटेरेनियन से प्रेरित एक ताज़ा और खुशनुमा खुशबू है।

मशहूर हॉलीवुड पॉप सिंगर टेलर स्विफ्ट की सगाई की अंगूठी ने फैशन की दुनिया में धूम मचा दी है। इस अंगूठी में जड़े हीरे की प्राप्ति संभवत: भारत की गोलकुंडा खदानों से होना बताई जा रही है। टेलर स्विफ्ट की सगाई की अंगूठी एक विक्टोरियन कृति है। इंटरनेशनल पॉप सिंगर टेलर स्विफ्ट द्वारा इस हीरे की अंगूठी को पसंद किया जाना, पुराने खदानों में काटे गए हीरों के प्रति उच्च वर्ग के आकर्षण को उजागर करता है।

भारत की गोलकुंडा खदानों से निकाला गया हो सकता है...

टेलर स्विफ्ट की अंगूठी का हीरा

एनएफएल स्टार ट्रैविस केल्सी के साथ टेलर स्विफ्ट की सगाई ने भले ही इंस्टाग्राम पर धूम मचा दी हो, लेकिन एक फैशन इतिहासकार के लिए, इस कहानी में असली आकर्षण इस अंगूठी की वजह से ही है। जी हाँ, यह बेहद खूबसूरत है। किंड्रेड ल्यूबेक द्वारा डिजाइन किया गया एक पुराना खदान-कट हीरा, जो सोने के बेजल में जड़ा है। लेकिन दिलचस्प बात यह है, इसकी चमकदार वंशावली भारत की प्रसिद्ध गोलकुंडा खदानों से जुड़ी हो सकती है। आभूषण उद्योग के जानकारों का अनुमान है कि टेलर की अंगूठी 10-15 कैरेट के बीच है, जो पीले सोने में जड़ित है और इसकी कीमत 550,000 डॉलर (रु 4.85 करोड़) से शुरू होती है। क्या टेलर स्विफ्ट की सगाई की अंगूठी पुराने खदान-कट हीरों का चलन शुरू करेगी? शीर्षक से एक लेख वायरल होते ही फ़ैशन जगत में हलचल मच गई। फिर अगले दिन द जुगर्नॉट ने गहन खोजबीन की, जिसमें प्राचीन हीरों और भारत तथा ब्राजील में उनके ऐतिहासिक मूल के बीच के संबंधों पर रोशनी डाली गई। जो दक्षिण अफ्रीका के हीरों के क्षेत्र में अग्रणी बनने से बहुत पहले की बात है।

पुराने माइन कट का आकर्षण : टेलर की अंगूठी को सबसे अलग बनाता है उसका पुराना माइन कट, एक ऐसी शैली जो 18वीं और 19वीं शताब्दी की है, जब हीरे मशीन से नहीं, बल्कि हाथ से काटे जाते थे। हर पहलू को मोमबत्ती की रोशनी में चमकने के लिए आकार दिया गया था, जिससे पत्थर को एक गर्मजोशी और रोमांटिक चमक मिलती थी जिसकी नकल आधुनिक कट नहीं कर सकते। आभूषण विशेषज्ञ सूजी साल्ट्ज़मैन बताती हैं कि इन रत्नों में अक्सर एक खुला कलेट होता है, जो नीचे की तरफ एक छोटा सा पहलू होता है जो अप्रशिक्षित आँखों को एक छेद जैसा लगता है, लेकिन यह असली प्राचीन शिल्प कौशल का प्रतीक है।

गोलकुंडा- जहाँ दुनिया के सबसे प्रसिद्ध हीरे पाए गए

- सदियों से भारत हीरा व्यापार का धड़कता हुआ केंद्र रहा है। पिछले 2,000 वर्षों में गोलकुंडा की खदानें, जो अब आंध्र प्रदेश में स्थित है, 1.2 करोड़ कैरेट से ज़्यादा हीरा उत्पादित करती रहीं। इन खदानों ने कोहिनूर, रीजेंट, होप डायमंड जैसी कई किंवदंतियाँ जन्मीं, जो राजसी ठाठ-बाट, मिथक से ओतप्रोत थीं। दक्षिण अफ्रीका में व्यावसायिक हीरा खनन शुरू होने से पहले, दुनिया का हर हीरा केवल दो देशों, भारत और ब्राजील से आता था।
- अर्थशास्त्री उत्सा पटनायक ने एक बार अनुमान लगाया था कि ब्रिटेन ने भारत से 45 ट्रिलियन डॉलर तक की लूट की थी। लूटे गए खजानों में कई बेशकीमती हीरे शामिल थे, जिनमें से कुछ अब पश्चिमी संग्रहालयों में रखे हैं, तो कुछ नए स्थानों पर मशहूर हस्तियों की शोभा बढ़ा रहे हैं। आज के बाजार में, प्राकृतिक पुराने माइन-कट हीरे दुर्लभ हैं।
- इस हीरे कहानी लगभग काव्यात्मक है, जो सदियों पहले गोलकुंडा में खनन किया गया था, ब्रिटिश राज के दौरान चुराया गया था और 2025 में दुनिया के सबसे बड़े पॉप सितारों में से एक के हाथ में फिर से दिखाई देता है। यह याद दिलाता है कि रत्नों में इतिहास छिपा होता है - कभी-कभी गहरा, अक्सर रोमांटिक, हमेशा आकर्षक।

फोकस सबसे तेज अर्थव्यवस्थाओं में शामिल, फिर भी रुपया दबाव में?

■ अयाज मेनन ■

पिछले वित्तीय वर्ष में डॉलर के मुकाबले रुपए का निचला स्तर 84.22 रुपये प्रति डॉलर था, जबकि पांच साल पहले जनवरी 2021 में रुपया डॉलर के मुकाबले 72 रुपए प्रति डॉलर के आसपास था। पिछले पाँच साल से अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया लगातार गिर रहा है जबकि इस दौरान भारत की अर्थव्यवस्था की विकास दर ठीक-ठाक और दुनिया के कई देशों के मुकाबले बेहतर रही है।

पिछले दिनों जब भारत ने साल 2030 में अपना अनुमानित सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 7.3 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर बताया, तो अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने भारत की जीडीपी और नेशनल अकाउंट्स यानी आंकड़ों को 'सी' रेटिंग देकर भारतीय आंकड़ों की गुणवत्ता पर ही सवाल उठा दिए।

बता दें कि आईएमएफ चार श्रेणियों में डेटा को विभाजित करता है। सी ग्रेड का मतलब है कि डेटा में कुछ कमियाँ हैं, जो निगरानी की प्रक्रिया को कुछ हद तक प्रभावित करती हैं। 26 नवंबर को जारी एक रिपोर्ट में आईएमएफ ने भारत को %सी ग्रेड% दिया। विश्लेषक इसे लेकर हैरान भी हैं कि 8.2 प्रतिशत की विकास दर का आँकड़ा आने के बाद भी शेयर बाजार में वो गर्मजोशी नहीं दिखाई दी, जिसकी उम्मीद की जा रही थी। वहीं रुपए में कमजोरी का दौर जारी रहा।

भारत सरकार ने हाल ही में बताया है कि वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में भारत की वास्तविक जीडीपी दर 8.2 प्रतिशत रही है। एक तरफ भारत के आर्थिक विकास के ये आंकड़े हैं और दूसरी तरफ भारतीय रुपये में लगातार गिरावट जारी है। एक अमेरिकी डॉलर का भाव तकरीबन 90 रुपए पहुँचने ही वाला है। अर्थशास्त्रियों का मानना है कि रुपए का कमजोर होना दर्शा रहा है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय अर्थव्यवस्था की साख कमजोर हो रही है।

रुपए में गिरावट का क्या असर?

वित्त वर्ष 2025-26 में भारतीय रुपया डॉलर के मुकाबले 6.19 प्रतिशत गिर चुका है, जबकि पिछले एक महीने में ही यह गिरावट 1.35 प्रतिशत की रही है। हाल के दिनों में रुपए में डॉलर के मुकाबले सबसे तेज गिरावट आई है। इस लिहाज से रुपया एशिया की सबसे कमजोर मुद्रा बन गया है। जेएनयू में अर्थशास्त्र के प्रोफेसर अरुण कुमार का मानना है कि रुपए का कमजोर होना दर्शा रहा है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय अर्थव्यवस्था की साख कमजोर हो रही है। व्यापार घाटा, विदेशी निवेश का बाहर जाना (आंकड़ों के मुताबिक 16 अरब डॉलर से अधिक का इक्विटी आउटफ्लो) और अमेरिका-भारत व्यापार समझौते में देरी इसके कारण हैं। प्रोफेसर अरुण कुमार कहते हैं, रुपए की गिरावट भारत की अंतरराष्ट्रीय साख और आर्थिक स्थिति का संकेत है, जो निर्यात-आयात, पूँजी प्रवाह और अमेरिकी टैरिफ से प्रभावित होती है। ट्रंप के ऊंचे टैरिफ ने हमारे निर्यात को नुकसान पहुँचाया है, जिससे करंट अकाउंट ख़राब हो रहा है और एफडीआई बाहर जा रहा है। ये सब मिलकर रुपए को कमजोर कर देते हैं।

एक सकारात्मक संकेत

यामिनी अग्रवाल 8.2 प्रतिशत विकास दर के आँकड़े को भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक सकारात्मक संकेत मानती हैं। प्रोफेसर अग्रवाल कहती हैं, जीडीपी वृद्धि सभी आर्थिक संकेतकों को दर्शाती है कि भारत की अर्थव्यवस्था अच्छा प्रदर्शन कर रही है। जीएसटी दरों में कमी ने इस तिमाही में सीधा सकारात्मक असर डाला। हालाँकि, निम्न मुद्रास्फीति चिंताजनक है। जीएसटी और कीमतों में गिरावट से डिफ़्लेशन की स्थिति बन रही है, जिस पर सरकार को ध्यान देना चाहिए। वास्तविक जीडीपी में बढ़ोतरी उत्साहवर्धक है लेकिन महंगाई में गिरावट की वजह से नाममात्र जीडीपी में मामूली बढ़ोतरी के कुछ नकारात्मक प्रभाव भी हो सकते हैं।

जीडीपी विकास दर बेहतर संकेत?

भारत की अर्थव्यवस्था ने वित्तीय वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में वास्तविक जीडीपी ग्रोथ 8.2 फीसद दर्ज की, जो अपेक्षाओं से कहीं अधिक रही। इस मायने में भी कि पिछले साल इसी तिमाही में जीडीपी ग्रोथ का आंकड़ा 5.6 फीसद था। ये पिछले छह महीने में विकास की सबसे तेज रफ़्तार है। हालांकि, इसी दौरान नॉमिनल जीडीपी दर 8.7 प्रतिशत रही। वास्तविक जीडीपी दर और नॉमिनल जीडीपी दर के बीच साल 2020 के बाद से यह सबसे कम अंतर है। क्रिसिल (क्रेडिट रेटिंग इंफॉर्मेशन सर्विसेज ऑफ इंडिया लिमिटेड) के मुख्य अर्थशास्त्री डीके जोशी कहते हैं, भारत की विकास दर दूसरी तिमाही में 8.2 प्रतिशत रही जो उम्मीद से काफी बेहतर है। इसका मुख्य कारण निजी उपभोग का बढ़ना रहा है। खाद्य महंगाई कम हुई है जिसकी वजह से विवेकाधीन ख़र्च भी बढ़ रहा है। क्रिसिल ने भारत की विकास दर के अपने अनुमान को 6.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 7 प्रतिशत कर दिया है। भारत के विकास के आँकड़े प्रभावशाली तो हैं, लेकिन इनकी विश्वसनीयता को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। प्रोफेसर अरुण कुमार कहते हैं, आईएमएफ ने जीडीपी गणना की विश्वसनीयता पर सवाल उठाया है। भारत के असंगठित क्षेत्र का डेटा नहीं आता। इसका आधार 2011-12 है, जो पुराना है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक भी अपडेटेड नहीं है। उत्पादन और व्यय विधि में महत्वपूर्ण असंगति है, साथ ही राज्यों और स्थानीय निकायों का समेकित डाटा 2019 के बाद नहीं मिला। इन वजहों से हमारे जीडीपी आँकड़ों की विश्वसनीयता कमजोर है। इसलिए 8.2फीसद की विकास दर को कई लोग स्वीकार नहीं करते।

अंतरराष्ट्रीय डिमांड और सप्लाई पर निर्भर

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ फाइनेंस की अर्थशास्त्री यामिनी अग्रवाल मानती हैं कि भारत की जीडीपी ग्रोथ और रुपए के कमजोर होने को एक साथ देखना सही आकलन नहीं है। खाद्य महंगाई कम होने को यामिनी कहती हैं, डॉलर के मुकाबले रुपए की कीमत अंतरराष्ट्रीय डिमांड और सप्लाई पर निर्भर करती है। यह दिसंबर का महीना है और इस समय बैलेंस शीट को देखा जाता है क्योंकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह समय क्लोजिंग का होता है। ऐसे में भारत में बहुत से विदेशी निवेशक और अन्य निवेशक मुनाफा वसूली कर रहे हैं ताकि वे अपने देश में अपनी बैलेंस शीट को मजबूत दिखा सके। इस महीने में ख़रीद फरोख़्त बहुत होती है, जिसका भी असर अंतरराष्ट्रीय बाजार में रुपए की कीमत पर दिख रहा है। प्रोफेसर अरुण कुमार कहते हैं कि रुपए के कमजोर होने का असर भारत में घरेलू बाजार पर भी हो सकता है, यह चिंता की बात इसलिए भी है क्योंकि रुपया गिरने से हमारा एक्सपोर्ट तो बढ़ेगा, लेकिन इंपोर्ट महंगा हो जाएगा, जिससे महंगाई बढ़ सकती है। वह कहते हैं, अगर भारत का कैपिटल, एफडीआई या एफआईआई वगैरह में है, तो इसका असर हमारी अर्थव्यवस्था और हमारे स्टॉक मार्केट पर पड़ेगा। बहुत कुछ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों पर निर्भर करता है। क्योंकि ट्रंप की नीतियाँ अंतरराष्ट्रीय कारोबार को प्रभावित कर रही हैं। उनसे अगर भारत के बैलेंस ऑफ पेमेंट पर असर होता है तो रुपए की कीमत और भी कम हो सकती है।

मौसम अपडेट

प्रदेश के चार महानगरों का तापमान

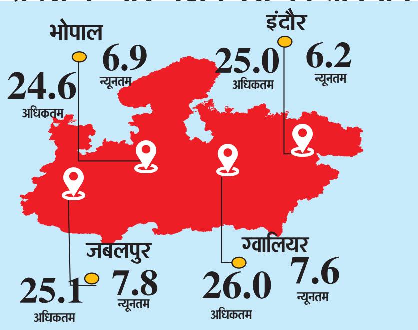

देश के चार महानगरों का तापमान

दिल्ली 24.6 अधिकतम 6.8 न्यूनतम	मुंबई 32.5 अधिकतम 22.9 न्यूनतम
चेन्नई 31.6 अधिकतम 19.5 न्यूनतम	कोलकाता 25.3 अधिकतम 14.5 न्यूनतम

सूर्यास्त 5:34 PM	चन्द्रोदय 6:58 AM
सूर्योदय 6:49 AM	चन्द्रास्त 8:14 PM

जावरा में गैस रिसाव, दबाने आए दमकल कर्मी पड़े बीमार, 10 फैक्ट्रियां खाली कराईं

फेरिस सल्फेट की है फैक्ट्री, 5 मजदूर गंभीर, रतलाम-नागदा से आए एक्सपर्ट

जागरण, रतलाम। औद्योगिक क्षेत्र जावरा की एक फैक्ट्री से गैर रिसाव होने से भगदड़ मच गई। फैक्ट्री के तीन कर्मचारी गैस लीकेज को रोकने में नाकाम रहे। इस बीच गैस की चपेट में आने से अन्य फैक्ट्रियों के कर्मचारी बीमार होने लगे। मौके पर पहुंचीं फायर ब्रिगेड के कर्मचारी गैस पर काबू पाने पानी छिड़कने लगे तो वे भी बीमार हो गए। इससे अफरातफरी मच गई। एहतियात के तौर पर आसपास की 10 फैक्ट्रियों बंद करा दी गई। रात तक रिसाव जारी रहा, हालांकि रतलाम-नागदा से टेक्नीकल एक्सपर्ट की टीम जावरा पहुंच गई है।

यह गैस रिसाव औद्योगिक क्षेत्र में शनिवार शाम को फेरिक सल्फेट बनाने वाली एक फैक्ट्री में हुआ है। गैस फैलते ही फैक्ट्री में मौजूद कर्मचारी जान बचाकर बाहर भागे। फैक्ट्री में तीन कर्मचारी गैस लीकेज को नियंत्रित करने में जुटे थे, लेकिन वे नाकाम रहे तो जान बचाकर भागे। स्थिति उस समय ज्यादा बिगड़ गई जब सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों ने पानी डालकर गैस रिसाव पर काबू पाने का प्रयास किया। मगर उन्हीं की हालत गैस लगने से बिगड़ गई। दमकल के तीन कर्मचारियों पुष्कर देवरिया, बालाराम गेहलोत और कुलदीप गेहलोत को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं पास की दूसरी फैक्ट्री के दो कर्मचारी भी इस गैस के कारण बीमार हो गए।प्रभावित श्रमिकों को सांस लेने में तकलीफ के साथ ही चक्कर और उल्टी की शिकायत हो रही है। इनकी स्थिति को इसे देखते हुए जिला प्रशासन ने आनन फानन में आसपास की दस फैक्ट्रियों में छुट्टी करा दी और फैक्ट्रियों में काम बंद करा दिया। रेडक्रॉस और सिविल अस्पताल की एंबुलेंस मौके पर तैनात की गईं।

इप्का की टीम मौके पर पहुंची : लगातार हो रहे गैस रिसाव को रोकने के लिए प्रशासन ने केमिकल से जुड़ी टैक्निकल टीम को बुलाया गया। रतलाम की इप्का फैक्ट्री की टीम पहुंच गई है। नागदा से भी एक टीम को बुलाया है। एक्सपर्ट्स ने गैस रिसाव के कारण जानने सहित इसे रोकने के प्रयास तेज कर दिए हैं। सूचना पर जिला प्रशासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी भी मौके पर तैनात रहकर स्थिति संभालने में जुटे हैं।

महाकाल दरबार में भीड़ रोकने 12 दिन भस्म-आरती की ऑनलाइन बुकिंग बंद

25 दिसंबर से 5 जनवरी तक ऑफलाइन ही मिलेगी दर्शन की अनुमति

जागरण, उज्जैन। देश-विदेश के श्रद्धालुओं के आस्था का केंद्र बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन स्थित महाकालेश्वर मंदिर में नये साल पर श्रद्धालुओं की दर्शन व्यवस्था को लेकर कुछ अहम बदलाव किये गए हैं। मंदिर समिति ने 25 दिसंबर 2025 से 5 जनवरी 2026 तक भस्म आरती की ऑनलाइन बुकिंग बंद कर दी है। इस दौरान केवल ऑफलाइन बुकिंग के आधार पर ही भस्म आरती में शामिल हुआ जा सकेगा। मंदिर समिति के प्रशासक प्रथम कौशिक के अनुसार 31 दिसंबर से 2 जनवरी के बीच लगभग 10 लाख श्रद्धालुओं के उज्जैन पहुंचने का अनुमान है। भीड़ को व्यवस्थित रखने, सुरक्षा और दर्शन व्यवस्था को सुचारू बनाने के लिए यह निर्णय लिया है। इसके अलावा सुरक्षा व व्यवस्थापन के लिए अतिरिक्त सुरक्षा बल की तैनाती और रूट प्लान तैयार किया है। नये साल पर मंदिर आने वाले भक्तों को सुझाव दिया है कि वे पहले से योजना बनाएं और समय से पहुंचकर ऑफलाइन बुकिंग कराएं, ताकि भस्म आरती व दर्शन में कोई दिक्कत न आए।

चलित भस्म आरती व्यवस्था : जो भक्त बिना अनुमति के भी भस्म आरती दर्शन करना चाहते हैं, उनके लिए मंदिर समिति ने चलित भस्म आरती व्यवस्था भी शुरू की है। भक्त लाइन में लगकर दूर से भस्म आरती के दर्शन कर सकेंगे, जिससे भीड़ में भी दर्शन सुचारू रूप से हो सकें।

दर्शनार्थियों की संख्या के आधार पर अनुमति : कौशिक ने बताया कि नव वर्ष पर श्रद्धालु त्रिवेणी संग्रहालय से एंट्री कर महाकाल लोक होते हुए मान सरोवर और फिर टनल से होते हुए, गणेश मंडपम से दर्शन कर एग्जिट टनल से बाहर होते हुए गणेश मंदिर के सामने से बाहर होंगे। इस दौरान ऑफ लाइन व्यवस्था के तहत एंट्री मिलेगी। एक दिन पहले आकर फॉर्म भरने होंगे, अनुमति दर्शनार्थियों की संख्या के आधार पर ही मिल सकेगी। सामान्य दिनों में रोजाना 30 से 40 क्विंटल के बीच लड्डू प्रसादी बनाई जाती है, लेकिन नव वर्ष के दिनों के लिए 50 क्विंटल से अधिक बनाई जाएगी।

डेढ़ लाख का इनामी खनन माफिया नागपुर से गिरफ्तार

जागरण, जबलपुर। करोड़ों रुपए के फर्जीवाड़े कर लंबे समय से फरार चल रहे खनन माफिया अमित खंपरिया आखिरकार पुलिस गिरफ्त में आ ही गया। जबलपुर पुलिस ने नागपुर से गिरफ्तार किया। आरोपी पिता और भतीजे के साथ किराए का अपार्टमेंट लेकर रह रहा था। शनिवार को जबलपुर पुलिस उसे गिरफ्तार करने के बाद लेकर पहुंची। अमित के पिता अनिरुद्ध चतुर्वेदी के खिलाफ भी मंडला पुलिस ने धोखाधड़ी के मामले पर कार्रवाई करते हुए उसे भी नागपुर से पकड़ा है। अमित के खिलाफ पुलिस ने 1.50 लाख रुपए इनाम घोषित किया था। वहीं एक निजी आवेदक ने उसकी गिरफ्तारी होने पर 50 हजार रुपए इनाम देने की घोषणा की थी। अमित खंपरिया ने एमपी और यूपी के कई बड़े व्यापारियों से इन्वेस्टमेंट के नाम पर करोड़ों रुपए लिए और फिर उसे हड़प लिया।

पेशाबकांड के आरोपी को हाईकोर्ट ने दी जमानत

जागरण, भिंड। जिले के सुरपुरा थाना क्षेत्र में हुए चर्चित पेशाब कांड में बड़ा अपडेट आया है। ग्वालियर हाई कोर्ट ने मामले के एक आरोपी छोटू उर्फ ब्रजमोहन ओझा को जमानत दे दी है। कोर्ट ने माना कि एससी/एसटी एक्ट को छोड़कर बाकी धाराएं जमानती हैं और शिकायतकर्ता को लगी चोटें साधारण प्रकृति की हैं। बता दें कि इस घटना के बाद जिले भर में भीम आर्मी और समाज के लोगों ने जमकर विरोध प्रदर्शन किया था। मामला 20 अक्टूबर 2025 की रात का है। फरियादी ज्ञान सिंह जाटव ने शिकायत दर्ज कराई थी कि ग्वालियर के दीनदयाल नगर से सोनू बरुआ, आलोक शर्मा और छोटू ओझा ने उसे जबरन उठाया और सुरपुरा क्षेत्र में ले गए। यहां उसके साथ मारपीट और अमानवीय व्यवहार करते हुए पेशाब पिलाई गई।

5 दिन डिजिटल अरेस्ट रखकर ठगे 32 लाख

जागरण, जबलपुर। एटीएस अफसर बनकर एक रिटायर्ड प्रशासनिक अधिकारी को ठगों ने 5 दिन तक डिजिटल अरेस्ट रखा और 32 लाख रुपए की चपत लगा दी। आरोपियों ने बुजुर्ग को टेरर फंडिंग के नाम पर गिरफ्तारी का डर दिखाया। रिटायर्ड अधिकारी के बेटे के आने पर ठगी का खुलासा हुआ और रिपोर्ट दर्ज कराई गई। 72 वर्षीय अविनाश चंद्र दीवान बिजली विभाग में एडमिनिस्ट्रेशन ऑफिसर थे। एक दिसंबर को आए फोन में सामने वाले ने खुद को एटीएस अधिकारी बताया। आरोपी ने कहा कि मैं एटीएस पुणे से बोल रहा हूं। हमने अभी अफजल सहित कुछ आतंकियों को पकड़ा है। पूछताछ में उसने बताया कि अविनाश चंद्र भी हमारे साथ शामिल है। तुम्हारे खाते और आधार कार्ड के जरिए फंड ट्रांजैक्शन हुए हैं। जल्द से जल्द इसका समाधान नहीं हुआ तो तुम्हारे बेटे भी गिरफ्तार होंगे। सारी संपत्ति सीज हो जाएगी। ठगों ने बुजुर्ग से संपत्ति का विवरण भी मांग लिया। बुजुर्ग को 5 दिन तक 10 घंटे डिजिटल अरेस्ट रखा वीडियो कॉल किए। ठगों ने बुजुर्ग को इतना डरा दिया कि वे वीडियो कॉल करते हुए ही बैंक जाते और रुपए ट्रांसफर करते रहे।

रिटायर्ड अफसर को दिखाया गया टेरर फंडिंग का डर

छात्रा के अश्लील वीडियो वायरल करने वाले आरोपियों के घरों पर चला बुलडोजर

जागरण, मंदसौर। नाबालिग का अश्लील वीडियो बनाकर दो लाख रुपए ऐंठने के बाद भी उसका अश्लील वीडियो वायरल करने के आरोप में गिरफ्तार दो आरोपी युवकों के खिलाफ शनिवार को भी लोगों में भारी आक्रोश दिखा। बढ़ते तनाव और विरोध को देख पुलिस बल की मौजूदगी में दोनों आरोपियों के अवैध निर्माण को तोड़ने की कार्रवाई की। सुबह सबसे पहले आरोपी रेहान के मकान का अवैध हिस्सा ढहाया। इसके बाद दूसरे आरोपी बाबू के घर पर बुलडोजर की कार्रवाई शुरू हुई। इस दौरान बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी मौजूद थे। बाद में दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश कर रिमांड पर भेज दिया। प्रशासन ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की। कार्रवाई के दौरान प्रदर्शनकारी मौके पर डटे रहे, उनका आरोप था कि प्रशासन ने आरोपियों के मकान के आगे के हिस्से ही तोड़े, पूरा निर्माण नहीं गिराया। इसे लेकर शनिवार शाम करीब 6 बजे फिर से विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया। बजरंग दल और अन्य संगठनों ने थाने में कुछ और आरोपियों के नाम सौंपे और रविवार दोपहर 12 बजे तक इन्हें गिरफ्तार करने की मांग की। साथ ही चेतावनी दी कि यदि ये आरोपी गिरफ्तार नहीं किए गए तो फिर से विरोध प्रदर्शन शुरू किया जाएगा। रविवार को भी 'शामगढ़ बंद' का आह्वान किया है।

भीड़ ने किया विधायक का विरोध, नारेबाजी की

विधायक हरदीप सिंह डंग जब धरना स्थल पहुंचे तो भीड़ ने उनका विरोध किया और नारेबाजी शुरू कर दी। बाद में विधायक ने आरोपियों के मकान तोड़ने की बात कही और धरने पर बैठ गए। शामगढ़ से मुस्लिम समाज का एक प्रतिनिधि मंडल एसपी विनोद कुमार मीना से मिला। समाज के नेताओं ने आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई और शहर में शांति व्यवस्था बनाए रखने की मांग की।

शराबी पति ने कैंची से काट दी पत्नी की नाक, फरार

जागरण, ग्वालियर। शराब पीने के आदी एक पति ने पारिवारिक विवाद में पत्नी की नाक कैंची से काट डाली। नाक काटकर पत्नी को लहूलुहान छोड़कर आरोपी पति घर से फरार हो गया। घायल महिला को उसकी जेठानी अस्पताल लेकर पहुंचीं, जहां गंभीर हालत में उसका इलाज जारी है।

यह दर्दनाक वारदात शनिवार दोपहर महाराजपुरा थाना क्षेत्र के भारत मार्केट के पास हुआ। यहां रहने वाली पूनम तोमर का पति धर्मेंद्र से विवाद हुआ। विवाद के दौरान पति ने पहले तो पत्नी से जमकर मारपीट की और गुस्से में कैंची लाकर उसकी नाक काट दी। ज्यादा खून बहने से महिला वहीं गिर गई। उसे घायल घायल अवस्था में छोड़कर पति फरार हो गया। पूनम को उनकी जेठानी ट्रामा सेंटर ले गईं, जहां उनका उपचार चल रहा है। महिला की बहन का आरोप है कि धर्मेंद्र आए दिन विवाद करता है। पहले तो इनके परिवार झूठ बोलकर शादी कर ली। अब बहन को पसंद नहीं आने का कहकर विवाद करने लगे। हम यही सोच रहे थे कि शादी हो गई तो निभा लें। शादी को दस साल हो गए हैं। पति और उसकी मां मेरी बहन को पसंद न करने की बात कहते हुए अक्सर मारपीट करते हैं। पुलिस ने आरोपी पति की तलाश शुरू कर दी है और मामले की जांच जारी है।

बिजनेस प्लस

पतंजलि योगपीठ और रूस सरकार के मध्य ऐतिहासिक एमओयू

हरिद्वार। पतंजलि समूह तथा रूस सरकार के मध्य दिल्ली में एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर हुए, जिसमें पतंजलि समूह की ओर से स्वामी रामदेव तथा मॉस्को सरकार (रूस) की ओर से भारत-रूस व्यापार परिषद के अध्यक्ष एवं रूस के वाणिज्य मंत्री सर्गेई चेरेमिन ने हस्ताक्षर किए। कार्यक्रम में स्वामी रामदेव ने कहा कि यह एमओयू स्वास्थ्य एवं वेलनेस का संवर्धन, स्वास्थ्य पर्यटन, कुशल मानव संसाधन का आदान-प्रदान तथा अनुसंधान आदि विषयों पर केंद्रित है। उन्होंने बताया कि रूस में योग, आयुर्वेद व प्राकृतिक चिकित्सा को लोग पसंद करते हैं तथा इनका अनुसरण भी करते हैं। उन्होंने कहा कि सर्वप्रथम हमें ऋषियों की इस वैलनेस विधा को पूरे विश्व के लगभग 200 देशों में पहुंचाना है जिसका एंट्री प्वाइंट रूस ही होगा। इस एमओयू के पहला महत्वपूर्ण बिंदु रूस में पतंजलि की वैलनेस सेवाओं का विस्तार करना है। हम रूस के साथ मिलकर ऐज को रिवर्स करने, लोंगेविटी पर गहन अनुसंधान करेंगे जिससे गम्भीर रोगों का मानव शरीर में आने से वर्षों पहले ही पता किया जा सकेगा। इसका दूसरा बिन्दु भारत के आध्यात्मिक ज्ञान, संस्कृति, योग, आयुर्वेद तथा भारत की अमूल्य धरोहरों से संबंधित ज्ञान को रूस के साथ साझा करना है। इसके लिए हम भारत की संस्कृति तथा ऋषियों की धरोहर को रूस लेकर जाएंगे। एमओयू का तीसरा बिन्दु रूस का भारत के द्वारा स्किल्ड लेबर व कुशल योगी उपलब्ध कराना है। प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत 2 लाख से अधिक लोगों को प्रशिक्षण प्रदान करने वाला पतंजलि ही एकमात्र प्राइवेट पार्टनर रहा है।

महाराष्ट्र ने बनाया विश्व रिकॉर्ड, 30 दिन में 45,911 सौर कृषि पंपों की स्थापना

मुंबई। महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड (एमएसईडीसीएल) ने मात्र 30 दिनों में 45,911 ऑफ-ग्रिड सौर कृषि पंप स्थापित कर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में जगह बनाई है। यह उपलब्धि महाराष्ट्र को भारत में सौर कृषि प्रणालियों के सबसे तेज क्रियान्वयन वाला राज्य बनाती है। यह सफलता पीएम कुसुम (घटक-बी) और 'मागेल त्याला सौर कृषि पंप योजना' के प्रभावी कार्यान्वयन का परिणाम है। एमएसईडीसीएल ने सुखा प्रभावित क्षेत्रों को प्राथमिकता देते हुए कई स्थापना टीमों की तैनाती, डिजिटल ट्रैकिंग, पारदर्शी वेंडर प्रणाली और किसान-केंद्रित मॉडल अपनाया। खेत के आकार के आधार पर 3, 5 और 7 एचपी पंप उपलब्ध कराए गए। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इसे किसानों की सिंचाई सुरक्षा और आय वृद्धि की दिशा में बड़ा कदम बताया। अब तक महाराष्ट्र में 7.47 लाख से अधिक सौर पंप लगाए जा चुके हैं और लक्ष्य 10.45 लाख का है, जो इसे कृषि में स्वच्छ ऊर्जा का राष्ट्रीय मॉडल बनाता है।

उप्र आज दंगा-मुक्त, माफिया-मुक्त और निवेशकों की पहली पसंद : योगी

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रस्तुत विकसित भारत के विजन 2047 को साकार करने में उत्तर प्रदेश की भूमिका सबसे अहम है। शनिवार को नई दिल्ली में आयोजित एक निजी समाचार पत्र के कॉन्क्लेव में प्रतिभाग करते हुए मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत को वर्ष 2027 तक 5 ट्रिलियन डॉलर और 2047 तक 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का संकल्प तभी पूरा हो सकता है जब देश की सबसे बड़ी आबादी वाला राज्य समान गति और संकल्प के साथ आगे बढ़े। मुख्यमंत्री योगी के अनुसार इसी उद्देश्य से उत्तर प्रदेश सरकार ने व्यापक विमर्श और जनभागीदारी के आधार पर राज्य का विजन डॉक्यूमेंट तैयार किया है जिसमें जनप्रतिनिधियों तथा जनता दोनों के सुझाव शामिल किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने अयोध्या राम मंदिर निर्माण और प्राण प्रतिष्ठा को अपने जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि 500 वर्षों के बाद भव्य मंदिर का निर्माण उनकी तीन पीढ़ियों के संघर्ष से जुड़ी घटना है और इसे अपने सामने होते देखना किसी सौभाग्य से कम नहीं। उन्होंने यह भी बताया कि मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा के बाद अब तक लगभग 24 करोड़ श्रद्धालु अयोध्या पहुंच चुके हैं, जो इस परिवर्तन की ऐतिहासिकता को दर्शाता है। मुख्यमंत्री के अनुसार विकसित भारत के निर्माण में उत्तर प्रदेश को अपनी भूमिका मजबूत करनी होगी। इसके लिए विधानसभा में 27 घंटे तक लगातार चर्चा कराई गई, जिसमें सभी दलों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही जनता से भी व्यापक स्तर पर सुझाव मांगे गए और अब तक 98 लाख विचार प्राप्त हुए। इन सुझावों को आधार बनाकर राज्य के 12 प्रमुख सेक्टरों के लिए स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश का लक्ष्य वर्ष 2029–30 तक 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का है और राज्य की वर्तमान प्रगति इस दिशा में उत्साहजनक है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि उत्तर प्रदेश विकसित भारत विकसित उत्तर प्रदेश और आत्मनिर्भर भारत आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश के संकल्प को पूरा करेगा।

बीओआई ने की 'मास्टरस्ट्रोक' अभियान की शुरुआत, सचिन हैं एड फिल्म का हिस्सा

मुंबई। भारत के सार्वजनिक क्षेत्र बैंकों में से एक, बैंक ऑफ बड़ौदा ने आज अपने ग्लोबल ब्रांड एंबेसडर, सचिन तेंदुलकर के साथ अपने नए एडवरटाइजिंग कैंपेन के शुभारंभ की घोषणा की। पिछले वर्ष के 'प्ले दि मास्टर स्ट्रोक' प्लेटफॉर्म की सफलता के बाद, यह नया अभियान इस बात पर जोर देता है कि जीवन के महत्वपूर्ण फैसलों-जैसे सपनों का घर या कार खरीदने या अपने व्यवसाय में निवेश करने के दौरान सही वित्तीय विकल्प का चयन कितना जरूरी है। यह अभियान इस संदेश को पुख्ता करता है कि अपने सपनों को हकीकत में बदलने के लिए सही वित्तीय साझेदार चुनना ही वास्तविक मास्टर स्ट्रोक है। बैंक की रिलाइंशन कार्यनीति के अनुरूप, यह अभियान बैंक के चार प्रमुख उत्पादों गृह ऋण, कार ऋण, एमएसएमई ऋण (बॉब डिजी उद्यम के माध्यम से) और बॉब मास्टरस्ट्रोक लाइट सेविंग्स अकाउंट पर केंद्रित है। इसका उद्देश्य ग्राहक आधार को बढ़ाना और बाज़ार में गहरी पैठ बनाना है। चार हल्की-फुल्की लेकिन जुड़ाव वाली बेहतरीन फिल्में, जो बैंक ऑफ बड़ौदा की ग्राहक-केंद्रित सेवाओं, डिजिटल सुलभता और विश्वसनीय समाधानों को ग्राहकों के रोजमर्रा के जीवन अनुभवों से जोड़ती हैं।

तस्करी और जालसाजी के खिलाफ जागरुकता बढ़ाने मनोज तिवारी ने ऑटो रैली को दिखाई हरी झंडी

नई दिल्ली। नई दिल्ली में दफ्क्की कास्केड द्वारा तस्करी और जालसाजी के खिलाफ जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से वार्षिक ऑटो रैली के तीसरे संस्करण का आयोजन किया गया, जिसे सांसद मनोज तिवारी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली में 300 से अधिक ऑटो रिक्शा शामिल हुए, जिन पर तस्करी-विरोधी संदेश लिखे थे। मनोज तिवारी ने कहा कि तस्करी सिर्फ आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि यह नेटवर्क और आतंकवाद को भी बढ़ावा देती है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे कभी भी अवैध तरीकों से आए सस्ते और जाली उत्पाद न खरीदें, क्योंकि इससे देश की सुरक्षा और वैध उद्योगों को बड़ा नुकसान होता है। दफ्क्की कास्केड के चेयरमैन अरुण राजपूत ने बताया कि अवैध कारोबार से सरकार को भारी टैक्स नुकसान होता है और बाजार में असुरक्षित उत्पादों की बाढ़ आ जाती है। कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को जागरूक कर वैध व्यापार को बढ़ावा देने का संदेश दिया गया।

नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आज

भोपाल। स्पर्श आयुर्वेद और पंचकर्म केंद्र भोपाल द्वारा रविवार 7 दिसंबर को सुबह 8 से दोपहर एक बजे तक निशुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सा महाशिविर का आयोजन अनुपम हास्पिटल के पीछे गुप्ता टावर के प्रथम तल पर सीआई चौराहे के पास नयापुरा कोलार रोड पर किया जाएगा। शिविर में आयुर्वेद विशेषज्ञों द्वारा समस्त रोगों का आयुर्वेदिक पद्धति से इलाज किया जाएगा। शिविर में डॉ. मोहिनी गुप्ता एमडी आयुर्वेद और डॉ. हरेन्द्र कुमार बंसल एमडी आयुर्वेद मरीजों का मार्गदर्शन कर उपचार करेंगे। शिविर में जनरल बॉडी चेक अप, बीएमडी चेक अप और शुगर तथा बीपी की निशुल्क जांच सुविधा रहेगी। आयोजनकर्ताओं ने इस शिविर में ज्यादा से ज्यादा लोगों को लाभ प्राप्त करने का आव्हान किया है।

डॉ. मोहिनी गुप्ता एमडी आयुर्वेद

डॉ. हरेन्द्र कुमार बंसल एमडी आयुर्वेद

उत्तर मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना सं0 JHS-N-GSU-13-25 — दिनांक - 02.12.2025

ई-निविदा सूचना

उप मुख्य सिगनल एवं दूरसंचार अभियंता (गति शक्ति यूनिट) उत्तर मध्य रेल झांसी भारत के राष्ट्रपति के लिए व उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते है।

ई-निविदा सूचना संख्या : JHS-N-GSU-13-25

कार्य का नाम : एस एंड टी वर्क (टेलीकॉम वर्क) इन कनेक्शन विथ अपग्रेडेशन/इम्प्रूवमेन्ट एंड डेवलपमेन्ट ऑफ गुड्स शेड एट दतिया, डबरा एण्ड भिंड स्टेशन्स ऑफ झाँसी डिवीजन।

कार्य लागत लगभग : रू. 6038182.62 | **धरोहर राशि :** रू. 120800.00

निविदा प्रपत्र का मूल्य : Nil | **निविदा खुलने की तिथि :** 24.12.2025 Time 15:00

स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन अवधि : 12 माह

● निविदा दिनांक 24/12/2025 को 15:00 बजे तक ऑन लाईन जमा कर सकेंगे। ● पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेब साइट www.ireps.gov.in (JHANSI DIVISION-GATI SHAKTI, NORTH CENTRAL RLY) पर देखें। 2344/25(AS)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @ CPRONCR

उत्तर मध्य रेलवे

पत्र सं-No. JHS/Commercial/e-Auction/25/153 — दिनांक 05.12.2025

ई-नीलामी सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मण्डल रेल प्रबन्धक (वाणिज्य)-झांसी द्वारा निम्न दी गयी श्रेणियोंके अनुसार ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है:-

श्रेणी : प्रचार | **केटलोग संख्या :** JHS-MISC-NFR-28

एसेट्स डिटेल्स : मिस्लेनियस स्टेटिक पालिसी के तहत निम्न रेलवे स्टेशनों पर ठेके का आवंटन -**1. EV Charging-** LAR GWL **2. Health Kiosk-**VGLJ, GWL, MRA, LAR **3. Promotional Kiosk-**KURJ, VGLJ. **4. Rail Coach Restaurant-**GWL OLD MORAR CANTT STATION,GWL KAMPOO KOTHI, MBA, MRA **5. Salon Service-**GWL, BANDA, LAR. **6. Textile stores with advertisement** VGLJ, KURJ, **7. Miscellaneous Statics Service-Mobiles and accessories Kiosk** GWL, **8. Miscellaneous Statics Service-Pooja samagri kiosk-**DAA, **9. Miscellaneous Statics Service-Static General-**BANDA, VGLJ

ई-नीलामी प्रारम्भ की तिथि व समय : दिनांक : 19.12.2025 को समय -10:00 से

ई-नीलामी समाप्त की तिथि व समय : दिनांक : 19.12.2025 को समय -13:50 तक

नोट : उक्त ठेकों के आवंटन हेतु नीलामी केवल ऑनलाइन वेवसाइट www.ireps.gov.in के e-auction module के माध्यम से की जाएगी। लॉट अनुसार विवरण उपर्युक्त केटलॉग संख्या के अंतर्गत उपलब्ध है। 2348/25 (C)

@CPRONCR North central railways cproncrly CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

पत्र सं.:-No.JHS/Commercial/e-Auction/25/153 — दिनांक : 05.12.2025

ई-नीलामी सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मण्डल रेल प्रबन्धक (वाणिज्य)-झाँसी द्वारा निम्न दी गयी श्रेणियों के अनुसार ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है:-

श्रेणी: प्रचार | **केटलोग संख्या:** JHS-MISC-NFR-31

एसेट्स डिटेल्स

मिस्लेनियस स्टेटिक पालिसी के तहत निम्न रेलवे स्टेशनों पर ठेके का आवंटन:-
1. Advertisement Under Miscellaneous Miscellaneous Statics Service-Static General-LAR.
2. Miscellaneous Statics Service-Taxtile stores with advertisement-LAR.
3. Miscellaneous Statics Service-Promotional Kiosk-GWL.
4. Miscellaneous Statics Service Goods Canteen-BZM.
5. Miscellaneous Statics Service-Battery Operated cart. ORC.
6. Miscellaneous Statics Service-parcel Scanner Machine-GWL.
7. Miscellaneous Statics Service-Pooja samagri Kiosk-ORC.
8. Miscellaneous Statics Service-Mobile and accessories Kiosk-ORAI,LAR, ORC, MCSC,CKTD.
9. Miscellaneous Statics Service-Massege Chair-CKTD, BANDA,MBA.
10. Miscellaneous Statics Service-Perfume vending Machine. VGLJ.

ई-नीलामी प्रारम्भ की तिथि व समय : दिनांक 23.12.2025 को समय- 11:00 से

ई-नीलामी समाप्त की तिथि व समय : दिनांक 23.12.2025 को समय- 14:00 तक

नोट- उक्त ठेकों के आवंटन हेतु नीलामी केवल ऑनलाइन वेबसाइट-www.ireps.gov.in के e-auction module के माध्यम से की जायेगी। लॉट अनुसार विवरण उपर्युक्त केटलॉग संख्या के अंतर्गत उपलब्ध है। 2347/25 (MG)

North central railways @ CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

तीसरे वनडे में आया जायसवाल-रोहित-विराट का तूफान, टीम इंडिया ने दक्षिण अफ्रीका को हराया

प्लेयर आफ द सीरीज विराट कोहली ने सीरीज में दो लगाए शतक, यशस्वी रहे प्लेयर आफ द मैच

विशाखापट्टनम, जेएनएन। भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका को तीसरे और आखिरी वनडे में 9 विकेट से करारी शिकस्त दी। इस जीत के साथ भारत ने तीन मैचों की वनडे सीरीज 2-1 से जीती। विशाखापट्टनम में खेले गए मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 47.5 ओवर में सिर्फ 270 रन ही बना सकी। इसके जवाब में भारत ने यशस्वी जायसवाल के शतक, रोहित शर्मा और विराट कोहली की दमदार अर्धशतकीय पारी की बदौलत 61 गेंद शेष रहते मैच अपने नाम किया। इस मैच में साउथ अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत के सामने 271 रन का टारगेट रखा था। इसके जवाब में भारत ने इस टारगेट को 39.5 ओवर में हासिल करके एक आसान जीत दर्ज की। इसके साथ ही टीम इंडिया ने तीन मैचों की सीरीज को 2-1 से अपने नाम किया। इस पूरे सीरीज में टीम इंडिया की तरफ से विराट कोहली ने शानदार बल्लेबाजी की। तीन मैचों में से दो में उन्होंने शतक लगाया।

उल्टे हाथ से उछाला सिक्का और जीता टॉस

भारत 20 वनडे मैचों के लंबे अंतराल के बाद टॉस जीतने में सफल रहा. केएल राहुल ने टॉस जीतने के लिए सिक्का उल्टे हाथ से उछाला. यह ट्रिक काम कर गई। इसके बाद अर्शदीप सिंह (36 रन पर एक विकेट) ने टीम में वापसी कर रहे रेयान रिकल्टन को खाता खोले बगैर चलता कर पहले ओवर में ही टीम को सफलता दिला दी

यशस्वी ने खेली मैच विनिंग पारी

टीम इंडिया को इस मैच में रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल ने टीम इंडिया को शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों ने पहले विकेट के लिए 155 जोड़े। रोहित शर्मा के रूप में टीम इंडिया को इस मैच में पहला झटका लगा। वह 73 गेंद में 7 चौके और 3 छक्के की मदद से 75 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद क्रीज पर एंट्री हुई इन फॉर्म बल्लेबाज विराट कोहली। विराट इस मैच में भी अपना शानदार फॉर्म जारी रखा। उन्होंने 46 गेंदों में अपनी फिफ्टी पूरी की। विराट और जायसवाल के बीच दूसरे विकेट के लिए 116 रन की साझेदारी हुई और दोनों बल्लेबाज मैच खत्म करके वापस लौटे। जायसवाल 121 गेंदों में 116 रन बनाकर नाबाद लौटे। उन्होंने इस दौरान 12 चौके और दो छक्के लगाए। वहीं विराट कोहली ने 45 गेंदों में 6 चौके और 3 छक्के की मदद से 65 रन की शानदार पारी खेली।

कुलदीप ने 9वीं बार लिया 4 विकेट हॉल

कुलदीप ने अपने कोटे के 10 ओवर में 1 मेडन के साथ 41 रन खर्च कर 4 सफलताएं अर्जित की। यह उनके वनडे करियर का 9वां और दक्षिण अफ्रीका टीम के खिलाफ 5वां 4 विकेट हॉल रहा। उन्होंने भारत के लिए 117 वनडे मैच खेले हैं और इसकी 114 पारियों में गेंदबाजी करते हुए 26.29 की औसत के साथ 191 विकेट लेने में कामयाब रहे हैं। उन्होंने 2 बार 5 विकेट हॉल भी अपने वनडे करियर में लिए हैं।

डिकॉक ने तोड़ा एबी डिविलियर्स का रिकॉर्ड

इस मुकाबले में भारत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया। साउथ अफ्रीका के लिए इस मैच में क्विंटन डिकॉक ने सबसे ज्यादा रन बनाए। उन्होंने 106 रनों की पारी खेली डिकॉक के भारत के खिलाफ 7 शतक हो गए हैं। अब वह इस टीम के खिलाफ सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले अफ्रीकी बल्लेबाज हैं। इस खिलाड़ी ने एबी डिविलियर्स का रिकॉर्ड तोड़ा है। इस पूर्व दिग्गज खिलाड़ी ने भारत के खिलाफ वनडे क्रिकेट में 6 शतक लगाए थे।

20000 से अधिक रन बनाने वाले चौथे भारतीय बल्लेबाज बने रोहित

भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने शनिवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे वनडे में भारत के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड सचिन तेंदुलकर के नाम है। उन्होंने 34357 इंटरनेशनल रन बनाए हैं। टी20 और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके विराट कोहली ने 27910 रन बनाए हैं। राहुल द्रविड़ के नाम 24208 रन हैं। रोहित शर्मा ने शनिवार को अफ्रीका के खिलाफ अर्धशतकीय पारी के दौरान 20,000 रन पूरे किए।

खेल एक नजर

सुरुचि ने शूटिंग वर्ल्ड कप जीता पॉइंट्स का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया

दोहा, जेएनएन। आईएसएसएफ शूटिंग वर्ल्ड कप में हरियाणा की सुरुचि फोगाट ने गोल्ड मेडल जीत लिया। इसके साथ ही सुरुचि ने पॉइंट्स का वर्ल्ड रिकॉर्ड भी बनाया है। वहीं, इस प्रतियोगिता में चंडीगढ़ की संयम दूसरे नंबर पर रही, उन्होंने सिल्वर मेडल जीता है। जबकि मुकाबले में 2 बार की ओलिंपिक मेडलिस्ट मनु भाकर हार गईं। मनु प्रतियोगिता में पांचवें नंबर पर रहीं। गोल्ड मेडल जीतने के बाद सुरुचि ने कहा,ये मेरा पहला वर्ल्ड कप फाइनल एक्सपीरियंस है। मैंने जो सोचा था, उसी हिसाब से रिजल्ट रहा। मुझे वर्ल्ड रिकॉर्ड के बारे में ध्यान नहीं था, बस रिजल्ट पर फोकस रखा। मैंने स्कोर की तरफ नहीं देखा। मेडल जीतने पर ही ध्यान था।

गोवा की जम्मू-कश्मीर पर जीत हैदराबाद ने बिहार को रौंदा

कोलकाता, जेएनएन। कप्तान सुयश प्रभुदेसाई की 28 गेंदों में 51 रन की नाबाद तूफानी पारी की बदौलत गोवा ने सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी के ग्रुप बी मुकाबले में शनिवार को जम्मू-कश्मीर को सात विकेट से करारी शिकस्त दी। गोवा की जीत में कश्यप बखाले ने 44 गेंदों पर आठ चौकों और एक छक्के की मदद से शानदार 59 रन बना कर अहम भूमिका निभाई टीम ने जम्मू-कश्मीर द्वारा निर्धारित 161 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 19 ओवर में तीन विकेट खोकर 167 रन बनाए। गोवा के लिए शुभम तारी सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने चार ओवर में 30 रन देकर तीन विकेट लिये। दीपक गांवकर और विकास सिंह को भी एक-एक सफलता मिली। ईडन गार्डन्स में खेले गये मैच में जम्मू-कश्मीर के बल्लेबाजों में यावर हसन (48) और कप्तान शुभम खजूरिया (45) ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। आखिरी ओवरों में अब्दुल समद ने नौ गेंदों पर दो चौकों और इतने ही छक्कों के साथ 22 रन की आतिशी पारी खेली। जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज औकिब नबी और सुनील कुमार ने एक समान 31 रन पर एक विकेट लिया लेकिन वे अपनी टीम को हार से नहीं बचा सके। जादवपुर विश्वविद्यालय मैदान पर खेले गए एक अन्य मुकाबले में बिहार को हैदराबाद के हाथों सात विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा। इस कम स्कोर वाले मैच को हैदराबाद ने 8.3 ओवर शेष रहते हुए जीत दर्ज की। शानदार लय में चल रहे बिहार के किशोर बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी 11 गेंद में 11 रन का ही योगदान दे सके। टीम के लिए पीयूष सिंह ने चार चौकों की मदद से 34 रन बनाए, जबकि बिपिन सौरभ ने आखिरी ओवरों में तीन छक्के लगाकर 31 रन की नाबाद पारी खेल बिहार को आठ विकेट पर 132 रन तक पहुंचाया।

वेस्टइंडीज-न्यूजीलैंड पहला टेस्ट ड्रा, ग्रीव्स के 202 रन

क्राइस्टचर्च, जेएनएन। जस्टिन ग्रीव्स ने अपने कौशल और धैर्य का शानदार नमूना पेश करते हुए नाबाद 202 रन बनाए और केमार रोच के सातवें विकेट के लिए 180 रन की अटूट साझेदारी की जिससे वेस्टइंडीज ने शनिवार को न्यूजीलैंड के कमजोर आक्रमण की चुनौती को ध्वस्त करते हुए पहला टेस्ट ड्रॉ करा दिया। न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज के सामने 531 रन का मुश्किल लक्ष्य रखा था। वेस्टइंडीज ने अपनी दूसरी पारी में छह विकेट पर 457 रन का स्कोर बनाया जो टेस्ट क्रिकेट के पांच तक सीमित होने के बाद चौथी पारी में सर्वोच्च स्कोर है। ओवरऑल यह चौथी पारी का दूसरा सर्वश्रेष्ठ स्कोर है। रोच ने अपने बल्लेबाजी कौशल का शानदार प्रदर्शन करते हुए नाबाद 58 रन बनाए जो उनके करियर का सर्वोच्च स्कोर है। उन्होंने 233 गेंद का सामना किया। ग्रीव्स ने 388 गेंद का सामना करके 19 चौके लगाए। वह किसी टेस्ट मैच की चौथी पारी में दोहरा शतक लगाने वाले वेस्टइंडीज के चौथे और ओवरऑल सातवें बल्लेबाज बन गए हैं। ग्रीव्स ने मैच के बाद कहा, मेरा आखिर तक टिके रहना वास्तव में बहुत महत्वपूर्ण था। यह मेरे लिए और टीम के लिए एक विशेष दिन है। हम काफ़ी मुश्किल दौर से गुज़र रहे थे। आक्रमण के अगुआ मैट हेनरी और ऑलराउंडर नाथन स्मिथ के

चोटिल होने के कारण न्यूजीलैंड के पास केवल जैकब डफी और जैक फाउल्केस ही फिट तेज गेंदबाज थे जिन्हें टेस्ट क्रिकेट खेलने का बहुत अधिक अनुभव नहीं है। ग्रीव्स और रोच ने आखिरी दिन मैदान पर सिर्फ़ दो-तीन मौके दिए। न्यूज़ीलैंड ने दिन की शुरुआत में ही अपने रिव्यू खत्म कर दिए और इसकी क़ीमत उसे तब चुकानी पड़ी जब रोच के ख़िलाफ़ एलबीडब्ल्यू और कैच आउट की अपील को अंपायरों ने नकार दिया जबकि रीप्ले से लग रहा था कि वह आउट थे। न्यूजीलैंड ने अपनी पहली पारी में 231 रन बनाए थे जिसके जवाब में वेस्टइंडीज 167 रन पर आउट हो गया था। न्यूजीलैंड ने अपनी दूसरी पारी आठ विकेट पर 466 रन बनाकर समाप्त घोषित की थी। वेस्टइंडीज ने अंतिम दिन चार विकेट पर 212 रन से आगे खेलना शुरू किया।

इंग्लैंड-आस्ट्रेलिया एशेज सीरीज का दूसरे टेस्ट मैच का तीसरा दिन

ऑस्ट्रेलिया के गाबा टेस्ट की पहली पारी में 511 रन, 177 रनों की बढ़त, इंग्लैंड हार के कगार पर

ब्रिस्बेन, जेएनएन। तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क ने शनिवार को गेंद के बजाय बल्ले से इंग्लैंड को परेशान किया जिससे ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे एशेज क्रिकेट टेस्ट के तीसरे दिन पहली पारी में 511 रन बनाकर 177 रन की बढ़त हासिल की। पैंतीस साल के स्टार्क ने इस दिन रात्रि मैच में 141 गेंद में 77 रन बनाए जो 2016 के बाद टेस्ट में उनका सबसे बड़ा स्कोर है। इंग्लैंड के लिए ब्रायडन कार्स ने 152 रन देकर चार विकेट जबकि कप्तान बेन स्टोक्स ने 113 रन देकर तीन विकेट झटके। गस एटकिंसन, जोफ्रा आर्चर और विल जैक्स को एक एक विकेट मिला। डिनर ब्रेक तक इंग्लैंड ने बिना विकेट गंवाए 45 रन बना लिए थे जिसमें जाक क्रॉली 26 और बेन डकेट 13 रन बनाकर खेल रहे थे। ऑस्ट्रेलिया ने चाय के विश्राम तक आठ विकेट पर 450 रन बनाए थे। स्टार्क ने इंग्लैंड के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ टेस्ट स्कोर बनाने के लिए ढाई घंटे से ज्यादा समय क्रीज पर बिताया। उन्होंने 10वें नंबर के खिलाड़ी स्कॉट बोलैंड के साथ 75 रन की भागीदारी की जो गाबा पर नौवें विकेट के लिए रिकॉर्ड साझेदारी है।

150 साल बाद तीसरी बार 11 बल्लेबाजों ने दोहरे अंक में बनाए रन

टेस्ट क्रिकेट के लगभग 150 साल में यह सिर्फ तीसरी बार हुआ है जब एक टेस्ट पारी में ऑस्ट्रेलिया के सभी 11 बल्लेबाजों ने दोहरे अंक में रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया के लिए पांच खिलाड़ियों ने अर्धशतक जमाए जिसमें स्टार्क भी शामिल रहे। उनसे पहले सलामी बल्लेबाज जेक वेदरल्ड (72), तीसरे नंबर के बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन (65), कार्यवाहक कप्तान स्टीव स्मिथ (61) और विकेटकीपर-बल्लेबाज एलेक्स कैरी (63) ने भी अर्धशतक पूरे किए। श्रृंखला में अब तक 16 विकेट लेने वाले तेज गेंदबाज स्टार्क शनिवार को एलेक्स कैरी (63) और माइकल नेसर के बीच सातवें विकेट के लिए 54 रन की साझेदारी टूटने के बाद चौथे ओवर में बल्लेबाजी करने उतरे। आस्ट्रेलियाई टीम ने सुबह छह विकेट पर 378 रन से अपनी पहली पारी आगे बढ़ाई। तब उसे 44 रन की बढ़त हासिल थी। कैरी ने इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स की गेंद पर एक रन लेकर जल्द ही अपना अर्धशतक पूरा कर लिया। नेसर (16) उसी ओवर में विकेट के पीछे कैच आउट हो गए। स्टार्क जब क्रीज पर उतरे तब ऑस्ट्रेलिया का स्कोर सात विकेट पर 383 रन था। स्टार्क ने 79वें ओवर में ब्रायडन कार्से पर चौका लगाकर ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 400 के पार पहुंचाया, जबकि कैरी नई गेंद लिए जाने के बाद तीसरे ओवर में ही आउट हो गए।

2025 में देश में सबसे ज्यादा गूगल सर्च किए गए वैभव, प्रियांश आर्य दूसरे नंबर पर

टॉप-10 में जेमिमा और स्मृति भी शामिल

नई दिल्ली, जेएनएन। 14 साल के बल्लेबाज वैभव साल 2025 में देश में सबसे ज्यादा सर्च किए जाने वाले पर्सनैलिटी बन गए हैं। वहीं, दुनिया भर में वह छठे सबसे ज्यादा सर्च किए जाने वाले पर्सनैलिटी रहे। आईपीएल, अंडर-19 और टी-20 में लगातार रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन के कारण पिछले एक साल में उनकी लोकप्रियता तेजी से बढ़ी है। इस साल वैभव ने आईपीएल में डेब्यू किया। वह लेफ्ट-हैंडेड बल्लेबाज हैं और टी-20 में सबसे कम उम्र में शतक लगाने वाले खिलाड़ी बने। गूगल ट्रेंड्स 2025 की सर्च लिस्ट में वैभव सूर्यवंशी के बाद प्रियांश आर्य दूसरे नंबर पर रहे। प्रियांश दिल्ली की ओर से खेलते हैं और आईपीएल में पंजाब किंग्स का हिस्सा हैं। तीसरे स्थान पर अभिषेक शर्मा रहे। हैरानी की बात यह रही कि टॉप-5 में आंध्र प्रदेश के गुन्टूर के 21 वर्षीय शेख रशीद भी शामिल रहे। टॉप-10 में महिला वर्ल्ड कप जीतने वाली जेमिमा रोड्रिग्स और स्मृति मांधना के नाम भी शामिल हैं। इसके अलावा करुण नायर, भारत अंडर-19 टीम के कप्तान ओपनर आयुष म्हात्रे भी लिस्ट में रहे। गुजरात के विकेटकीपर-बल्लेबाज उर्विल पटेल, और मुंबई-केरल के स्पिनर विग्नेश पुथुर भी इस सूची में शामिल रहे।

फीफा वर्ल्ड कप : 2026 के ग्रुप हुए तय

मेक्सिको और साउथ अफ्रीका के बीच होगा पहला मैच

19 जुलाई को होगा फाइनल | 3 देश एकसाथ करेंगे मेजबानी | 16 शहरों में खेले जाएंगे 104 मैच

नई दिल्ली, जेएनएन। फुटबॉल दुनिया का सबसे लोकप्रिय खेल है। अगले साल फुटबॉल का महाकुंभ फीफा वर्ल्ड कप खेला जाएगा। खास बात ये है कि इस टूर्नामेंट में कुल 48 टीमें हिस्सा लेंगी। यह पहली बार होगा, जब इतनी ज्यादा टीमें फीफा वर्ल्ड कप में हिस्सा लेंगी। इसी कारण से फैंस बहुत ही ज्यादा खुश हैं। फीफा विश्व कप 2026 के लिए 48 टीमों को 12 ग्रुप में बांटा गया है। इस टूर्नामेंट का पहला मुकाबला मेक्सिको और साउथ अफ्रीका के बीच खेला जाएगा। जबकि इस टूर्नामेंट का फाइनल 19 जुलाई को खेला जाएगा। मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना 2026 फीफा विश्व कप में अपने खिताब को बचाने के अभियान की शुरुआत अल्जीरिया के खिलाफ करेगा। दुनिया भर की निगाहें फिर से टीम के सुपरस्टार लियोनेल मेसी पर होंगी, जो इस टूर्नामेंट में रिकॉर्ड छठी बार हिस्सा ले सकते हैं। हालांकि मेसी ने अभी तक अपनी उपलब्धता को लेकर आधिकारिक घोषणा नहीं की है, लेकिन उनके नहीं खेलने की संभावना बेहद कम मानी जा रही है। फीफा वर्ल्ड कप के शेड्यूल का ऐलान कर दिया गया है।

- करीब 1.5 लाख की आबादी वाला कुराकाओ जनसंख्या के लिहाज से विश्व कप में हिस्सा लेने वाला सबसे छोटा देश बन गया है। उसका पहला मैच चार बार की चैंपियन जर्मनी से होगा। टीम के कोच डिक एडवोकेट ने इस उपलब्धि को पूरे द्वीप के लिए गर्व का पल बताया।

फीफा विश्व कप 2026 के लिए ग्रुप

ग्रुप ए	-मैक्सिको, द. अफ्रीका, द. कोरिया, एक टीम क्वालीफाई होकर आएगी
ग्रुप बी	-कनाडा, कतर, स्विट्जरलैंड, एक टीम क्वालीफाई होकर आएगी
ग्रुप सी	-ब्राजील, मोरक्को, हैती, स्कॉटलैंड
ग्रुप डी	-अमेरिका, पैराग्वे, ऑस्ट्रेलिया, एक टीम क्वालीफाई होकर आएगी
ग्रुप ई	-जर्मनी, कुराओ, आइवरी कोस्ट, इक्वाडोर
ग्रुप एफ	-नीदरलैंड, जापान, ट्यूनीशिया, एक टीम क्वालीफाई होकर आएगी
ग्रुप जी	-बेल्जियम, मिस्त्र, ईरान, न्यूजीलैंड
ग्रुप एच	-स्पेन, केप वर्डे, सऊदी अरब, उरुग्वे
ग्रुप आई	-फ्रांस, सेनेगल, फीफा प्लेऑफ-2, नॉर्वे
ग्रुप जे	-अर्जेंटीना, अल्जीरिया, ऑस्ट्रिया, जॉर्डन
ग्रुप के	-पुर्तगाल, फीफा प्लेऑफ-1, उज्बेकिस्तान, कोलंबिया
ग्रुप एल	-इंग्लैंड, क्रोएशिया, घाना, पनामा

सिटी स्पोर्ट्स

खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में रबीन्द्रनाथ टैगोर विवि ने जीता ब्रोंज

भोपाल, खेल प्रतिनिधि। खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2025 में रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय (आरएनटीयू) की मलखंभ पुरुष टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रनव कोरी, उत्कर्ष पांडे, पंकज गर्गमा, आदित्य गहलोत, यश ममोडिया, विश्नेश सुगंधी ने ब्रॉन्ज मेडल जीतकर विश्वविद्यालय एवं मध्य प्रदेश का गौरव पूरे देश में बढ़ाया है। खिलाड़ियों ने पूरे टूर्नामेंट में अद्वितीय संतुलन, लचीलापन, शक्ति एवं अनुशासन का परिचय देते हुए मजबूत दावेदारी प्रस्तुत की। टीम के खिलाड़ियों ने कठिन मुकाबलों के बीच शानदार तालमेल, तकनीक और सटीक मूव्स के दम पर लगातार शीर्ष स्थान के दावेदार बने रहते हुए पदक अपने नाम किया। प्रतियोगिता के दौरान विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों के दल का नेतृत्व स्पोर्ट्स ऑफिसर श्री सतीश अहिरवार द्वारा किया जा रहा है। वहीं मलखंभ पुरुष टीम के कोच श्री भरत बांधेवाल और मैनेजर विजय प्रताप सिंह के मार्गदर्शन और प्रशिक्षण ने इस उपलब्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

31वां इंटर प्रेस क्रिकेट टूर्नामेंट 4 जनवरी से

भोपाल, खेल प्रतिनिधि। 31वां इंटरप्रेस क्रिकेट टूर्नामेंट 4 जनवरी से ओल्ड कैंपियन मैदान पर खेला जाएगा। हर साल की तरह टूर्नामेंट दो ग्रुप में टी-20 फार्मेट में खेला जाएगा। टूर्नामेंट में इस बार भोपाल के अलावा इंदौर, ग्वालियर और जबलपुर की मीडिया टीमें भी भागीदारी करेंगी। इसमें प्रदेश की कुल 42 टीमों के 672 खिलाड़ी भागीदारी करेंगे। जरूरत पड़ने पर टूर्नामेंट के कुछ मैच फैथ क्रिकेट ग्राउंड और सेंचुरियन मैदान पर भी खेले जाएंगे। भोपाल खेल पत्रकार संघ के तत्वावधान में आयोजित होने वाले इस टूर्नामेंट की विजेता टीम को 1.00 लाख रुपए नकद पुरस्कार और चमचमाती ट्रॉफी भेंट की जाएगी। रनरअप टीम ट्रॉफी के साथ 50 हजार रुपए पाएगी। प्रतिदिन एक मैदान पर दो मैच खेले जाएंगे।

भोपाल डिवीजन ने सागर 18 रनों से हराया

भोपाल, खेल प्रतिनिधि। मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा आयोजित परमानंद भाई पटेल ट्रॉफी (चार दिवसीय) अंडर- 22 बॉयज इंटर डिविजनल क्रिकेट टूर्नामेंट भोपाल में फैथ क्रिकेट मैदान पर सागर डिवीजन और भोपाल डिविजन के मध्य चार दिवसीय मैच के चौथे दिन सागर डिवीजन फॉलोआन खेलते हुए कल के स्कोर 2/73 रन से आगे खेलते हुए 58.3 ओवरों में 210 रन बनाकर ऑल आउट हो गयीं। इस तरह भोपाल डिवीजन ने सागर डिवीजन को पारी और 18 रन से हराया।

सेंचुरियन और उड़ान अकादमी की जीत

भोपाल, खेल प्रतिनिधि। भोपाल डिविजन क्रिकेट एसोसिएशनऔर सेज ग्रुप द्वारा आयोजित स्वर्गीय श्री जी.एस.पठानिया सर अंडर -18 बॉयज इंटर क्लब /अकादमी क्रिकेट टूर्नामेंट आज ओल्ड कैंपियन मैदान पर सिली पॉइंट अकादमी और सेंचुरियन अकादमी के मध्य खेला गया, सेंचुरियन अकादमी ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवरों में 4 विकेट पर 270 रन बनाये, जिसमे प्रभाव श्रीवास्तव नें 112 रनऔर अनिमेष सक्सेना नें 87 रन बनाएं। उड़ान क्रिकेट अकादमी पहली पारी में बढ़त के आधार पर जीती।

'ड्रेस ऑफ जॉय'...

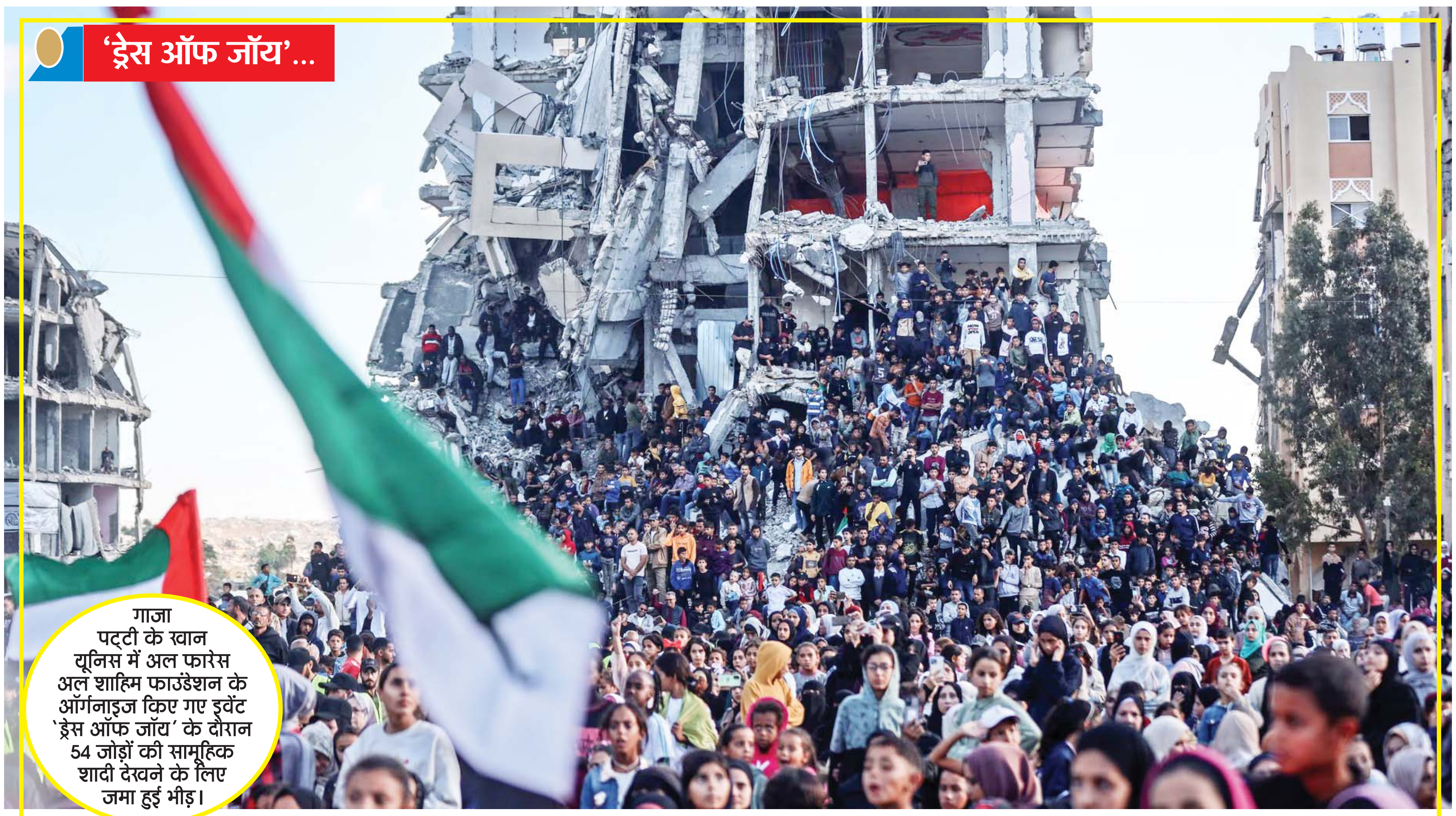

गाजा पट्टी के खान यूनिस में अल फारस अल शाहिम फाउंडेशन के ऑर्गनाइज किए गए इवेंट 'ड्रेस ऑफ जॉय' के दौरान 54 जोड़ों की सामूहिक शादी देखने के लिए जमा हुई भीड़।

सीआरईए की अक्टूबर की रिपोर्ट में खुलासा

10 सबसे प्रदूषित शहरों में गाजियाबाद सबसे जहरीला

नई दिल्ली, जेएनएन। दिल्ली के साथ-साथ एनसीआर के अन्य शहरों में भी वायु प्रदूषण की स्थिति गंभीर होती जा रही है। सेंटर फार रिसर्च आन एनर्जी एंड क्लीन एयर (सीआरईए) की मासिक रिपोर्ट के अनुसार, नवंबर में देश के 10 सबसे प्रदूषित शहरों में से 8 एनसीआर के हैं। इनमें सबसे खराब हवा गाजियाबाद की रही, उसके बाद नोएडा का स्थान रहा। पिछले साल की तुलना में दिल्ली की हवा की गुणवत्ता में सुधार हुआ है, लेकिन अन्य नौ शहरों की हवा इस बार पिछले नवंबर की तुलना में अधिक खराब रही। सीआरईए ने वायु गुणवत्ता निगरानी स्टेशनों से प्राप्त पीएम 2.5 के आंकड़ों के आधार पर नवंबर की रिपोर्ट जारी की है। इसमें गाजियाबाद नवंबर में देश का सबसे प्रदूषित शहर रहा, जहां पीएम 2.5 का औसत मासिक स्तर 224 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर दर्ज किया गया, जो राष्ट्रीय स्वच्छ वायु गुणवत्ता मानक (एनएक्यूएस) के निर्धारित 60 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से बहुत अधिक है। शहर में 19 दिन 'बहुत खराब', 10 दिन 'गंभीर' और एक दिन 'खराब' श्रेणी की वायु गुणवत्ता दर्ज हुई। नोएडा, बहादुरगढ़, दिल्ली, हापुड़, ग्रेटर नोएडा, बागपत, सोनीपत, मेरठ और रोहतक भी शीर्ष दस प्रदूषित शहरों में शामिल रहे। बहादुरगढ़ को छोड़कर इनमें से किसी भी शहर में एक भी दिन एनएक्यूएस मानक के भीतर वायु गुणवत्ता दर्ज नहीं हुई। चरखी दादरी, बुलंदशहर, जींद, मुजफ्फरनगर, गुरुग्राम, खुर्जा, भिवानी, करनाल, यमुनानगर और फरीदाबाद जैसे कई अन्य शहरों में भी पूरे महीने पीएम2.5 का स्तर मानक से ऊपर रहा।

आंकड़ों में प्रदूषण

224	माइक्रोग्राम पीएम 2.5 के साथ गाजियाबाद सबसे प्रदूषित शहर
255	शहरों में से 114 शहरों की हवा की गुणवत्ता उपयुक्त
23	शहर राजस्थान के सबसे अधिक प्रदूषित रहे
22	शहर हरियाणा के सबसे प्रदूषित श्रेणी में
14	शहर उत्तर प्रदेश के सबसे प्रदूषित
9-9	शहर मप्र और ओडिशा के सबसे प्रदूषित
07	शहर पंजाब के रहे सबसे प्रदूषित
10	सबसे प्रदूषित शहरों में 8 एनसीआर के

संक्षिप्त समाचार

मोबाइल फोन इंपोर्ट 75 से 0.02 फीसदी हुआ

नई दिल्ली, जेएनएन। संसद में पेश डेटा के मुताबिक, देश में मोबाइल फोन का इंपोर्ट 2024-25 में घरेलू डिमांड का 0.02 फीसदी रह गया है, जो 10 साल पहले 75 फीसदी था। इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने राज्यसभा में एक लिखित जवाब में बताया कि सरकार के उठाए गए कदमों के बाद, इलेक्ट्रॉनिक सामानों का प्रोडक्शन 2014-15 में 1.9 लाख करोड़ से 6 गुना बढ़कर 2024-25 में 11.3 लाख करोड़ रुपए हो गया है। इस दौरान देश में मोबाइल फोन का प्रोडक्शन 2014-15 में 18,000 करोड़ रुपये से 28 गुना बढ़कर 5.5 लाख करोड़ रुपये हो गया है।

साउथ अफ्रीका के हॉस्टल में गोलीबारी, 11 की मौत

जोहान्सबर्ग, जेएनएन। दक्षिण अफ्रीका में प्रिटोरिया के पास एक हॉस्टल में की गई गोलीबारी में 11 लोगों की मौत हो गई और 14 घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक कुल 25 लोगों को गोली मारी गई। यह हमला शनिवार तड़के उस वक्त हुआ, जब कुछ लोग हॉस्टल के अंदर मौजूद शराबखाने में शराब पी रहे थे। मरने वालों में 3 साल का बच्चा, एक 12 साल का लड़का और 16 साल की लड़की शामिल हैं। 3 साल का बच्चा उसी अवैध शराबखाने के मालिक का बेटा बताया जा रहा है। पुलिस प्रवक्ता एथलेन्दा मथे ने बताया कि हमले का मकसद फिलहाल साफ नहीं है और अभी तक किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है। यहां अवैध शराबखाने को लेकर विवाद चल रहा था।

'एक्स' पर 14 करोड़ डॉलर का बड़ा जुर्माना

नई दिल्ली, जेएनएन। यूरोपीय संघ (ईयू) के नियामकों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर यूरोपीय डिजिटल नियमों का उल्लंघन करने के आरोप में 12 करोड़ यूरो (करीब 14 करोड़ डॉलर) का भारी जुर्माना लगाया है। यह कार्रवाई डिजिटल सर्विसेज एक्ट के तहत की गई है। यूरोपीय आयोग ने बताया कि यह फैसला दो साल तक चली जांच के बाद लिया गया है। डीएसए यूरोपीय संघ का एक सख्त डिजिटल कानून है, जिसके तहत ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स को अपने यूजर्स की सुरक्षा सुनिश्चित करनी होती है। इसके तहत सोशल मीडिया कंपनियों पर यह जिम्मेदारी डाली गई है कि वे अपनी साइट से हानिकारक, भ्रामक और अवैध कंटेंट को प्रभावी तरीके से हटाएं। नियमों का उल्लंघन करने पर भारी जुर्माने का प्रावधान किया गया है। एक्स ने डीएसए की तीन प्रमुख शर्तों का उल्लंघन किया है।

सूडान में स्कूल पर ड्रोन हमला, 50 की मौत

नई दिल्ली, जेएनएन। सूडान के कालोगी शहर में एक स्कूल पर ड्रोन हमला किया गया। इस हमले में 50 लोगों की मौत हो गई, जिनमें 33 छोटे बच्चे थे। डॉक्टरों के एक ग्रुप ने बताया कि हमला सूडान की सिक्योरिटी फोर्सेज आरएसएफ ने किया। जब घायल लोगों की मदद के लिए पैरामेडिक्स मौके पर पहुंचे। इलाके में नेटवर्क और फोन सर्विस बंद होने की वजह से सही संख्या पता नहीं चल पाई है। आशंका है कि मरने वाले की संख्या इससे भी ज्यादा हो सकती है। आरएसएफ और सूडानी सेना के बीच दो साल से ज्यादा समय से लड़ाई चल रही है और हाल के दिनों में यह संघर्ष और तेज हो गया है। यूनिसेफ ने इस घटना की कड़ी आलोचना की है। यूनिसेफ के अधिकारी शेल्डन येट ने कहा कि स्कूल में बच्चों को मारना बच्चों के अधिकारों का बड़ा उल्लंघन है। उन्होंने दोनों पक्षों से अपील की है कि ऐसे हमले तुरंत रोके जाएं और राहत पहुंचाने वालों को सुरक्षित रास्ता दिया जाए ताकि जरूरतमंद लोगों तक मदद पहुंच सके।

व्हाइट रेवोल्यूशन 2.0 को लेकर सहकारिता मंत्री शाह बोले

सर्कुलर इकॉनमी से डेयरी किसानों की पांच साल में 20% बढ़ेगी आय

अहमदाबाद, जेएनएन। केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार को बनासकांठा में बनास डेयरी के बायो-सीएनजी और फर्टिलाइजर प्लांट का उद्घाटन किया। उन्होंने एक नए मिल्क पाउडर और बेबी फूड फैसिलिटी का भी शिलान्यास किया। शाह ने कहा, सर्कुलर इकॉनमी मॉडल से डेयरी किसानों की इनकम पांच साल में 20 फीसदी बढ़ जाएगी, जिसे उन्होंने व्हाइट रेवोल्यूशन 2.0 की ओर एक अहम कदम बताया। अमित शाह गुजरात के तीन दिन के दौरे पर हैं।

अगथला में बनास डेयरी के स्टेट-ऑफ-द-आर्ट बायो-सीएनजी और फर्टिलाइजर प्लांट के उद्घाटन और सनादर में 150-टीपीडी मिल्क पाउडर और बेबी फूड यूनिट की नींव रखने के साथ, शाह ने संकेत दिया कि गुजरात भारत को सर्कुलर इकॉनमी से चलने वाली ग्रामीण खुशहाली के एक नए युग में ले जाने के लिए तैयार है। शाह ने अपने भाषण की शुरुआत इस दावे के साथ की कि अगले पांच सालों में पशुपालकों की इनकम 20 परसेंट से ज्यादा बढ़ जाएगी।

शाह ने कहा, बनासकांठा में बनाया जा रहा मॉडल ज्यादा समय तक लोकल नहीं रहेगा। उन्होंने कहा, इस मॉडल को पूरे देश में लागू करने का एक ठोस प्लान आज सामने आएगा और कन्फर्म किया कि संसद सदस्य खास तौर पर बनास डेयरी के फ्रेमवर्क की स्टडी करने के लिए उनके साथ शामिल हुए थे। शाह ने पीएम मोदी के मंत्र 'सहयोग से खुशहाली' का जिक्र करते हुए कहा, कोऑपरेटिव संस्थाएं भारत के ग्रामीण विकास इकोसिस्टम की रीढ़ बन रही हैं। उन्होंने कहा, बनास डेयरी सिर्फ गुजरात की शान नहीं है, यह एशिया का कोऑपरेटिव मॉडल बन गया है, और इसके 24,000 करोड़ के टर्नओवर की तारीफ की। शाह ने पारंपरिक डेयरी इकोनॉमिक्स से वैल्यू-एडेड, वेस्ट-टू-वेल्थ मॉडल में बदलाव पर जोर देते हुए कहा कि अब किसान सिर्फ दूध से ही नहीं, बल्कि गाय के गोबर से भी कमाएंगे। यह प्रोजेक्ट कचरे को वेल्थ में बदलने की दिशा में एक कदम है।

इस प्रोजेक्ट को सर्कुलर इकोनॉमी का एक टेक्स्टबुक उदाहरण बताते हुए शाह ने बताया कि कैसे मवेशियों के गोबर से बायो-सीएनजी बनेगा, जबकि बचे हुए हिस्से को ऑर्गेनिक फर्टिलाजर में प्रोसेस किया जाएगा, जिससे केमिकल विकल्पों पर निर्भरता कम होगी, मिट्टी की हेल्थ बेहतर होगी और किसानों के लिए इनपुट कॉस्ट सीधे कम होगी। उन्होंने किसानों से नेचुरल फार्मिंग अपनाने की अपील की, और कहा कि इससे मिट्टी की क्वालिटी और पब्लिक हेल्थ बेहतर होगी, और नए प्लांट से सस्ती फर्टिलाइजर मिलेगी। भविष्य में वैल्यू बढ़ाने पर अपना ध्यान केंद्रित करते हुए, शाह ने कहा कि भारत को अब पनीर और दही से आगे सोचना चाहिए। उन्होंने कहा, ग्लोबल डिमांड वाले ऐसे प्रोडक्ट हैं जो इंडिया अभी भी नहीं बनाता है। अगर हम उन्हें बनाते हैं, तो हमारे किसान और भी ज़्यादा कमाएंगे, उन्होंने आने वाले बेबी फ़ूड और मिल्क पाउडर प्लांट को डायवर्सिफिकेशन में पहला कदम बताया।

जब तक चाहें, भारत में रह सकती हैं हसीना: जयशंकर

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शनिवार को पूर्व बांग्लादेशी प्रधानमंत्री शेख हसीना के भारत में ठहरने को उनकी निजी पसंद बताया। उन्होंने कहा, इसका निर्णय उन परिस्थितियों से प्रभावित है, जिनके चलते वे भारत आईं। 78 वर्षीय शेख हसीना पिछले साल अगस्त में भारत आई थीं, जब बांग्लादेश में उनकी 15 साल की सत्ता का अंत हिंसा के बीच हुआ था। इस हिंसा में सैकड़ों लोगों की मौत हुई और हजारों घायल हुए थे। पिछले महीने ढाका की एक विशेष अदालत ने उन्हें मौत की सजा सुनाई थी। शनिवार को लीडरशिप समिट-2025 के आखिरी दिन चर्चा के दौरान विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शेख हसीना के भारत में लंबे समय तक रहने और भारत-बांग्लादेश संबंधों पर विस्तार से बात की। उन्होंने स्पष्ट किया कि शेख हसीना का भारत में रहना मूलतः उनका व्यक्तिगत फैसला है, लेकिन जिन परिस्थितियों में वे सत्ता छोड़कर भारत आईं वे इस फैसले के पीछे महत्वपूर्ण कारक हैं। जयशंकर ने कहा-वह एक खास परिस्थिति में यहां आई थीं और मुझे लगता है कि वह परिस्थिति स्पष्ट रूप से इस बात में भूमिका निभाती है कि उनके साथ आगे क्या होगा, फिर भी अंतिम फैसला उन्हें ही करना है। विदेश मंत्री ने यह भी दोहराया कि भारत ने शेख हसीना को आश्वासन दिया है कि वह जब तक चाहें, भारत में रह सकती हैं।

मेरे पिता कहते हैं ईवीएम में गड़बड़, मैं नहीं मानता: उमर

विपक्ष के सबसे बड़े मुद्दे पर एनसी का बड़ा दावा

नई दिल्ली, जेएनएन। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने विपक्ष के सबसे बड़े मुद्दे ईवीएम हैक को लेकर अपनी बात रखी है। नई दिल्ली में आयोजित एक लीडरशिप समिट में अब्दुल्ला ने कहा कि वह उन लोगों में से नहीं हैं, जो यह मानते हैं कि ईवीएम हैक होती है या कुछ और होता है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर उनकी पिता (फारुख अब्दुल्ला) से भी नहीं बनती है, क्योंकि उनका मानना है कि मशीन में गड़बड़ होती है, लेकिन वह ऐसा नहीं मानते। लीडरशिप समिट में उमर ने कहा, 'मैं ऐसा नहीं मानता कि मशीन (ईवीएम) में चोरी होती है। यह बात मुझे घर में भी परेशानी में डालती है, क्योंकि मेरे पिता को ऐसा लगता है कि चोरी होती है। अगर वह इसे देख रहे हैं, तो मैं उनसे माफी मांगता हूं, लेकिन वह उस पीढ़ी से हैं, जो उनके फोन पर आता है वह उस बात को मान लेते हैं, लेकिन मैं इस बात को नहीं मानता हूं।' उन्होंने कहा, 'हां, चुनाव के साथ छेड़छाड़ की जा सकती है। यहां वोटर लिस्ट के साथ करके या फिर विधानसभा क्षेत्र में बदलाव करके भी की जा सकती है।

बंगाल: 'बाबरी' की तरह बनने वाली मस्जिद की रखी नींव

मुर्शिदाबाद में दो लाख से अधिक लोग ईंट लेकर पहुंचे

मुर्शिदाबाद/कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के बेलडांगा में शनिवार को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) से निलंबित विधायक हुमायूं कबीर ने अयोध्या की बाबरी मस्जिद की तर्ज पर बनने वाली नई मस्जिद की आधारशिला रखी। भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने मौलवियों के साथ मंच पर फीता काटकर शिलान्यास की औपचारिकता पूरी की। कार्यक्रम में 2 लाख से ज्यादा लोगों की मौजूदगी का दावा किया गया है। बंगाल के अलग-अलग जिलों से लोग अपने सिर पर, ट्रैक्टर-ट्रॉलियों, रिक्शों और वैनों में ईंट लेकर कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे।

इलाके में हाई अलर्ट : बेलडांगा और आसपास के इलाकों में सुबह से ही हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया था। सेंट्रल आर्म्ड फोर्स की 19 टीमें, रैपिड एक्शन फोर्स, बीएसएफ और स्थानीय पुलिस की कई टुकड़ियां तैनात की गईं। कुल मिलाकर 3 हजार से ज्यादा सुरक्षाकर्मी पूरे इलाके में मुस्तैद रहे।

47 को किया था ऐलान: कबीर ने 25 नवंबर को ऐलान किया था कि वे 6 दिसंबर को विवादित ढांचे 'बाबरी' की तर्ज पर बनने वाली मस्जिद की नींव रखेंगे। इसके बाद राजनीतिक हलचल तेज हो गई थी। 4 दिसंबर को तृणमूल कांग्रेस ने हुमायूं कबीर को पार्टी से निलंबित कर दिया था।

निर्माण रोकने की रची जा रही थी साजिश: हुमायूं : कार्यक्रम से पहले हुमायूं कबीर ने दावा किया था कि इस आयोजन को रोकने के लिए हिंसा भड़काने की साजिशें रची जा रही हैं। इससे पहले उन्होंने कहा था, 'मैं हर हाल में मस्जिद की नींव रखूंगा। कोई ताकत इसे रोक नहीं सकती।

सेक्सुअल हैरेसमेंट केस: कोर्ट ने मीडिएशन के लिए भेजा

नई दिल्ली, जेएनएन। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कोच्चि की एक आईटी फर्म के सीईओ वेणु गोपालकृष्णन के खिलाफ सेक्सुअल हैरेसमेंट केस में पार्टियों को सुझाव दिया कि वे मतभेद सुलझाने के लिए मीडिएशन की कोशिश करें। जस्टिस बीवी नागरत्ना और केवी विश्वनाथन की बेंच ने मामला सुप्रीम कोर्ट मीडिएशन सेंटर को भेज दिया और दोनों पार्टियों को 7 जनवरी, 2026 को उसके सामने पेश होने को कहा। बेंच ने आदेश दिया, हमने पिटीशनर के सीनियर वकील, रेस्पोंडेंट स्टेट के वकील और कंप्लेंट करने वाले के वकील को सुना है। इस केस के फैक्ट्स को देखते हुए हम पाते हैं कि सभी पार्टियों के हित में एक सेटलमेंट होना चाहिए। इसलिए, हम इस मामले को टाल रहे हैं। पार्टियों के बीच सेटलमेंट की संभावना तलाशने के लिए मामला सुप्रीम कोर्ट मीडिएशन सेंटर को भेजा जाता है। पार्टियों को 7 जनवरी 2026 को या तो खुद आकर या वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सुबह 11.30 बजे सेंटर के सामने पेश होने का निर्देश दिया जाता है। मामले की अगली सुनवाई 2 फरवरी, 2026 को तय करते हुए, बेंच ने यह भी निर्देश दिया कि मीडिएटर की रिपोर्ट रिकॉर्ड में रखी जाए।

'कोई भी डिश 30 रु. में'

बेंगलुरु के पब के ऑफर से बढ़ी भीड़, ट्रैफिक हुआ जाम

बेंगलुरु, जेएनएन। बेंगलुरु के हेब्बल में एक जाने-माने पब में एक प्रमोशनल फूड ऑफर के चलते बुधवार को पब्लिक में अफरा-तफरी का माहौल बन गया, जब पब ने अनाउंस किया कि उसकी तीसरी एनिवर्सरी सेलिब्रेशन के हिस्से के तौर पर कोई भी डिश सिर्फ 30 रुपए में मिलेगी। सोशल मीडिया पर बड़े पैमाने पर एडवर्टाइज किए गए इस लुभावने डील ने उम्मीद से कहीं ज्यादा भीड़ खींच ली, जिससे पब की लिमिटेड कैपेसिटी खत्म हो गई और इलाके में ट्रैफिक जाम हो गया। हालात इतने बिगड़ गए कि पब्लिक में अफरा-तफरी मच गई, जिससे पब जल्दी बंद हो गया और बेंगलुरु में बहुत ज्यादा ट्रैफिक जाम हो गया। हालात इतने बिगड़ गए कि पब्लिक में अफरा-तफरी मच गई, जिससे पब जल्दी बंद हो गया और बेंगलुरु में बहुत ज्यादा ट्रैफिक जाम हो गया। हालांकि, पब में करीब 300 लोग बैठ सकते थे, लेकिन करीब 1,000 कस्टमर आ गए, जिससे पब के अंदर और बाहर लंबी लाइनें लग गईं। स्टाफ मेंबर बढ़ती भीड़ को संभालने के लिए जूझ रहे थे, जो दोपहर तक बढ़ती रही। रिपोर्ट में कहा गया है कि व्यवस्था बनाए रखने में नाकाम रहने पर, मैनेजमेंट ने तय समय से कई घंटे पहले, शाम 4 बजे से पहले ही दुकान बंद कर दी। निराश कस्टमर ने कहा कि पूरी प्लानिंग न होने और साफ बातचीत की कमी से हालात और खराब हो गए। कई लोगों ने शिकायत की कि लंबी दूरी तय करने के बावजूद उन्हें ऑफर जल्दी खत्म होने की पहले से कोई जानकारी नहीं मिली। रिपोर्ट में कहा गया है कि गाड़ियों की भारी भीड़ की वजह से आस-पास की सड़कों पर बहुत ज़्यादा जाम लग गया।

पाक-अफगान सीमा पर फिर गोलीबारी, 4 की मौत

काबुल/इस्लामाबाद, जेएनएन। पाकिस्तान और अफगानिस्तान की चमन-स्पिन बोल्डक बॉर्डर पर शुक्रवार को एक बार फिर भारी गोलीबारी हुई। गोलीबारी रात करीब 10 बजे शुरू हुई और देर रात तक चलती रही। दोनों देश एक-दूसरे पर हमला शुरू करने का आरोप लगा रहे हैं। गोलीबारी में 4 अफगानी मारे गए और 4 घायल हो गए हैं। अफगान तालिबान के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने कहा, पाक ने पहले कंधार के स्पिन बोल्डक इलाके में हमला किया, जिसके जवाब में सेना ने जवाबी कार्रवाई की। पाक अधिकारियों का दावा है कि अफगान सेना ने बिना उकसावे के चमन बॉर्डर पर गोलीबारी शुरू की, जिसके बाद पाकिस्तानी फोर्सेस ने मुंहतोड़ जवाब दिया। प्रधानमंत्री के प्रवक्ता मोशर्रफ जैदी ने कहा, पाकिस्तान अपनी सरहद और लोगों की हिफाजत के लिए पूरी तरह सतर्क और तैयार है। इससे 48 घंटे पहले ही दोनों देशों के बीच शांति वार्ता हुई थी। हालांकि, यह बातचीत बेनतीजा रही। यह ताजा झड़प उस वक्त हुई है जब 2-4 दिसंबर को सऊदी अरब में दोनों देशों के बीच तीसरे शांति वार्ता बिना किसी नतीजे के खत्म हुई थी।

स्वास्थ्य | किंग्स कॉलेज लंदन के वैज्ञानिकों की रिसर्च

वैज्ञानिकों ने खोजा खाने में छिपा पावरफुल हार्ट बूस्ट्र

हेल्थ-वॉच

लंदन, जेएनएन। जो लोग अक्सर चाय, कॉफी, बेरीज, कोको, नट्स, साबुत अनाज और ऑलिव ऑयल जैसे पॉलीफेनॉल से भरपूर खाने और ड्रिंक्स खाते हैं, उन्हें समय के साथ बेहतर हार्ट हेल्थ मिल सकती है। किंग्स कॉलेज लंदन की एक टीम ने बताया कि जिन लोगों ने पॉलीफेनॉल से भरपूर डाइट पैटर्न फॉलो किया, उनमें कार्डियोवैस्कुलर बीमारी (सीवीडी) का रिस्क कम था। पॉलीफेनॉल नेचुरली पाए जाने वाले प्लांट कंपाउंड हैं जो हार्ट, ब्रेन और गट के लिए सपोर्ट सहित कई तरह के हेल्थ बेनिफिट्स से जुड़े हैं। हाल ही में बीएमसी मेडिसिन में पब्लिश हुई स्टडी में ट्विंस यूके ग्रुप के 3,100 से ज्यादा एडल्ट्स को दस साल से ज्यादा समय तक ट्रैक किया गया। इसमें पाया गया कि पॉलीफेनॉल के कुछ ग्रुप से भरपूर डाइट हेल्दी ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल लेवल से जुड़ी थीं, जिससे सीवीडी रिस्क स्कोर कम करने में मदद मिली। पहली बार, रिसर्चर्स ने यूरिन मेटाबोलाइट्स के एक बड़े सेट का भी असेसमेंट किया जो तब दिखाई देते हैं जब शरीर पॉलीफेनॉल को प्रोसेस करता है। इन बायोमार्कर से पता चला कि जिन लोगों में पॉलीफेनोल मेटाबोलाइट्स (खासकर फ्लेवोनॉयड्स और फेनोलिक एसिड से जुड़े) का लेवल ज्यादा था, उनका कार्डियोवैस्कुलर रिस्क स्कोर कम था। उनमें एचडीएल कोलेस्ट्रॉल भी ज्यादा था, जिसे 'अच्छा' कोलेस्ट्रॉल भी कहा जाता है।

पॉलीफेनोल इनटेक को मापने के लिए नया स्कोरिंग टूल

डाइटरी पैटर्न को बेहतर ढंग से समझने के लिए रिसर्चर्स ने एक नए डिजाइन किए गए पॉलीफेनोल डाइटरी स्कोर (पीपीएस) का इस्तेमाल किया। यह स्कोर यूके में 20 आम पॉलीफेनोल-रिच फूड्स के इनटेक को दिखाता है, जिसमें चाय, कॉफी, बेरीज़, ऑलिव ऑयल, नट्स और साबुत अनाज शामिल हैं। पीपीएस ने टोटल पॉलीफेनोल इनटेक के अनुमानों की तुलना में कार्डियोवैस्कुलर हेल्थ से ज्यादा मजबूत लिंक दिखाए। टीम ने सुझाव दिया कि ऐसा इसलिए हो सकता है क्योंकि पीपीएस किसी एक कंपाउंड पर फोकस करने के बजाय पूरी खाने की आदतों को कैप्चर करता है। यह इस विचार को सपोर्ट करता है कि पूरी डाइट को देखने से यह साफ तस्वीर मिलती है कि पॉलीफेनोल-रिच फूड्स मिलकर लंबे समय तक दिल की सेहत में कैसे योगदान देते हैं।

ESSARJEE संपदा PHASE - 4
Bhopal By-Pass Road, Khajurikalan Square,
Near Proposed ISBT
Khajurikalan, Bhopal
Well Connected With Raisen Road.
BLOCK-A
RERA REG. No. P-BPL-22-3367
FLATS & SHOPS AVAILABLE
FLATS STARTING AT 25 Lakh*
ALSO AVAILABLE
DUPLEX ₹ 40 LAKH* ONWARDS
SINGLEX ₹ 30 LAKH* ONWARDS
PLOT ₹ 3000/-Sqft.*
RERA REGISTERED PROJECT P-BPL-17-445 P-BPL-17-938
Call : 9691927000
ESSARJEE CONSTRUCTIONS PVT. LTD.
BUILDERS, DEVELOPERS AND COLONISERS
Corporate Office : "Essarjee House", Z-10, Zone-1, M.P. Nagar, Bhopal-11
Contact No. : 0755-2558221, 2559665

दैनिक जागरण वर्गीकृत

जागरण क्लासीफाइड डबल धमाका
हमारा वादा, कम में ज्यादा
एक के साथ एक फ्री स्कीम
रनिंग क्लासीफाइड के साथ
भोपाल संस्करण ₹300/- संपूर्ण म.प्र. संस्करण ₹500/-
विज्ञापन बुकिंग हेतु संपर्क करें 9826065324
डिस्प्ले क्लासीफाइड ₹50/-
Email : advtbhopaljagran@gmail.com

अण्डा
BHOPAL EGG RATE 680/-
Rate Suggested by RS Agro P.I.P.L. and Associated Poultry farmers.

सलाह
पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी भी विज्ञापन पर कार्रवाई करने से पूर्व आवश्यक/सम्पूर्ण जानकारी कर लेवें। यह समाचार पत्र विज्ञापनदाता द्वारा किये गये किसी भी प्रकार के दावे/प्रस्तुतीकरण के लिए जिम्मेदार नहीं है। -व्यवस्थापक

www.dainikjagranmpcg.com
दैनिक जागरण
SUNDAY भोपाल, 07 दिसंबर 2025

यूरिया की कमी से परेशान किसानों का चक्काजाम

जागरण, झाबुआ। जिले के पेटलावद में यूरिया खाद की कमी से परेशान किसानों ने चक्काजाम कर दिया। भारतीय किसान यूनियन के बैनर तले यह प्रदर्शन रायपुरिया मार्ग पर मंडी के सामने किया गया। इस दौरान सड़क के दोनों ओर यात्री बसें फंस गईं। भारतीय किसान यूनियन के महामंत्री जितेंद्र पाटीदार ने बताया कि अधिकारियों को लगातार शिकायत करने के बावजूद यूरिया की नियमित आपूर्ति नहीं की जा रही है।

तीन दिवसीय जैविक मेले का आयोजन 12 से

जागरण, इंदौर। शहर जैविक महोत्सव का आयोजन होगा। यह तीन दिवसीय मेला 12, 13 और 14 दिसंबर को इंदौर के ग्रामीण हाट बाजार, ढक्कनवाला कुआं में चलेगा। महोत्सव में जैविक और प्राकृतिक खेती से जुड़े उत्पादों का सीधा विक्रय और प्रदर्शन किया जाएगा, जिससे उत्पादकों और उपभोक्ताओं के बीच प्रत्यक्ष संवाद स्थापित होगा। मेले का उद्देश्य इंदौर को स्वच्छता के साथ स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी अग्रणी बनाना है।

दिसंबर में पहली बार शीतलहर, भोपाल-इंदौर में कड़ाके की ठंड

मौसम: शनिवार को दस जिलों में शीतलहर का प्रभाव, शहडोल के कल्याणपुर में सबसे कम 4 डिग्री रहा रात का पारा, 26 जिलों में 10 डिग्री से कम

कार्यालय संवाददाता, भोपाल। प्रदेश में एक बार फिर शीत लहर का दौर शुरू हो गया है। शनिवार को मध्य प्रदेश के 5 जिलों में शीत लहर, 2 जिलों में तीव्र शीत लहर और 3 जिलों में शीतल दिन रहा। दिसंबर के महीने में यह पहली बार है, जब भोपाल सहित अन्य जिलों में शीत लहर चली है। मौसम केंद्र भोपाल ने रविवार के लिए भी प्रदेश के पांच जिलों में शीत लहर की चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग से मिली जानकारी अनुसार शनिवार को प्रदेश के अधिकांश जिलों में तापमान में गिरावट के कारण कड़ाके की ठंड रही। सुबह के समय कोहरा छाया रहा। जिससे दृश्यता में भी गिरावट आई। प्रदेश में ठंड बढ़ने का कारण उत्तर भारत की ओर से आ रहीं बर्फीली हवाएं हैं।

भोपाल में 6.9 और इंदौर में 6.2 रहा पारा: शनिवार को प्रदेश के कई जिलों में न्यूनतम पारा दस डिग्री से नीचे दर्ज किया गया। इसमें बड़े शहरों की बात करें तो राजधानी भोपाल में न्यूनतम तापमान 6.9 डिग्री दर्ज किया गया। जो कि सामान्य से 5.5 डिग्री कम रहा। इसी के साथ इंदौर में भी पारे में गिरावट दर्ज की गई, यहां न्यूनतम तापमान 6.2 डिग्री रहा। दिसंबर के महीने में यह पहली बार है जब इंदौर व भोपाल में पारा 7 डिग्री से नीचे आया है। हालांकि नवंबर के महीने में तापमान इससे भी नीचे जा पहुंचा था।

भोपाल में शनिवार को ये रही तापमान की चाल

सुबह 5:30 बजे-	**8.6**
सुबह 8: 30 बजे-	**11.6**
दोपहर 11: 30 बजे-	**21.4**
दोपहर 2: 30 बजे-	**24.2**
शाम 5: 30 बजे-	**21.4**
रात 8: 30 बजे-	**11.8**

पांच सबसे कम तापमान वाले स्थान

1. कल्याणपुर, शहडोल-	**4.0**
2. उमरिया	**4.8**
3. राजगढ़	**5.0**
4. पचमढ़ी	**5.2**
5. रीवा	**5.4**

उत्तर में बर्फबारी से बढ़ेगी ठंड

मौसम विभाग के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ के असर से मध्य प्रदेश के मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। प्रदेश में बर्फीली हवाएं चलेंगी और तापमान में भी 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट दर्ज की जाएगी। 15-20 दिसंबर के बाद कोल्ड डे, कोहरे और शीतलहर की स्थिति देखने को मिल सकती है। दिसंबर अंत और जनवरी में 20 से 22 दिन कोल्ड वेव यानी, सर्द हवाओं के साथ घने कोहरे की भी स्थिति बन सकती है।

चार डिग्री तक लुढ़का मप्र में पारा

मध्य प्रदेश के मौसम में उतार-चढ़ाव जारी है, प्रदेश के कई शहरों में एक बार फिर से कड़ाके की ठंड शुरू हो गई है। कई शहरों का तापमान 4 से 5 डिग्री तक लुढ़क गया है। हवाओं का रुख उत्तरी एवं उत्तर-पश्चिमी होने से न्यूनतम तापमान में कमी देखने को मिल रही है। शहडोल जिले का कल्याणपुर प्रदेश में सबसे ज्यादा ठंडा रहा यहां का न्यूनतम तापमान 4.0 डिग्री दर्ज किया गया। राजधानी भोपाल समेत प्रदेश के 26 जिलों का तापमान 10 डिग्री से कम दर्ज किया गया। भोपाल में दिन भर धूप खिली रही लेकिन ठंडी हवाओं के कारण दिन में ठंड देखने को मिली।

विजिबिलिटी में गिरावट शुरू, कोहरा बढ़ा

प्रदेश में बढ़ी कड़ाके की ठंड असर अब साफ नजर आने लगा है। शनिवार को भोपाल सहित कई जिलों में विजिबिलिटी कम रही। हालांकि सुबह के समय कोहरा छाया रहता है, इससे विजिबिलिटी कमजोर रही। मौसम केंद्र भोपाल के अनुसार शनिवार सुबह सात बजे भोपाल में बिजिबिलिटी 2 हजार मीटर दर्ज की गई, जबकि सामान्य दिनों में 5 से 6 हजार मीटर तक रहती है।

"ट्वीट ऑफ द डे"

उमर अब्दुल्ला
सीएम जेके

विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन इस समय जीवन रक्षक प्रणाली पर है और अंदरूनी खींचतान एवं भाजपा की 24 घंटे चलने वाली चुनावी मशीन से मुकाबला करने में विफल रहने की वजह से उसके 'आईसीयू' में जाने का भी खतरा है। कभी-कभी कोई अपना चप्पू निकालता है और हमें थोड़ा झटका देता है, और हम फिर से उठ खड़े होते हैं। दुर्भाग्य से, बिहार जैसे परिणाम आते हैं और हम फिर से नीचे गिर जाते हैं, और फिर किसी को हमें आईसीयू में ले जाना पड़ता है।

संक्षिप्त खबरें

जबलपुर के इंद्राना गांव में 30 से ज्यादा तेंदुओं के मूवमेंट से दहशत

जागरण, जबलपुर। जिले के इंद्राना गांव में बीते दो सप्ताह से तेंदुओं ने दहशत मचा रखी है। गांव के आसपास तीन से चार तेंदुओं का झुंड दिखाई दे रहा है। इस कारण डर का माहौल है और शाम होते ही ग्रामीण अपने घरों में कैद हो जाते हैं। वन विभाग ने भी माना है कि इंद्राना सहित सिहोरा और कटंगी क्षेत्र में लगातार तेंदुओं का मूवमेंट हो रहा है और उनकी संख्या बढ़ रही है। वन विभाग के अनुसार, शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में मिलाकर जिले में 30 से अधिक तेंदुए घूम रहे हैं। लोगों को घने जंगल में अकेले नहीं जाने की चेतावनी दी है। ग्रामीणों ने बताया कि शनिवार सुबह तेंदुए ने गाय का शिकार किया था। वे भागकर गांव पहुंचे और ग्रामीणों को इसकी जानकारी दी। इससे पहले भी एक तेंदुआ गांव के भीतर तक घुस चुका था, उसने आसपास घूम रही बकरियों और कुत्तों का शिकार किया था।

धर्मेंद्र के 90वें जन्मदिन पर फैंस भी होंगे शामिल

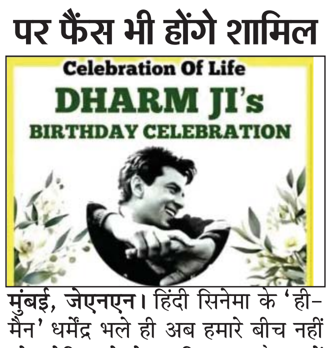

मुंबई, जेएनएन। हिंदी सिनेमा के 'ही-मैन' धर्मेंद्र भले ही अब हमारे बीच नहीं रहे, लेकिन देओल परिवार उनके 90वें जन्मदिन को श्रद्धांजलि दिवस के रूप में मनाने जा रहा है। धर्मेंद्र का निधन 24 नवंबर को 89 वर्ष की उम्र में हुआ था। वे 8 दिसंबर को 90वां जन्मदिन मनाने वाले थे। ऐसे में परिवार ने फैसला किया है कि इस दिन को उनकी याद में विशेष रूप से मनाया जाएगा, जिसमें उनके फैंस भी शामिल हो सकेंगे। पहले यह कार्यक्रम खंडाला स्थित फार्महाउस में आयोजित होना था, लेकिन प्रशासनिक अनुमति न मिलने के कारण अब इसे मुंबई में करने का निर्णय लिया गया है।

महिलाओं के लिए 33 फीसदी आरक्षण जरूरी

जबलपुर। मप्र स्टेट बार कॉउंसिल के वाईस चेयरमेन एवं जिला अधिवक्ता संघ के पूर्व अध्यक्ष आरके सिंह सैनी ने कहा है कि महिला अधिवक्ताओं की बढ़ती हुई संख्या को देखते हुए स्टेट बार काउंसिल और अन्य अधिवक्ता संघों में महिला अधिवक्ताओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण जरूरी है ताकि उनका सही से काउंसिल एवं संघों में प्रतिनिधित्व हो सके। श्री सैनी ने बताया कि इसके लिए सुप्रीम कोट में एक पीआईएल लगी हुई है, जिसमें कल 8 दिसंबर को सुनवाई होना है। जिसकों लेकर आज सात दिसंबर को बार कांउसिल ऑफ इण्डिया की एक महत्वपूर्ण बैठक दिल्ली में हो रही है, जो कि स्वागत योग्य है।

गर्मी से अनाज सूखा और वजन कम हुआ तो कटेगा कर्मचारियों का वेतन

वेयर हाउसिंग कॉरपोरेशन ने सूखत को लेकर अब तक नहीं बनाए स्पष्ट नियम

कपिल तुलसानी, भोपाल। केंद्र सरकार द्वारा किए जा रहे खरीफ फसलों जैसे धान व मोटे अनाज का उपार्जन किया जा रहा है और इनका भंडारण एमपी वेयर हाउसिंग कॉरपोरेशन के गोदामों में किया जाना है। लेकिन हर साल खरीफ फसलों के भंडारण व भुगतान के दौरान फसलों के वजन में अंतर देखने को मिलता है, लेकिन इस बार केंद्र सरकार ने खरीफ फसलों के भंडारण व भुगतान के समय नमी के चलते वजन में होने वाले अंतर का प्रतिशत तय कर दिया है। इन नियमों के तहत अनाज के वजन में 1 से 4 प्रतिशत तक की कमी को मंजूरी दी गई है, लेकिन यदि अनाज निर्धारित मानकों से कम पाया जाता है, तो इसका भुगतान वेयर हाउसिंग कॉरपोरेशन के मैनेजर व कर्मचारियों का वेतन काटकर किया जाएगा। क्योंकि एमपी वेयर हाउसिंग कॉरपोरेशन ने अब तक खरीफ फसलों की प्राकृतिक सूखत को लेकर नियम नहीं बनाए हैं। दूसरी ओर सेंट्रल वेयर हाउस तमिलनाडु, राजस्थान और पंजाब सहित कई अन्य राज्य नेफेड, मार्कफेड और एनसीसीएफ के द्वारा तय नियमों का पालन करते हैं। जिसके चलते वहां के कर्मचारियों को किसी भी तरह की परेशानी नहीं होती है।

नियम न होने से कई रिटायर्ड कर्मचारियों का रोका गया भुगतान: दूसरी ओर केंद्र के नए नियमों से एमपी वेयर हाउसिंग कॉरपोरेशन के मैनेजर और कर्मचारी असमंजस में हैं। कर्मचारियों का तर्क है कि तेज धूप, शुष्क मौसम व गर्मी के कारण खरीफ फसल में सूखत बढ़ती है और कुछ अन्य प्राकृतिक नियमों के चलते भी खरीफ की कई फसलों का वजन 2 से 6 महीने के बीच कम होता है। ऐसे में यदि भुगतान 6 माह बाद होता है तो फसल में सैकड़ों क्विंटल की कमी आ सकती है, जिसके चलते वेयर हाउस में काम करने वाले कर्मचारी परेशानी में आ जाते हैं। इस कारण एमपी वेयर हाउसिंग कॉरपोरेशन को कर्मचारी हित में फसल की सूखत को लेकर स्पष्ट नियम बनाना चाहिए। एमपी वेयर हाउस के नियम निर्धारित न होने से कई निगम के कई रिटायर्ड कर्मचारियों पर अनावश्यक रूप से दायित्व निर्धारित किए गए हैं, जिसके चलते रिटायर होने के बाद भी निगम मंडल से होने वाले उनके भुगतान नहीं हो पा रहे हैं, जिसके कारण कुछ रिटायर्ड शाखा प्रबंधक मानसिक तनाव के चलते बीमार भी हो गए हैं। ऐसे में कर्मचारी स्पष्ट नियम बनाकर इनका भुगतान करने की बात कह रहे हैं।

सात खरीफ फसलों के लिए तय किए हैं यह नियम

स्कंध	जमा के समय नमी	भुगतान के समय नमी	प्राकृतिक सूखत के कारण वजन में कमी
धान	15-17	10-11	2-6
ज्वार	13-15	9-10	3-4
बाजरा	12-15	9-10	2-3
सरसो	7-8	5-7	1-2
मूंग	12	9.5-10.5	1-2
उड़द	12	9.5-10.5	1-2
तुअर	12	9.5-10.5	2-3

(सभी आंकड़े प्रतिशत में)

दो महीने तक	अधिकतम 2 फीसदी
चार महीने तक	अधिकतम 3 फीसदी
छह महीने तक	अधिकतम 4 फीसदी
छह माह से ज्यादा	अधिकतम 5 फीसदी

इस कारण वजन में आता है अंतर

धान, मोटा अनाज व दलहन की फसलों का उपार्जन नवंबर से दिसंबर माह के दौरान होता है। इस दौरान फसलों में नमी होती है और मौसम ठंडा होने के चलते फसल का वजन कांटे पर अधिक होता है। साथ ही इन फसलों का भुगतान व उठाव आमतौर पर मार्च से जून के बीच होता है। ऐसे में मौसम के शुष्क व गर्म होने के कारण सूखत अधिक होती है, जिसके चलते फसल के वजन में अंतर देखने को मिलता है। साथ ही वेयर हाउसिंग कॉरपोरेशन द्वारा भी धान, मोटे अनाज, दलहन व तिलहन के भंडारण के बाद लॉस व गेन के लिए भी कोई स्पष्ट नियम तय नहीं किए गए हैं। जिसके कारण फसल में कमी होने से नुकसान वेयर हाउस कॉरपोरेशन के मैनेजर और कर्मचारी उठाते हैं।

प्रदेश में धान मिलिंग क्षमता सीमित फिर भी दो प्रतिशत की सूखत मान्य

जानकारी के अनुसार मध्य प्रदेश में धान मिलिंग क्षमता सीमित है, जिसके चलते धान की मिलिंग में अधिक समय लगता है। इस कारण गोदामों में धान का भंडारण ज्यादा समय तक रहता है। इसके कारण धान में सूखत ज्यादा आती है। पिछले कुछ सालों से भारत सरकार द्वारा 1 फीसदी सूखत मान्य की जाती है और दूसरी ओर 1 फीसदी सूखत राज्य सरकार द्वारा वहन की जाती है, यानि धान में अधितम 2 प्रतिशत ही सुखत मान्य की जा रही है, लेकिन दूसरी ओर भारत सरकार की संस्था केंद्रीय भंडार गृह अलग मापदंडों पर सूखत मान्य कर रही है। इससे भी कर्मचारी परेशान हैं।

इंडिगो संकट: इंदौर से बैंगलुरु फ्लाइट बुक कराने पर किराया लगा 35 हजार

चौथे दिन परेशान हुए यात्री, दंपती शादी की सालगिरह मनाने नहीं जा सके गोवा

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। लगातार चैथे दिन राजाभोज एयरपोर्ट पर हवाई सेवाएं बुरी तरह से अस्त व्यस्त रहीं। इंडिगो की अधिकांश उड़ानें रद्द रहने के कारण यात्रियों को परेशानी हुई। भोपाल से बड़े शहरों में जाने के लिए यात्री इंडिगो पर ही निर्भर हैं। लेकिन लगातार चैथे दिन इंडिगो की लगभग सभी उड़ानें रद्द रहने के कारण यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। वैसे शुक्रवार की तुलना में शनिवार को कुछ सुधार नजर आया। शुक्रवार को जहां एक साथ 18 फ्लाइट कैंसिल कर दी गई, वहीं शनिवार को 10 उड़ानों का आना जाना नहीं हुआ। इधर एक कपल जो अपनी शादी की पहली सालगिरह मनाने गोवा जाने के लिए एयरपोर्ट पहुंचा लेकिन निराश घर लौटना पड़ा। वहीं भोपाल के एक यात्री को जरूरी काम से बैंगलुरु जाना था पर उड़ान रद्द रहने के कारण इंदौर से एक अन्य फ्लाइट से बैंगलुरु के लिए उसने 35 हजार किराया भरा। इधर भोपाल से मुम्बई एवं वहां से अमेरिका के लिए पहले से बुकिंग होने पर एक छात्र को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। एमपी नगर निवासी इस छात्र ने बताया कि समय पर मुंबई नहीं पहुंच पाने के कारण अमेरिका जाने वाली उड़ान छूट गई अब एक सप्ताह के बाद फिर से बुकिंग करवाई, जिसमें उसे 50 हजार का नुकसान हुआ। जहां 10 से अधिक उड़ानें रद्द होने के कारण लगभग दो हजार यात्री प्रभावित रहे, वहीं अनेक यात्रियों ने परेशानी से बचने के लिए खुद ही टिकट कैंसिल करवा दिया।

आज से होगी राशि की वापसी

इधर इंडिगो के एक अधिकारी ने बताया कि भोपाल से जितनी भी उड़ानें रद्द हुई उन सभी यात्रियों को पूरी राशि वापस करने का निर्णय लिया गया है। इसके लिए रविवार 7 दिसंबर से प्रकिया प्रारंभ कर दी जाएगी। अधिकांश यात्रियों ने ऑनलाइन बुकिंग की है, इस कारण उनके अकाउंट में राशि जमा कर दी जाएगी।

एयर इंडिया ने लोगों को लूटा

इंडिगो की इस हालत का फायदा भोपाल में एयर इंडिया उठा रहा है। जहां सामान्य दिनों में दिल्ली के लिए 50 हजार रुपए किराया रहता है, वहीं आने जाने का किराया शुक्रवार को 14 हजार और शनिवार को 33 हजार तक में लोगों ने दिल्ली व मुम्बई की यात्रा की। यहां बता दें कि एयर इंडिया केवल दिल्ली के लिए तीन एवं मुंबई के लिए एक उड़ान संचालित करता है, जबकि इंडिगो की दिल्ली के लिए 4 एवं मुंबई के लिए 3 उड़ानें हैं।

गांव में घुसा बायसन रेस्क्यू कर जंगल में छोड़ा

जागरण, बालाघाट। लांजी क्षेत्र में शनिवार को बायसन गांव के पास खेत में घुस आया। सूचना पर वन विभाग और पुलिस प्रशासन ने बायसन को सुरक्षित जंगल में वापस भेज दिया। घटना लांजी के कलपाथरी गांव में हुई, जहां ग्रामीणों ने खेत में बायसन को देखा। वन्यप्राणी के रिहायशी इलाके में आने की खबर मिलते ही वन विभाग और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पश्चिम लांजी वन परिक्षेत्र अधिकारी सपन ताम्रकार ने बताया कि सूचना मिलते ही पूर्व और पश्चिम लांजी के वनकर्मियों का एक दल गठित किया।

शराब ठेकेदार सुसाइड केस में रिश्वत मांगने का आरोप

देवास की सहायक आबकारी आयुक्त को किया सस्पेंड

मुख्यट संवाददाता, भोपाल। शराब ठेकेदार दिनेश मकवाना सुसाइड केस में वीडियो वायरल होने के बाद शनिवार को देवास की सहायक आबकारी आयुक्त मंदाकिनी दीक्षित को निलंबित कर दिया गया। दिनेश मकवाना ने आत्महत्या से पहले वीडियो बनाया था, जिसमें देवास की आबकारी आयुक्त पर रिश्वत मांगने के आरोप लगाए थे। सीएम डॉ मोहन यादव ने वीडियो वायरल होने के बाद मामले में कार्रवाई के निर्देश दिए थे। इसके बाद आबकारी आयुक्त अभिजीत अग्रवाल ने वाणिज्यकर विभाग को महिला अधिकारी के निलंबन का प्रस्ताव भेजा था। इस पर शनिवार को दीक्षित को सस्पेंड करने के आदेश जारी कर दिए गए।

हर माह कर रही थीं 7.5 लाख की डिमांड

वीडियो में मकवाना ने मंदाकिनी दीक्षित पर रिश्वत मांगने का आरोप लगाया था। मकवाना ने देवास में करणावद, चापड़ा और डबलचौकी में शराब दुकानों के ठेके लिए थे और उनके पास कुल पांच दुकानें थीं। मकवाना ने वीडियो में कहा था कि दीक्षित हर दुकान से 1.5 लाख रुपए मंथली घूस के हिसाब से हर महीने कुल साढ़े सात लाख रुपए की डिमांड कर रही थीं। मकवाना ने वीडियो में साफ कहा है कि वह अब तक 20-22 लाख रुपए दे चुका है। इसके बाद जब पैसे देने से मना किया तो दीक्षित ने उन्हें वेयरहाउस से शराब का स्टॉक नहीं उठाने दिया, इससे वह आर्थिक और मानसिक रूप से परेशान थे।

चार नए वीडियो वायरल, अधिकारी ने लगाया परिवार पर ब्लैकमेलिंग का आरोप

मामले से जुड़े चार और वीडियो शनिवार सुबह वायरल हुए। इनमें कथित तौर पर मृतक दिनेश मकवाणा की मां और सहायक आबकारी आयुक्त मंदाकिनी दीक्षित के बीच बात हो रही है। दीक्षित ने खुद पर लगे आरोपों को सिरे से खारिज कर दिनेश के परिवार पर ही ब्लैकमेलिंग के आरोप लगाए हैं। दीक्षित ने दावा किया कि सुसाइड से पहले बना वीडियो वायरल करने की धमकी देकर उनसे दो करोड़ रुपये की डिमांड की गई थी और उन्होंने पहले ही इस संबंध में देवास एसपी को शिकायत दर्ज कराई थी। दीक्षित का दावा है कि यह वीडियो ब्लैकमेलिंग के मकसद से जारी किया गया है। हालांकि दिनेश के परिजनों ने ये वीडियो जांच के लिए इंदौर पुलिस को सौंप दिए हैं और इंदौर पुलिस आत्महत्या के लिए उकसाने और रिश्वतखोरी के आरोपों की पड़ताल कर रही है। इधर सीएम की नाराजगी के बाद सस्पेंड हुईं मंदाकिनी दीक्षित पर विभागीय जांच की तलवार भी लटक रही है।

परेशानी से निजात

नया लाइट-बेस्ड सेंसर बना, अब उंगली में चुभाने की जरूरत नहीं

मधुमेह रोगियों के लिए बड़ी राहत, अब जांच हुई आसान

नई दिल्ली, जेएनएन। मधुमेह (डायबिटीज) से जूझ रहे करोड़ों लोगों के लिए एक बड़ी राहत की खबर सामने आई है। अमेरिका के प्रतिष्ठित संस्थान मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) के वैज्ञानिकों ने एक ऐसा नॉन-इनवेसिव ग्लूकोज मॉनिटरिंग सेंसर विकसित किया है, जो बिना खून की एक बूंद निकाले ब्लड शुगर लेवल माप सकता है। यह तकनीक सुई या उंगली में चुभन के बिना केवल लाइट वेव्स (प्रकाश तरंगों) के जरिए काम करती है। इस शोध के नतीजे एनालिटिकल कैमिस्ट्री जर्नल में प्रकाशित हुए हैं। फिलहाल मधुमेह मरीजों को दिन में कई बार उंगली में सुई चुभोकर शुगर जांच करनी पड़ती है। हालांकि कुछ पहनने योग्य सेंसर उपलब्ध हैं, लेकिन उनमें भी त्वचा के नीचे एक पतली तार डालनी पड़ती है, जिसे हर कुछ दिनों में बदलना जरूरी होता है। इससे त्वचा में जलन और संक्रमण का खतरा बना रहता है। इस तकनीक में 2020 में बड़ा सुधार हुआ, जब वैज्ञानिकों ने पाया कि अलग-अलग कोणों से डाली गई रोशनी की मदद से त्वचा में मौजूद अन्य तत्वों की 'नॉइज' को हटाकर ग्लूकोज सिग्नल को ज्यादा साफ पढ़ा जा सकता है।

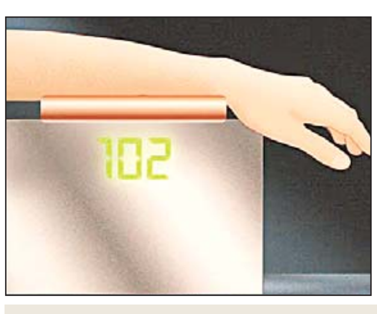

"कोई भी दिन में कई बार उंगली छिदवाना नहीं चाहता। यह सिर्फ असुविधा की बात नहीं है, बल्कि इसी वजह से कई मरीज समय पर जांच नहीं कर पाते, जिससे गंभीर जटिलताओं का खतरा बढ़ जाता है।
■ **जियोन वूंग कांग**, एमआईटी के रिसर्च साइंटिस्ट और अध्ययन के सह-लेखक

रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी पर आधारित है नई तकनीक

एमआईटी का यह सेंसर रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी नाम की तकनीक पर आधारित है। इसमें त्वचा पर नियर-इन्फ्रारेड और विजिबल लाइट डाली जाती है और वापस लौटने वाली रोशनी के पैटर्न से यह पता लगाया जाता है कि त्वचा के अंदर मौजूद इंटरस्टिशियल फ्लूड में ग्लूकोज का स्तर कितना है। इस तकनीक पर एमआईटी की टीम पिछले 15 सालों से अधिक समय से काम कर रही है। वर्ष 2010 में पहली बार यह साबित हुआ था कि प्रकाश के जरिए बिना खून निकाले ग्लूकोज मापा जा सकता है। लेकिन उस समय की मशीनें बहुत बड़ी और उपयोग के लिहाज से व्यावहारिक नहीं थीं।

30 सेकंड में सटीक रिजल्ट, स्मार्टवॉच साइज बनाने की तैयारी

यह नया सेंसर महज 30 सेकंड से थोड़ा ज्यादा समय में ब्लड शुगर रीडिंग दे देता है। शुरुआती परीक्षणों में इसकी सटीकता मौजूदा कंटीन्यूअस ग्लूकोज मॉनिटर्स के बराबर पाई गई है, जो मरीज शरीर पर पहनते हैं। वैज्ञानिक अब इसे और छोटा करके स्मार्टवॉच के आकार तक लाने की दिशा में काम कर रहे हैं। इसके साथ-साथ बड़े स्तर पर क्लीनिकल ट्रायल्स की भी तैयारी की जा रही है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि यह तकनीक हर तरह की त्वचा (स्किन टोन) पर समान रूप से सटीक काम करे।

मुद्रक एवं प्रकाशक **राजीव मोहन गुप्त** द्वारा जागरण पब्लिकेशन्स प्रा. लि. हेतु 'दैनिक जागरण प्रेस' 33, जागरण भवन, प्रेस काम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल, मध्यप्रदेश -462011 (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. 1573/57, पंजीयन संख्या 7 म.प्र., **संस्थापक : स्व. गुरुदेव गुप्त,** संपादक : **राजीव मोहन गुप्त,** स्थानीय संपादक : **हरिमोहन गुप्त** फोन : **कार्या. :** 0755-6723200 **E-mail :** modemdj@gmail.com।